राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, बुधवार 26 अगस्त 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 101 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

टाटा स्टील ने अपने कर्मचारियों के लिए एसबीआई के साथ किया एमओयू

अवैध हथियारों की जानकारी देने वालों को मिलेगा इनाम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। नक्सलियों की तरह अपराधियों के हथियारों को भी पुलिस ने टारगेट पर लिया है। पुलिस अपराधियों के हथियार की जानकारी देने वाले लोगों को इनाम देगी। ऑटोमेटिक हथियार का पता बताने वाले को 20 हजार से ज्यादा, पिस्टल का पता बताने वालों को 15 जबकि देसी कट्टा का पता बताने वालों को पांच हजार का इनाम दिया जाएगा। यह घोषणा पलामू पुलिस की तरफ से की गई है। नक्सली और उनके हथियार की जानकारी देने वालों को पुलिस लाखों का इनाम देती थी। इसी तर्ज पर अपराधियों के हथियार का पता बताने वालों को पुलिस इनाम देगी। हथियार का पता बताने वालों का नाम और पता गोपनीय रखा जाएगा। दरअसल पलामू का इलाका 70 के दशक से नक्सल प्रभावित रहा है। 2024 में पलामू को नक्सल जिलों की सूची से बाहर किया गया है। हालांकि पलामू में अभी भी संगठित अपराध एक बड़ी चुनौती है। इसलिए अपराध को कंट्रोल करने के लिए पुलिस ने हथियारों की जानकारी देने वालों को इनाम की घोषणा की है। नक्सलियों के रॉकेट लांचर, एलएमजी का पता बताने वालों को एक लाख, एके 47, 56 का पता बताने वालों को 75 हजार, पिस्टल रिवॉल्वर का पता बताने वालों को 25 हजार रुपए का इनाम रखा गया था। बता दें कि पलामू पुलिस ने आर्म्स एक्ट से जुड़े मामलों की समीक्षा की थी। समीक्षा के बाद आर्म्स एक्ट से जुड़े आरोपियों की एक सूची तैयार की गई थी। जिले में 851 लोग आर्म्स एक्ट से जुड़े मामले के आरोपी है। पलामू पुलिस ने अवैध हथियार के खिलाफ योजना तैयार की है और इनाम की राशि की घोषणा की है। पलामू पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक मई 2026 तक पलामू में 48 हत्या हुई थी जिसमें से 10 से अधिक हत्याओं में अवैध हथियार का इस्तेमाल हुआ है जबकि आर्म्स एक्ट के 26 मामले दर्ज हुए थे। पलामू पुलिस ने अवैध हथियार के खिलाफ ऑपरेशन सफाया शुरू किया है। यह ऑपरेशन जुलाई, अगस्त महीने में शुरू हुआ है। पिछले दो महीने में पुलिस ने इस ऑपरेशन के तहत 30 से अधिक हथियारों को बरामद किया है। 2023 के बाद से पलामू पुलिस ने नक्सलियों और अपराधियों के खिलाफ सर्च अभियान में 300 से भी अधिक हथियारों को बरामद किया है।

हेमंत सोरेन कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई अहम फैसले

शिक्षा-स्वास्थ्य पर फोकस, मेडिकल सीटें बढ़ेंगी, 100 स्कूल बनेंगे उत्कृष्ट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र को लेकर कई अहम फैसले लिए गए। सरकार ने मेडिकल कॉलेजों में सीटें बढ़ाने से लेकर नए उत्कृष्ट विद्यालय बनाने, छात्राओं को मुफ्त सैनिटरी नैपकिन देने और डॉक्टरों की नियुक्ति के लिए नई नियमावली को मंजूरी दी है। मेडिकल कॉलेजों के विस्तार पर सरकार का खास फोकस रहा। जमशेदपुर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस और पीजी सीटें बढ़ाने और नए विषय शुरू करने के लिए 2026-27 से 2029-30 तक 3 अरब 93 करोड़ 91 लाख 9 हजार 600 रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दी गई है। वहीं धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में मेडिकल शिक्षा को बढ़ाने के लिए 4 अरब 95 करोड़ 77 हजार 600 रुपये मंजूर किए गए हैं। इसके अलावा एसएनएमएमसीएच में 100 यूजी सीटों को बढ़ाकर 250 करने और घ्कसीटों में बढ़ोतरी की योजना के लिए 2.75 अरब रुपये की स्वीकृति दी गई है। स्वास्थ्य विभाग में सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की संविदा पर नियुक्ति के

लिए चिकित्सक नियुक्ति नियमावली 2026 को मंजूरी दी गई। वहीं गैर-शैक्षणिक डॉक्टरों और विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति उम्र 67 साल से घटाकर 65 साल कर दी गई है। शिक्षा के क्षेत्र में सरकार ने आदर्श विद्यालय योजना के तहत 100 और स्कूलों को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय बनाने के लिए 7.21 अरब रुपये मंजूर किए हैं। पांच नए प्रखंडों में झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय खोलने और भवन निर्माण के लिए 49.99 करोड़ रुपये की मंजूरी मिली है। ज्ञानोदय योजना के तहत शुरुआती कक्षाओं के बच्चों के लिए बाइलिंगुअल पेरेंटल कैलेंडर उपलब्ध कराने के लिए 73.66 करोड़ रुपये और कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों को स्टूडेंट डायरी देने के लिए 27.87 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं को हर महीने अधिकतम 10 मुफ्त बायो-डिग्रेडेबल सैनिटरी नैपकिन देने की योजना के लिए 1.24 अरब रुपये की मंजूरी मिली है। इसके अलावा झारखंड अवर शिक्षा सेवा के पदाधिकारियों को राज्य शिक्षा सेवा वर्ग-2 में पिछली तारीख से प्रोन्नति देने का फैसला हुआ। गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की गाइडलाइन में भी बदलाव को मंजूरी दी गई। सरकार ने झारखंड छात्र अनुसंधान और नवाचार नीति 2026 को भी मंजूरी दी है। इससे छात्रों में रिसर्च और नए विचारों को बढ़ावा देने की दिशा में काम किया जाएगा। बैठक में वज्रपात एवं ग्रीष्म लहर को गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चिन्हित प्राकृतिक आपदा की सूची में शामिल किये जाने के फलस्वरूप आपदाओं को झारखण्ड राज्य की विशिष्ट स्थानीय आपदा की सूची से विलोपित करने की स्वीकृति दी गई। साथ ही झारखण्ड राज्य में विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण): वीबी-जी राम जी (विकसित भारत-जी राम जी) योजना की स्वीकृति दी गई।

मुठभेड़ के बाद राहुल दुबे गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। जिले में अपराधियों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। मंगलवार सुबह टंडवा-पिपरवार थाना क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके में पुलिस और राहुल दुबे गिरोह के अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गिरोह का एक अपराधी विकास कुमार पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया। घायल विकास को प्राथमिक उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग स्थित शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। एसपी अनिमेष नैथानी ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि कार्रवाई में टंडवा और पिपरवार थाना की संयुक्त पुलिस टीम शामिल थी। पुलिस राहुल दुबे गिरोह के सदस्यों की तलाश में लगातार अभियान चला रही थी। एसपी के मुताबिक हाल ही में कोयलांचल क्षेत्र में एक निजी कार्य एजेंसी के कार्यालय में हुई अंधाधुंध फायरिंग के बाद से गिरोह के अपराधियों की तलाश तेज कर दी गई थी। घायल विकास कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया।

खनिज-जमीन हमारा, फैसला दिल्ली का नहीं चलेगा : सुबोध कांत सहाय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। खान एवं खनिज विकास और विनियम विधेयक के खिलाफ कांग्रेस आर-पार की लड़ाई लड़ेगी। इसके लिए पार्टी ने वृहद कार्यक्रम तय किया है। पार्टी द्वारा 27 अगस्त को जिलास्तर पर धरना-प्रदर्शन के अलावा 7 सितंबर को राज्यस्तरीय कार्यक्रम के तहत लोकभवन पर प्रदर्शन कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। पार्टी ने 9 से 16 सितंबर तक सभी प्रखंडों में धरना-प्रदर्शन के जरिए लोगों को इस विधेयक से झारखंड को होने वाली क्षति के प्रति जागरूक करने का निर्णय लिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने इसे झारखंड जैसे राज्य पर केंद्र के द्वारा आर्थिक कुठाराघात करने का आरोप लगाते हुए आंदोलन की घोषणा की है। कांग्रेस कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित

करते हुए सुबोध कांत सहाय ने कहा कि केंद्र मनमाने तरीके से इसे राज्यों पर थोपना चाह रही है जिसे झारखंड के लोग स्वीकार नहीं करेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने कहा कि एमएमडीआर विधेयक के जरिए आदिवासी मूलवासी अधिकारों पर कुठाराघात हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के इस फैसले से 14 हजार करोड़ जो हमें सेस और रॉयल्टी से पैसा आता है, इसपर केंद्र का क्यों नजर है। झारखंड सरकार का जो 2026-27 का बजट बना है उसमें 14 हजार करोड़ भी शामिल है। इससे जुड़ी योजनाएं इसमें समाहित है। यदि यह पैसा नहीं मिलेगा तो जो विकास के कार्य हैं वह कैसे पूरा होगा। उन्होंने कहा कि यह पहली बार हुआ है कि खनिज हमारा, जमीन हमारा लेकिन फैसला दिल्ली का। यहां राजनीति करने वाले जो वर्षों तक राज किया, क्या उनका इसके प्रति कोई दायित्व है। सुबोध कांत सहाय ने सुप्रीम कोर्ट के 2024 में दिए गए फैसले का हवाला देते हुए कहा कि यह फैसला नौ जजों के बेंच ने दिया था कि राज्य को उसके खनिज और उससे जुड़े हुए जो चीजों का अधिकार रहेगा। सुबोध कांत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले को नरेंद्र मोदी की सरकार ने अपनी गिनती के जोर पर लोकसभा और राज्यसभा में बिल पास कर बदल दिया है। उन्होंने कहा कि एमएमडीआर के बाद राज्य को होने वाली 14 हजार करोड़ की क्षति का वैकल्पिक व्यवस्था क्या होगा। इसे केंद्र को बताना चाहिए। उसकी भरपाई क्या केंद्र करेगी। क्या कोई इसके बारे में आश्वासन देगा। सुबोध कांत सहाय ने राज्य में भाजपा और उसके सांसदों को इस संबंध में केंद्र पर दबाव बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य को होने वाले इस आर्थिक हानि के संबंध में बातचीत करनी चाहिए। इस विधेयक की आलोचना करते हुए सुबोध कांत सहाय ने कहा कि खनन क्षेत्र की रखवाली भी केंद्रीय पुलिस करेगी। यानी धीरे-धीरे यहां केंद्र शासित प्रदेश की तरह का व्यवहार राज्यों पर होगा।

विधायक जयराम महतो समेत 10 पर प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। मीडिया की सुर्खियों में रहने वाले जेएलकेएम विधायक जयराम महतो की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। धनबाद के बरवाअड्डा थाना परिसर में हुए विवाद के मामले में पुलिस ने विधायक जयराम महतो समेत 10 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इसके अलावा 40 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने थाना परिसर में भीड़ जुटाने, हंगामा करने और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में यह कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सोशल मीडिया लाइव के जरिए हिरासत में लिए गए गणेश दास की पिटाई की अफवाह फैलाई गई। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग बरवाअड्डा थाना परिसर में जुट गए। इस दौरान हंगामा हुआ और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचने की बात सामने आई। इसी मामले में पुलिस ने जयराम महतो समेत 10 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है जबकि 40 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है। थाना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि घटना के दौरान मौजूद लोगों की पहचान की जा सके और पूरे विवाद में उनकी भूमिका का पता लगाया जा सके। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर प्राथमिकी में अन्य लोगों के नाम भी जोड़े जा सकते हैं। बरवाअड्डा थाना विवाद में जयराम महतो के खिलाफ यह पहली प्राथमिकी नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

जरमुंडी विधायक के घर से कूक का शव बरामद

दुमका(नबिटा ब्यूरो)। जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र के नोनीहाट में देर रात को एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 28 वर्षीय सोनू राउत, ग्राम दोयम तेलियाडीह, थाना सारवां, जिला देवघर निवासी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सोनू राउत जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर के घर पर खाना बनाने का काम करता था। घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ नवल किशोर सिंह के नेतृत्व में हंसडीहा एवं रामगढ़ थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों की उपस्थिति में कमरे का दरवाजा खुलवाकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

तालाब में डूबने से युवक की मौत

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के हंटरगंज स्थित प्रसिद्ध तीर्थ स्थल मां कौलेश्वरी पर्वत पर एक हादसा हुआ है। सावन के पवित्र महीने में दर्शन करने आए पलामू जिले के 22 वर्षीय श्रद्धालु सम्राट सिंह की सरोवर में डूबने से मौत हो गई। यह घटना मंगलवार सुबह हुई। यह हादसा हंटरगंज के कौलेश्वरी पर्वत पर स्थित महाकालेश्वर और सूर्य मंदिर के समीप बने सरोवर में हुआ। पलामू जिले के तरहसी थाना क्षेत्र अंतर्गत सिलडिलिया गांव निवासी रामू सिंह के पुत्र सम्राट सिंह अपने परिवार के साथ पूजा-अर्चना के लिए यहां आए थे।

कार एवं ट्रक के बीच आमने-सामने भिड़ंत

गुमला(नबिटा ब्यूरो)। गुमला-रांची मार्ग पर नागफ़ेनी के पास सोमवार-मंगलवार की देर रात एक कार और ट्रक की सीधी टक्कर हो गई। इस हादसे में करंज गांव निवासी परमेश्वर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई जबकि कार में सवार चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में कोटाम पनसो निवासी अंकित कुमार, करंज निवासी सुशील केसरी और करमडीपा निवासी कमल बड़ाइक शामिल हैं। एक अन्य घायल की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

करंट लगने के बाद किशोर ने तोड़ा दम

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत बेहरवाटांड़ में शुक्रवार दोपहर करंट लगने से एक 12 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। मृतक की पहचान रोशन साव के पुत्र शिवांश कुमार के रूप में हुई है। पड़ोसी जितेंद्र कुमार ने गांव के अन्य लोगों की मदद से शिवांश को किसी तरह दरवाजे से अलग कर तुरंत सदर अस्पताल कोडरमा ले जाया गया। वहां प्रारंभिक जांच के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आइआइटी-आइएसएम चेयरमैन को शिक्षा और शोध में योगदान के लिए मिला सम्मान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। आइआइटी-आइएसएम धनबाद के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन प्रो. प्रेमव्रत शिक्षा, शोध, संस्थान निर्माण और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में उनके दीर्घकालीन योगदान के लिए सम्मानित किये गये। ग्लोबल बोर्ड ऑफ आइआइटी एलुमनी काउंसिल की ओर से उन्हें मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। 23 अगस्त को नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर के गुलमोहर हॉल में आयोजित 'वर्ल्ड विजडम कनेक्ट' कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यह सम्मान प्रदान किया। सम्मान उनकी आत्मकथा माई सिक्स्टी ईयर्स ऐज एन आइआइटियन : एक्सपीरियंसेज एंड लेसन्स में दर्ज जीवन अनुभवों और शिक्षा व संस्थान निर्माण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया। सम्मानित प्रो प्रेम व्रत ने कहा कि यह उनके लंबे शैक्षणिक और पेशेवर जीवन में अर्जित अनुभवों, मूल्यों और सीख का सम्मान है। उन्होंने इसे अपने लिए विशेष महत्व वाला सम्मान बताया। बता दें कि प्रो. प्रेम व्रत देश के चर्चित शिक्षाविद, प्रबंधन विशेषज्ञ और संस्थान निर्माता हैं। आइआइटी आइएसएम से पहले वह आइआइटी रुड़की के फाउंडर डायरेक्टर और उत्तर प्रदेश टेक्निकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के कुलपति रह चुके हैं। उन्होंने आइआइटी दिल्ली समेत कई प्रतिष्ठित संस्थानों में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभायी हैं।

जैक में डेढ़ साल से उपाध्यक्ष का पद खाली

19 में से 13 सदस्य भी नहीं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) में उपाध्यक्ष का पद करीब डेढ़ वर्ष से खाली पड़ा है जबकि परिषद में सदस्यों के 19 स्वीकृत पदों में से 13 भी रिक्त हैं। इस स्थिति का असर जैक के प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्यों पर पड़ रहा है। कई महत्वपूर्ण समितियों के संचालन, शैक्षणिक संस्थानों की प्रस्वीकृति और निरीक्षण संबंधी प्रक्रियाएं भी प्रभावित होने की आशंका जतायी जा रही है। जैक के तत्कालीन उपाध्यक्ष विनोद सिंह का तीन वर्षों का कार्यकाल 17 जनवरी 2025 को समाप्त हो गया था। इसके बाद से अब तक सरकार ने नए उपाध्यक्ष की नियुक्ति नहीं की है। उपाध्यक्ष का पद खाली रहने से कई जिम्मेदारियां लंबित हैं क्योंकि यह पद केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि परिषद के कई महत्वपूर्ण निर्णयों से भी जुड़ा हुआ है। जैक के उपाध्यक्ष अपने नियमित दायित्वों के अलावा दुमका स्थित क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी भी होते हैं। इसके अलावा शैक्षणिक संस्थानों की प्रस्वीकृति से जुड़े मामलों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। निरीक्षण दलों में सदस्यों की नियुक्ति, विभिन्न समितियों की अध्यक्षता और कई प्रशासनिक फैसलों में भी उपाध्यक्ष की भागीदारी अनिवार्य मानी जाती है। जैक अधिनियम के अनुसार परिषद की बोर्ड बैठकों में कोरम को लेकर भी स्पष्ट प्रावधान हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में सदस्य पद रिक्त रहने से निर्णय प्रक्रिया पर भी असर पड़ सकता है। जैक में कुल 19 सदस्यों का प्रावधान है लेकिन वर्तमान में केवल छह सदस्य ही कार्यरत हैं यानी 13 पद लंबे समय से खाली पड़े हैं। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर रिक्तियां रहने से परिषद की कार्यक्षमता प्रभावित होना स्वाभाविक है। कई समितियों के गठन और निर्णय लेने की प्रक्रिया भी धीमी पड़ सकती है। झारखंड राज्य वित्तरहित शिक्षा संघर्ष मोर्चा ने इस मामले को गंभीर बताते हुए सरकार से अविलंब उपाध्यक्ष और सदस्यों के रिक्त पद भरने की मांग की है। मोर्चा के नेता रघुनाथ सिंह ने कहा कि लंबे समय तक पद खाली रखना शिक्षा व्यवस्था के हित में नहीं है। उनका कहना है कि जैक जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में नेतृत्व और सदस्य पदों की कमी का असर विद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े अनेक कार्यों पर पड़ रहा है। मोर्चा ने स्पष्ट किया है कि यदि जल्द नियुक्तियां नहीं की गयीं तो संगठन आंदोलन करेगा। साथ ही झारखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका (पीआईएल) दायर करने की भी तैयारी की जा रही है। संगठन का कहना है कि सरकार को शिक्षा व्यवस्था से जुड़े इस महत्वपूर्ण संस्थान में लंबित नियुक्तियों पर शीघ्र निर्णय लेना चाहिए ताकि जैक की प्रशासनिक और शैक्षणिक प्रक्रियाएं पूरी क्षमता के साथ संचालित हो सकें। जैक राज्य में मैट्रिक और इंटर परीक्षाओं के संचालन, परिणाम, प्रस्वीकृति और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों का प्रमुख संस्थान है। ऐसे में उपाध्यक्ष और सदस्यों के लंबे समय से खाली पदों को लेकर शिक्षा जगत में चिंता लगातार बढ़ रही है।

सर्वे की त्रुटियों से चंदनकियारी-चास में लाखों लोग प्रभावित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची/बोकारो। बोकारो जिले के चंदनकियारी एवं चास क्षेत्र में वर्ष 1982-84 में हुए सर्वे एवं बंदोबस्ती में कथित त्रुटियों का मामला एक बार फिर जोर पकड़ने लगा है। स्थानीय लोगों का दावा है कि सर्वे रिकॉर्ड में दर्ज खामियों के कारण क्षेत्र के 10 लाख से अधिक लोग और किसान वर्षों से भूमि संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। समस्या के स्थायी समाधान के लिए पिछले करीब 15 वर्षों से री-सर्वे कराने और बंदोबस्ती अभिलेखों की त्रुटियों को दूर करने की मांग की जा रही है। इसी मांग को लेकर मंगलवार को डॉ जयदेव कुमार महतो के नेतृत्व में प्रह्लाद महतो, रघुनाथ महतो, मिथलेश सरन, मितन कुमार महतो एवं दीपक कुमार महतो के प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन, रांची में

राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से चंदनकियारी और चास क्षेत्र में वर्ष 1982-84 के सर्वे एवं बंदोबस्ती से संबंधित अभिलेखों की व्यापक जांच कराने, रिकॉर्ड में दर्ज त्रुटियों का निराकरण करने तथा प्रभावित क्षेत्रों में शीघ्र री-सर्वे कराने की मांग की गयी। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि भूमि संबंधी विसंगतियों के कारण बड़ी संख्या में किसान और परिवार लंबे समय से परेशान हैं। सरकार को मामले को गंभीरता से लेते हुए स्थायी समाधान की दिशा में ठोस पहल करनी चाहिए। स्थानीय लोगों के अनुसार सर्वे रिकॉर्ड में गड़बड़ियों के कारण कई किसान अपनी जमीन की मालगुजारी तक जमा नहीं कर पा रहे हैं। इसके चलते उन्हें सरकारी योजनाओं और अन्य सुविधाओं का लाभ लेने में भी परेशानी हो रही है। भूमि दस्तावेजों में दर्ज विसंगतियों का असर केवल जमीन के मामलों तक सीमित नहीं है। लोगों का कहना है कि बच्चों के जाति एवं आय प्रमाण पत्र बनवाने में भी कठिनाई होती है। इससे उनकी शिक्षा और भविष्य से जुड़ी जरूरी प्रक्रियाएं प्रभावित हो रही हैं। ग्रामीणों ने सरकार से पुराने सर्वे अभिलेखों की समीक्षा कर त्रुटियों को दूर करने और री-सर्वे की प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग की है।

C M Y K

उद्योगों की मांग के अनुरूप तैयार होगी जिला कौशल विकास योजना, युवाओं को रोजगार से जोड़ने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में जिला कौशल समिति की बैठक हुई। बैठक में जिला कौशल विकास योजना 2026-27 की तैयारियों, स्थानीय उद्योगों की जरूरत, रोजगार की संभावनाओं और प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार व स्वरोजगार से जोड़ने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि कौशल विकास का उद्देश्य केवल युवाओं को प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि प्रशिक्षण के बाद उन्हें स्थायी रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना होना चाहिए। उन्होंने स्थानीय उद्योगों की मानव संसाधन संबंधी जरूरतों का आकलन कर उसी के अनुरूप प्रशिक्षण ट्रेड निर्धारित करने तथा प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं के लिए प्रभावी प्लेसमेंट की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रशिक्षण के बाद युवाओं की रोजगार स्थिति की नियमित मॉनिटरिंग करने और प्रशिक्षण संस्थानों व औद्योगिक प्रतिष्ठानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया। स्वरोजगार को भी मिलेगा बढ़ावा बैठक में ऐसे युवाओं की पहचान करने पर जोर दिया गया, जो प्रशिक्षण के बाद अपना व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं। उन्हें सरकारी योजनाओं, बैंक ऋण, वित्तीय सहायता और उद्यमिता संबंधी सुविधाओं से जोड़ने की रणनीति पर चर्चा हुई। प्रशासन ने ह्यप्रशिक्षण से रोजगारह्ण के साथ ह्यकौशल से उद्यमिताह्ण को बढ़ावा देने पर जोर दिया। ग्रामोध्यम पोर्टल पर 50 उद्यम मॉडल ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए नाबार्ड के सहयोग से विकसित ग्रामोध्यम पोर्टल की जानकारी भी बैठक में साझा की गई। पोर्टल पर बिजनेस आइडिया, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, बैंक योग्य परियोजना रिपोर्ट, सरकारी योजनाओं, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और बैंक लिंकेज जैसी सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध है।पोर्टल पर ग्रामीण स्तर पर उद्यम स्थापित करने के लिए 50 एंट्रेप्रेनेरशिप मॉडल्स उपलब्ध हैं। इनमें खाद्य प्रसंस्करण, कृषि एवं डेयरी, अनाज मिलिंग, ग्रीन एनर्जी, घरेलू उत्पाद, टेक्सटाइल, वेलनेस, डिजिटल सेवाएं और रिपेयरिंग से जुड़े विभिन्न व्यवसाय शामिल हैं। खाद्य प्रसंस्करण में स्नैक्स, नूडल्स, नमकीन, बेकरी, जैम-जेली, मसाला, अचार-चटनी आदि, जबकि कृषि एवं डेयरी में मिल्क प्रोसेसिंग, पनीर, मशरूम प्रोसेसिंग और हाइड्रोपोनिक्स जैसे मॉडल शामिल हैं। वहीं सोलर पैनल असेंबली, बायोमास, वेस्ट रीसाइक्लिंग, डिजिटल मार्केटिंग, वाहन मरम्मत, कार वॉश और टायर-व्हील सर्विस जैसे क्षेत्रों में भी स्वरोजगार की संभावनाएं बताई गईं। बैठक में जिला प्रशासन ने कौशल प्रशिक्षण रोजगार/प्लेसमेंट तथा कौशल प्रशिक्षण उद्यमिता बैंक ऋण स्वरोजगार की समग्र व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया। इससे जिले के युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अधिक अवसर मिलने की उम्मीद है। बैठक में उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी, जिला कौशल विकास पदाधिकारी प्रवीण कुमार, विभिन्न विभागों के अधिकारी, चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष, कंपनियों व औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि, प्रशिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि तथा उनडीपी की टीम के सदस्य मौजूद थे।

खनिज संशोधन विधेयक के विरोध में भाकपा माले का प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। खनिज संशोधन विधेयक 2026 के विरोध में भाकपा माले एवं विभिन्न जनसंगठनों के कार्यकताओं ने मंगलवार को मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के सदर प्रखंड अंतर्गत महुआटांड़ स्थित कार्यालय में जुटकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध जताया। इस दौरान केंद्र सरकार की नीतियों लगाया कि केंद्र सरकार लगातार राज्य के अधिकारों पर हस्तक्षेप कर रही है। उन्होंने कहा कि खनिज संशोधन विधेयक के खिलाफ भाकपा माले और उसके सभी जनसंगठन व्यापक आंदोलन करेंगे। वक्ताओं ने कहा कि विधेयक संसद के दोनों सदनों से पारित हो चुका है और अब राष्ट्रपति की मंजूरी की प्रक्रिया शेष है। उन्होंने राष्ट्रपति से

के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और विधेयक को वापस लेने की मांग उठाई गई। कार्यक्रम में भाकपा माले जिला कमिटी सदस्य राजेश सिन्हा ने कहा कि केंद्र सरकार झारखंड की खनिज संपदा और राज्य के अधिकारों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, ह्यझारखंड को केंद्र सरकार बर्बाद करना चाहती है, लेकिन उसकी यह कोशिश सफल नहीं होगी।ह्व उन्होंने कहा कि खनिज संपदा झारखंड की जनता के अधिकार और विकास का महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए किसी भी ऐसी नीति का विरोध किया जाएगा जिससे राज्य के हित प्रभावित हों। वहीं कन्हाई पांडेय ने कहा कि झारखंड से भाजपा सरकार को खदेड़े जाने की जरूरत है। उन्होंने आरोप भी झारखंड के जल, जंगल, जमीन और खनिज संपदा से जुड़े राज्य के हितों को ध्यान में रखने की अपील की। भाकपा माले नेताओं ने कहा कि खनिज संपदा के अलावा राज्य सरकार को मिलने वाले विभिन्न राजस्व स्रोतों पर भी केंद्र की नीतियों का असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जनहित और राज्य के अधिकारों की रक्षा के लिए आंदोलन को गांव से लेकर सड़क तक तेज किया जाएगा। इस मौके पर मसूदन कोल, राजेश राय, किशोर राय, भीम कोल, मोहन कोल्ह, प्रदीप कुमार, फेकन राय, गुलाब कोल, रंजीत सिंह, टैटू राय, बुधन राय, नौशाद आलम, एकराम अंसारी, मनोज यादव, गांधी और अमन वारसी समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

आरपीएस महिला कॉलेज में सावन महोत्सव का आयोजन

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। आरपीएस महिला कॉलेज में सावन महोत्सव का आयोजन बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, लोक परंपराओं तथा सावन मास के महत्व को विद्यार्थियों के बीच प्रोत्साहित करना था। महोत्सव में छात्राओं ने पारंपरिक परिधानों में भाग लिया तथा समूह नृत्य, मेहंदी, राखी प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. विनीता एवं शिक्षकों ने सावन मास के सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा छात्राओं को भारतीय परंपराओं से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

कर्नल कामेश कुमार बने वीवी गिरि विश्वविद्यालय के कुलसचिव

सिवान (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। कर्नल कामेश कुमार को वी.वी. गिरि विश्वविद्यालय का कुलसचिव नियुक्त किया गया है। वे बिहार के कई प्रमुख राज्य विश्वविद्यालयों में विश्वविद्यालय प्रशासन एवं शासन व्यवस्था के क्षेत्र में लगभग आठ वर्षों के समृद्ध और विविध अनुभव के साथ इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को संभालेंगे। कर्नल कामेश कुमार ने थल सेना में कोर ऑफ सिग्नल्स में एक लेफ्टिनेंट के रूप में जून 1987 में योगदान दिया। कर्नल कामेश कुमार का थल सेना में रहते हुए 31 वर्षों का आईटी एवं दूरसंचार क्षेत्र में अनुभव जिसमें मुख्यतः रेडियो संचार नेटवर्क, फाइबर ऑप्टिक संचार प्रणाली, मोबाइल नेटवर्क प्रणाली, आईटी हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर एवं संबंधित सुविधाओं, सूचना सुरक्षा नीतियों एवं ऑडिट, स्थापना एवं कमीशनिंग, उपकरणों के मूल्यांकन तथा साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में अनुभव रहा। जिन्होने दूरसंचार नेटवर्क के के निर्माण, परियोजना के संपूर्ण जीवन-चक्र प्रबंधन, नीतियों एवं प्रक्रियाओं के निर्माण, प्रक्रिया सुधार, अनुबंध प्रबंधन, डिलीवरी प्रबंधन, विक्रेता प्रबंधन तथा संबंध एवं प्रदर्शन प्रबंधन में विशेषज्ञता एवं दक्षता दिखायी। इनका साहसिक खेलों का अनुभव भी रहा जिसमें टीम का नेतृत्व करने का अनुभव रहा। यूनिट स्तर पर क्रिकेट एवं वॉलीबॉल में सहभागिता एवं अनुभव भी रहा। एक नए विश्वविद्यालय की स्थापना तथा विश्वविद्यालय के लिए विभिन्न नीतियों एवं प्रक्रियाओं की रूपरेखा तैयार करने का इनका अनुभव भी रहा। कर्नल कामेश कुमार पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना के संस्थापक कुलसचिव के रूप में अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने पटना विश्वविद्यालय, मौलाना मजहरुल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय तथा बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में कुलसचिव के महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

तीन शिक्षण संस्थानों में आयोजित हुआ विद्यार्थी सहयोग शिविर

डंडखोरा/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सामान्य प्रशासन विभाग बिहार सरकार के आदेश तथा जिला पदाधिकारी के निर्देश पर मंगलवार को प्रखंड क्षेत्र के 03 शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया गया।संस्थान प्रमुख के नेतृत्व में आयोजित इन शिविरों में दंडाधिकारी सहित पुलिस पदाधिकारी की भी प्रतिनियुक्ति की गई थी,तो सभी शिविरों छात्र-छात्राओं उपस्थिति रही।शिविर आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों से उनकी शैक्षणिक, छात्रावास, छात्रवृत्ति, प्रमाण-पत्र, संस्थान की आधारभूत संरचना, पेयजल, शौचालय, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, भोजन, सुरक्षा, परिवहन आदि सुविधाओं की समस्या से संबंधित शिकायतों को प्राप्त कर उनका यथासंभव समाधान सुनिश्चित कराना है। शिविरों में प्राप्त शिकायतों को पंजीकृत कर विद्यार्थी सहयोग पोर्टल पर अपलोड करते हुए समयबद्ध समाधान की कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे स्टेशनों पर पानी की टंकियों और फिल्टरों की होगी विशेष सफाई

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। यात्रियों को सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए भारतीय रेलवे ने स्टेशनों पर पानी की टंकियों, फिल्टरों और वाटर कूलरों की सफाई व कीटाणुशोधन का विशेष अभियान शुरू किया है। इसके तहत क्षेत्रीय रेलवे को पेयजल व्यवस्था का व्यापक निरीक्षण कर कमियों को समयबद्ध तरीके से दूर करने का निर्देश दिया गया है। अभियान के दौरान भूमिगत एवं ओवरहेड टैंक, पीवीसी टैंक, जल बूथ, नल, पाइपलाइन, फिल्टर, वाटर कूलर तथा जल वितरण केंद्रों की जांच की जाएगी।

बुजुर्ग की परेशानी देख डीसी ने दिखाई संवेदनशीलता, 7 दिनों में पेंशन दिलाने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। समाहरणालय परिसर में मंगलवार को उपायुक्त रामनिवास यादव की नजर एक बुजुर्ग महिला पर पड़ी। उन्होंने महिला से बातचीत कर उनकी समस्या और स्वास्थ्य की जानकारी ली। बुजुर्ग महिला कमला देवी, निवासी बुधुडीह, ने बताया कि उन्हें अब तक पेंशन योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने मौके पर ही सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा को बुलाकर आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कमला देवी को पात्रता के अनुरूप सात दिनों के भीतर पेंशन योजना का लाभ दिलाया जाए। साथ ही, यदि पेंशन की कोई राशि लंबित है तो नियमानुसार उसका अविलंब भुगतान सुनिश्चित करने को कहा। उपायुक्त की इस पहल से प्रशासन की संवेदनशीलता और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान का संदेश सामने आया है। प्रशासन का उद्देश्य पात्र लाभुकों तक सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचाना है।

मंटू मुर्मू पर भीड़ द्वारा हमला करने का आरोप, एससी-एसटी थाना में आवेदन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। 21 अगस्त को झंडा मैदान में हुई घटना को लेकर मंगलवार को होटल गैली में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर जएसएससी-जेपीएससी रिफॉर्म मंच से जुड़े मंटू मुर्मू ने पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकताओं की भीड़ ने उनके साथ मारपीट की और मॉब लिंचिंग का प्रयास किया। मंटू मुर्मू ने बताया कि जएसएससी- जेपीएससी रिफॉर्म मंच की ओर से झारखंड के सभी 24 जिलों में मुख्यमंत्री का पुतला दहन करने की घोषणा की गई थी। इसी क्रम में गिरिडीह में भी युवाओं ने 21 अगस्त की शाम छह बजे पुतला दहन करने का निर्णय लिया था। इसी दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से टावर चौक पर केंद्र सरकार के खान एवं खनिज विकास एवं विनियमन संशोधन विधेयक, 2026 के विरोध में प्रदर्शन किया जा रहा था। आरोप है कि इसी बीच करीब 200 से 250 की संख्या में झामुमो कार्यकर्ता झंडा मैदान पहुंच गए। मंटू मुर्मू ने आरोप लगाया कि लखन राम, मोहम्मद असलम, सनी राईन, संजय सिंह, अजीत पप्पू, सुमित कुमार, मोहम्मद राजा समेत अन्य लोगों ने उन्हें भीड़ के बीच खींच लिया।

फर्जी सरकारी नोटिस भेजकर साइबर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। साइबर अपराध के खिलाफ गिरिडीह पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिहोडीह स्थित बिरेंद्र पांडेय के मकान में छापेमारी कर साइबर ठगी के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 8 मोबाइल फोन, 6 सिम कार्ड और एक लैपटॉप बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर साइबर थाना प्रभारी के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया था। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन साइबर आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि वे आंगनबाड़ी का फर्जी नोटिस, गैस बिल अपडेट, गर्भवती एवं प्रसूता महिलाओं को एकाउंट फुल करवाने से संबंधित फर्जी नोटिस, महानगर गैस लिमिटेड तथा एलपीजी गैस कनेक्शन डिस्कनेक्ट होने से संबंधित फर्जी नोटिस भेजकर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। इसके बाद साइबर ठगी को अंजाम दिया जाता था। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ताराटांड़ थाना क्षेत्र के बोरोटांड़ निवासी करीब 19 वर्षीय पंकज मंडल और मोहन मंडल, जबकि बेंगाबाद थाना क्षेत्र के मानजोरीसिंहडीह निवासी करीब 18 वर्षीय सोनू कुमार के रूप में की है। मामले में साइबर थाना कांड संख्या 27/2026, दिनांक 25 अगस्त 2026 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में साइबर थाना प्रभारी पुनीत रामेश्वर भगत, पुलिस अधिकारी गुंजन कुमार, पुनीत गौतम, गजेंद्र कुमार, सशस्त्र बल के जवान तथा पुलिस लाइन से प्राप्त बल शामिल थे। पुलिस की इस कार्रवाई से साइबर ठगी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने की उम्मीद है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों और ठगी के तरीकों की जानकारी जुटा रही है।

सीसीएल का लंकास्टर अस्पताल धंसा, जमीन में पड़ीं दरारें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सीसीएल गिरिडीह एरिया में मंगलवार की अहले सुबह अचानक हुए भू-धंसान से हड़कंप मच गया। भू-धंसान की चपेट में सीसीएल का लंकास्टर अस्पताल भी आ गया। अस्पताल की दो इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं, जबकि भवन का एक हिस्सा जमीन में धंस गया। अस्पताल परिसर से लगी सड़क और आसपास के बड़े भू-भाग में भी चौड़ी-चौड़ी दरारें पड़ गईं। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। घटना की जानकारी मिलते ही सीसीएल गिरिडीह एरिया के जीएम कन्हैया शंकर गैवाल, परियोजना पदाधिकारी गोपाल सिंह मीणा, चिकित्सा पदाधिकारी परिमल सिन्हा, सिविल विभाग के रामाकांत समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। अस्पताल कर्मी दिलीप कुमार के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब चार बजे जमीन और भवन में धंसान दिखाई दिया। स्थिति को देखते हुए अस्पताल में मौजूद सभी कर्मियों को तत्काल सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया क भू-धंसान के बाद सीसीएल अधिकारियों ने पूरे अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया। एहतियात के तौर पर अस्पताल क्षेत्र में लोगों की आवाजाही रोकने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का निर्देश दिया गया। इसके बाद सीसीएल सुरक्षा गार्ड और होमगार्ड के जवानों की तैनाती कर दी गई है। अवैध कोयला खनन पर भी उठ रहे सवाल स्थानीय लोगों के अनुसार, इस इलाके में लंबे समय से बड़े पैमाने पर अवैध कोयला खनन की गतिविधियां होती रही हैं। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि लगातार अवैध खनन के कारण जमीन के भीतर खोखलापन पैदा हुआ हो, जिसकी वजह से भू-धंसान की स्थिति बनी। हालांकि,भू-धंसान का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं है। इसकी पुष्टि आधिकारिक और तकनीकी जांच के बाद ही हो सकेगी। अस्पताल जैसे संवेदनशील परिसर में हुई इस घटना ने सीसीएल क्षेत्र में जमीन के नीचे चल रही खनन गतिविधियों और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मिलाद-उन-नबी को लेकर पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आगामी मिलाद-उन-नबी पर्व को लेकर गिरिडीह जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को पुलिस लाइन परिसर में मॉक ड्रिल आयोजित कर आपात स्थिति से निपटने, भीड़ नियंत्रण और त्वरित कार्रवाई का अभ्यास कराया गया। मॉक ड्रिल का निरीक्षण उपायुक्त रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार एवं उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने किया। इस दौरान सुरक्षा बलों की तत्परता, आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, संवेदनशील परिस्थितियों में संयमित कार्रवाई और प्रशासन-पुलिस के बीच बेहतर समन्वय का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि मिलाद-उन-नबी पर्व के दौरान जिले में शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को पूरी गंभीरता और सजगता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। एसपी डॉ. बिमल कुमार ने पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने तथा किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क रहने का निर्देश दिया। मॉक ड्रिल के माध्यम से संभावित चुनौतियों से निपटने और उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी इस्तेमाल का अभ्यास कराया गया। जिला प्रशासन ने पर्व को लेकर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के साथ आमजनों से आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ पर्व मनाने की अपील की है।

बीएनएसएस पर विशेष व्याख्यान, विधि विद्यार्थियों को नई आपराधिक न्याय व्यवस्था की दी जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। कमार्टांड़, बेंगाबाद स्थित के. एन. बख्शी कॉलेज ऑफ एजुकेशन के विधि संकाय की ओर से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 पर विशेष ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। जूम प्लेटफॉर्म पर आयोजित कार्यक्रम में विधि विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं न्यायिक सेवा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विधि विशेषज्ञ एवं कानून विषयक पुस्तकों के लेखक मयंक माधव तथा दिल्ली उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता पंकज जायसवाल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। विशेषज्ञों ने बीएनएसएस के प्रमुख प्रावधानों, उसके व्यावहारिक उपयोग, न्यायिक प्रक्रिया में हुए बदलाव तथा पुरानी दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) से इसके महत्वपूर्ण अंतरों पर विस्तार से प्रकाश डाला।मयंक माधव ने विद्यार्थियों को बताया कि नए आपराधिक कानूनों को केवल धाराओं के रूप में याद करने के बजाय उनके उद्देश्य, प्रक्रिया और व्यावहारिक प्रभाव को समझना जरूरी है। उन्होंने न्यायिक सेवा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए बीएनएसएस के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी।वहीं, पंकज जायसवाल ने न्यायालयीन अनुभव साझा करते हुए आपराधिक न्याय प्रक्रिया में तकनीक और डिजिटल माध्यमों के बढ़ते उपयोग तथा न्यायिक प्रक्रिया को अधिक समयबद्ध बनाने के प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को नवीनतम कानूनी बदलावों और न्यायालयों के महत्वपूर्ण निर्णयों का नियमित अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज के विधि संकाय के प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि विधि शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। नए कानूनों और न्यायिक बदलावों से विद्यार्थियों को लगातार अवगत कराना शिक्षण संस्थान की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय संहिता, बीएनएसएस और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के लागू होने के बाद आपराधिक न्याय व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। कार्यक्रम के बाद प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बीएनएसएस की विभिन्न धाराओं, न्यायिक प्रक्रिया तथा पुराने और नए कानूनों के बीच अंतर से जुड़े सवाल पूछे। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। संविधान पर हुई प्रश्नोत्तरी विशेष व्याख्यान के बाद विद्यार्थियों के संवैधानिक एवं विधिक ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से ह्यसंविधानह्ण विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई।

बीएनएस डीएवी की छात्राओं ने एसपी डॉ. विमल कुमार को बांधी राखी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। रक्षाबंधन के अवसर पर बीएनएस डीएवी विद्यालय की नन्हीं छात्राएं मंगलवार को गिरिडीह पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचीं। छात्राओं ने पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार, भा.पु.से. को राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास और सुरक्षा का संदेश दिया। छात्राओं के हाथों राखी बंधवाने के बाद पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने सभी बच्चियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक सौहार्द का भी प्रतीक है। एसपी ने छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्राओं की इस आत्मीय पहल से पुलिस अधीक्षक कार्यालय में खुशी और उत्साह का माहौल रहा। इस मौके ने पुलिस और आमजन के बीच विश्वास, अपनापन और आत्मीय संबंधों को और मजबूत करने का संदेश दिया।

चाकू मारकर किशोर की हत्या, सड़क जाम

गुटखा लाने से किया था इंकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। फुलवड़िया थाना क्षेत्र के आलूचट्टी-विश्वकर्मा टोला रोड में एक मनचले युवक ने एक बालक को गले में चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

घायल बालक खून से लथपथ किसी तरह अपने घर के पास पहुंचा और गिर गया। स्वजन आनन-फानन में इलाज के लिए स्थानीय लाइफलाइन हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, बरौनी ले गए, जहां चिकित्सकों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया।

मृत बालक की पहचान शोकहरा-एक रौशन टोला (बरौनी नगर परिषद वार्ड संख्या-16) निवासी मो. अफजल के लगभग 14 वर्षीय पुत्र मो. फैजान के रूप में हुई है।

वहीं, आरोपित की पहचान उसी मोहल्ले के स्व. ठकरू के पुत्र लगभग 20 वर्षीय मो. आशिक के रूप में हुई है। घटना के बाद से आरोपित वहां से फरार हो गया।

घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने कुछ देर के लिए शव को बीच सड़क पर रखकर सड़क जाम कर दिया। फुलवड़िया थाना अध्यक्ष विवेक कुमार सहनी के नेतृत्व में पुलिस ने लोगों को समझा कर शांत कराया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, बेगूसराय भेज दिया।

समाचार प्रेषण तक घटना के कारणों के बारे में विशेष जानकारी नहीं मिल पाई थी। वैसे कुछ लोगों का कहना है कि बालक से गुटखा लाने के लिए बोला गया था। उसने लाने से इनकार कर दिया। इसी बात पर दोनों के बीच नोक-झोंक हुई फिर गले में चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी गई। इधर घटना की सूचना मिलते ही एसपी मनीष एवं तेघड़ा डीएसपी कृष्ण कुमार ने घटनास्थल पहुंच कर मामले की जानकारी ली।

परीक्षा रद्द की मांग को ले छात्रों ने काटा बवाल

पुलिस ने छात्रों पर चटकायी लाठियां

एक का सर फटे, कई हुए चोटिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर मंगलवार को पटना में छात्रों का प्रदर्शन उग्र हो गया। गांधी मैदान से राजभवन की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों ने रास्ते में लगी पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ दी और प्रतिबंधित क्षेत्र की ओर बढ़ने की कोशिश की। छात्रों को रोकने के लिए पुलिस ने पहले वाटर कैनन का इस्तेमाल किया, लेकिन हालात नहीं संभले तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को पीछे हटाया। लाठीचार्ज में एक छात्र के सिर में चोट लगने की बात सामने आई है।

पुलिस की तैनाती के बावजूद छात्र जेपी गोलंबर पर लगाए गए बैरिकेडिंग को तोड़ते हुए डाकबंगला चौराहा पहुंच गए। डाकबंगला चौराहे पर छात्रों और जवानों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई।

प्रदर्शनकारी छात्रों को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। पानी की तेज बौछार के बीच प्रदर्शन कर रहे एक छात्र के सिर में चोट लगने की बात सामने आई है, जबकि एक छात्रा के बेहोश होने की भी सूचना है।

प्रदर्शन के दौरान छात्र बारिश और पानी की बौछार के बीच भी डटे रहे। कुछ छात्रों को पानी से पूरी तरह भीगने के बावजूद शैंपू लगाकर नहाते हुए भी देखा गया। छात्र अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि पुलिस उन्हें रोकने के लिए बैरिकेडिंग और सुरक्षा बलों का इस्तेमाल कर रही है।

विधायक जयराम महतो की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

अफवाह फैलाने, सरकारी काम में बाधा डालने का लगा आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। बरवाअड्डा थाना परिसर में हुए विवाद के मामले में पुलिस ने विधायक जयराम महतो समेत 10 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इसके अलावा 40 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने थाना परिसर में भीड़ जुटाने, हंगामा करने और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में यह कार्रवाई की है।

पुलिस के अनुसार, शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सोशल मीडिया लाइव के जरिए हिरासत में लिए गए गणेश दास की पिटाई की अफवाह फैलाई गई। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग बरवाअड्डा थाना परिसर में जुट गए। इस दौरान हंगामा हुआ और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचने की बात सामने आई। इसी मामले में पुलिस ने जयराम महतो समेत 10 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है, जबकि 40 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है।

पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है। थाना परिसर में लगे कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि घटना के दौरान मौजूद लोगों की पहचान की जा सके और पूरे विवाद में उनकी भूमिका का पता लगाया जा सके। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर प्राथमिकी में अन्य लोगों के नाम भी जोड़े जा सकते हैं।

बरवाअड्डा थाना विवाद में जयराम महतो के खिलाफ यह पहली प्राथमिकी नहीं है। इससे पहले मुखिया यशोदा देवी के पुत्र की शिकायत पर भी जयराम महतो समेत अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है। वहीं, विधायक जयराम महतो की शिकायत पर भी एक अलग प्राथमिकी दर्ज हुई है। इस तरह बरवाअड्डा थाना विवाद में लगातार प्राथमिकी दर्ज होने के बाद मामला अब राजनीतिक और कानूनी दोनों स्तरों पर तूल पकड़ता जा रहा है।

मां दुलारी क्लिनिक का सांसद ने किया शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। भखरुआं में पटना रोड स्थित मां दुलारी क्लीनिक का उद्घाटन सोमवार को काराकाट से सांसद राजाराम सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि आज चिकित्सा सेवा की उपलब्धता अति आवश्यक है। इस क्लीनिक से आम लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी और उसका लाभ मिल सकेगा। इस अवसर पर डॉ. अनमोल कुमार ने सांसद के अलावा जिला परिषद सदस्य अरविंद यादव, सांसद प्रतिनिधि पिंटू सिंह, राजकुमार मालाकार, रंजीत कुमार, मोहम्मद फजलुर रहमान उर्फ लड्डू एवं पत्रकारों को सम्मानित किया। इस अवसर पर

डॉ. मधुमिता शर्मा ने डॉ. अंकिता मगध को सम्मानित किया। संचालक सतीश कुमार समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे। डॉक्टर अनमोल कुमार ने बताया कि यहां हमेशा विभिन्न रोगों के इलाज के लिए कई चिकित्सक उपलब्ध रहेंगे।

पिस्टल की बट से मारकर वार्ड पार्षद को किया जख्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। अतिक्रमण हटाने के अभियान के बाद विवाद का मामला सामने आया है। सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के सोडा गोदाम रोड के पास अतिक्रमण हटाए जाने से नाराज कुछ लोगों ने नगर निगम के वार्ड पार्षद पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने पिस्टल के बट से वार कर वार्ड पार्षद शिवशंकर महतो का सिर फोड़ दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। घायल वार्ड पार्षद शिवशंकर महतो नगर निगम के वार्ड नंबर 45 के पार्षद हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार को शहर में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान उनके वार्ड में भी अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इस कार्रवाई का कुछ लोगों ने विरोध किया था। पार्षद के मुताबिक, शाम को इलाके को अतिक्रमण मुक्त कराया गया था। इसके बाद जब वह रात में अपने कार्यालय से घर लौट रहे थे, तभी कुछ लोगों ने उन्हें रास्ते में घेर लिया और अचानक हमला कर दिया।

शिवशंकर महतो ने बताया कि हमले के दौरान उनके सिर पर वार किया गया, जिससे उनका सिर फट गया और वह घायल हो गए। उनका आरोप है कि आरोपी ने पिस्टल के बट से उनके सिर पर हमला किया। इसके बाद आसपास के लोगों की मदद से उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। वार्ड पार्षद ने घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पार्षद का यह भी आरोप है कि आरोपी की ओर से पहले से ही उन्हें और उनके परिवार को धमकी दी जा रही थी।

ऑपरेशन के बाद मौत, हंगामा

नवादा। नवादा नगर थाना क्षेत्र के सद्भावना बिजली ऑफिस के पास संचालित एक निजी हॉस्पिटल में एक महिला मरीज की मौत हो जाने पर लोगों ने हंगामा किया। जानकारी के अनुसार नेमदारगंज थाना के मनका गांव निवासी लालजी चौहान की पत्नी गीता देवी की बच्चेदानी के ऑपरेशन के बाद मौत हो गई। अस्पताल परिसर में स्वजन ने नाराजगी जताई। सूचना पर नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों को समझाते हुए स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गई। स्वजन के अनुसार, गीता देवी का इलाज कराने के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ऑपरेशन के बाद अस्पताल की ओर से बताया गया कि महिला को होश आ जाएगा। इसके बाद महिला की मौत की सूचना मिली। जिसके बाद परिवार के सदस्य रोने-बिलखने लगे।

बाढ़ ने तोड़ी किसानों की कमर

बक्सर। दियरांचल में गंगा के बढ़ते जलस्तर ने सब्जी उत्पादक किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। बाढ़ का पानी खेतों में फैलने से सैकड़ों एकड़ में लगी परवल, करेला, भिंडी समेत विभिन्न सब्जियों की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है।

खेतों में पानी भरने से तैयार फसल सड़ने लगी है। इससे किसानों को लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। सबसे अधिक परेशानी उन गरीब किसानों को झेलनी पड़ रही है, जिन्होंने मालगुजारी पर जमीन लेकर सब्जी की खेती की थी।

अब खेती में लगाए गए बीज, खाद, दवा और मजदूरी की लागत भी निकल पाना मुश्किल है। फसल बर्बाद होने के बाद किसानों के सामने परिवार के भरण-पोषण के साथ-साथ मालगुजारी चुकाने की भी चिंता खड़ी हो गई है। पूरे साल परिवार का खर्च कैसे चलेगा, इसे लेकर किसान बेहद परेशान हैं। गर्जन पाठक के डेरा गांव निवासी सब्जी उत्पादक किसान रामाशंकर बिंद ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। इसके कारण खेतों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया।

संज्ञा समिति ने किया गोस्वामी तुलसीदास का स्मरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। संज्ञा समिति द्वारा गोस्वामी तुलसीदास जी के जन्म जयंती का आयोजन अनुज पाण्डेय के आवास पर किया गया। अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष डॉ. पंकज कुमार मिश्रा ने की। संचालन सचिव संजय मिश्रा ने किया। मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय, प्रखंड अध्यक्ष डॉ. पंकज मिश्रा एवं भाजपा नगर अध्यक्ष श्याम पाठक सहित अन्य सदस्यों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। राज पाठक एवं अन्य शामिल हुए। उनके जीवन, साहित्यिक योगदान एवं श्रीरामचरितमानस के माध्यम से समाज को दिए गए संदेशों पर प्रकाश डाला गया। श्याम कुमार पाठक ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा अनेक महाकाव्य लिखा गया। जिसमें श्रीरामचरितमानस का पूरे विश्व में प्रमुख स्थान है। इनके रचना से समाज में आध्यात्मिक, भक्ति का संचार हुआ। भक्ति मार्ग से श्रीराम जी के आदर्श जीवनी के बारे चौपाई के माध्यम से सभी को पढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ। अनुज पांडेय ने सभी सदस्यों को श्रीरामचरितमानस भेंट की। धन्नजय मिश्र,संजय मिश्र,संतोष पाठक, राजू मोहन मिश्र, चिंटू मिश्र ,प्रशांत इंद्र गुरु, अमित मिश्र,सोनू पाठक, प्रेम पाठक,गुड्डू पाठक, चुनचुन मिश्र, पिंटू पाठक, नीतीश मिश्र, अजय पाण्डेय,उपस्थित रहे।

असामाजिक तत्वों ने खंडित की मूर्ति, तनाव

पुलिस गांव में कर रही कैम्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीवान। जिले के बड़हरिया थाना क्षेत्र के चैनछपरा गांव स्थित हनुमान मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति खंडित किए जाने के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है। एहतियात के तौर पर पुलिस चैनछपरा गांव में कैंप कर रही है।

ग्रामीणों के अनुसार, सोमवार शाम गौमाला पूजा (काली पूजा) के दौरान एक पशु को लेकर विवाद हो गया था। कुछ लोग इसका विरोध करते हुए पूजा स्थल तक पहुंच गए, जिसके बाद विवाद बढ़ने लगा। हालांकि, वहां पहले से एक चौकीदार ड्यूटी पर तैनात था। दूसरे पक्ष के लोगों के पूजा स्थल पर पहुंचने पर पूजा में जुटे लोगों ने आपत्ति जताई। इसके बाद चौकीदार ने विवाद की सूचना स्थानीय पुलिस प्रशासन को दी।

थानाध्यक्ष छोटन कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पहुंचे पुलिसकर्मियों ने दूसरे पक्ष के लोगों को वहां से हटा दिया। पुलिस पदाधिकारियों की मौजूदगी में ही गौमाला पूजा संपन्न हुई। थानाध्यक्ष ने पुलिस अधिकारी समेत कुछ पुलिसकर्मियों को वहां तैनात कर दिया। पुलिसकर्मी देर रात तक वहां मौजूद रहे। आरोप है कि पुलिसकर्मियों के जाने के बाद कुछ असामाजिक तत्व मंदिर में घुस गए और हनुमान जी की मूर्ति के दोनों हाथों को खंडित कर दिया। मूर्ति की गर्दन पर भी प्रहार किए जाने के निशान मिले हैं।

मंगलवार सुबह जब कुछ महिलाएं हनुमान मंदिर में पूजा करने पहुंचीं तो उन्होंने हनुमान जी की मूर्ति को खंडित पाया। महिलाओं ने गांव पहुंचकर इसकी जानकारी ग्रामीणों को दी। इसके बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए और देखते ही देखते आसपास के कई गांवों के लोग भी एकत्रित होकर घटना का विरोध करने लगे।

सूचना मिलते ही जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसडीपीओ अजय कुमार सिंह, एसडीओ सीवान सदर आशुतोष गुप्ता समेत अन्य पदाधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया। इसके बाद क्षेत्र के गणमान्य लोगों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ शांति समिति की बैठक की गई। अधिकारियों ने सभी लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

पुलिस की सक्रियता से टली घटना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। चंडी थाना क्षेत्र के सालेपुर-बेलधना के निकट सोमवार की सुबह पुलिस की तत्परता से उन्मादी भीड़ के हिंसा की घटना टल गई। पशुधन चोरी में संलिप्तता के आरोप में भीड़ ने पड़ोस के गांव के एक व्यक्ति की पिटाई शुरू कर दी थी। सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने उसे भीड़ से सुरक्षित निकाल लिया। इस दौरान कुछ युवकों ने पुलिस के कार्य में बाधा डालने का प्रयास किया, जिन्हें हिरासत में लिया गया। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई थानों की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों का आरोप था कि मेहंदीबिगहा का 13 वर्षीय किशोर रात करीब दस बजे एक किसान के घर में घुसा था। लोगों के जाग जाने पर वह भाग निकला। ग्रामीणों का दावा था कि उसके साथ कुछ और युवक भी थे, जो पशुधन चोरी के इरादे से आए थे।

लक्ष्मी बनी ब्यूटी क्वीन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। कभी माओवाद प्रभावित रहे जमुई की बेटी लक्ष्मी भार्गव ने मॉडलिंग की दुनिया में जिले का नाम रोशन किया है। जिला मुख्यालय के हरनाहा निवासी उमाकांत सिंह और विभा देवी की पुत्री लक्ष्मी ने बिहार का प्रतिनिधित्व करते हुए मिस रीना हिस्पानोअमेरिकाना इंडिया 2026 का खिताब अपने नाम किया है।

देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचीं प्रतिभागियों के बीच लक्ष्मी ने अपने आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और शानदार प्रदर्शन से निर्णायकों को प्रभावित किया और विजेता का ताज हासिल किया।

गुजरात के अहमदाबाद स्थित ईकेए एरिना में आयोजित भव्य ग्रैंड फिनाले में लक्ष्मी को मिस रीना हिस्पानो अमेरिकाना इंडिया 2026 के ताज से नवाजा गया। खिताब जीतने के साथ ही लक्ष्मी के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच का रास्ता भी खुल गया है। वह वर्ष 2027 में बोलीविया में आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

खिताब जीतने के बाद लक्ष्मी ने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए बेहद खास है। परिवार, दोस्तों और शुभचिंतकों के सहयोग ने उन्हें लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। अब उनका लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की संस्कृति, आत्मविश्वास, खूबसूरती और मजबूती को दुनिया के सामने प्रस्तुत करना है। लक्ष्मी का मॉडलिंग तक पहुंचने का सफर आसान नहीं रहा। करियर की शुरूआत में उन्हें सामाजिक सोच के साथ आर्थिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने मुश्किलों को अपने सपनों के आड़े नहीं आने दिया। वर्ष 2021 में पटना में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उन्होंने बेस्ट स्माइल अवॉर्ड हासिल कर अपने सफर की शुरूआत की।

विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन

डीएम ने दिया छात्रों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा। विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के सबका सम्मान, जीवन आसान अभियान के तहत लोकनायक जयप्रकाश इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एलएनजेपीआईटी), छपरा में मंगलवार को विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं संस्थागत समस्याओं, शिकायतों और सुझावों का त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान प्रशासन और संस्थान की प्राथमिकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी समस्याओं को उचित माध्यम से दर्ज कराने तथा उपलब्ध सुविधाओं का सकारात्मक उपयोग करने की अपील की।

एसएसपी रौशन कुमार ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए अनुशासन, सुरक्षा और जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभाने पर जोर दिया। वहीं, संस्थान के प्राचार्य डॉ. बिमल कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि एलएनजेपीआईटी विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि इस तरह के शिविर विद्यार्थियों और प्रशासन के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम में छपरा के एसडीएम नीतेश कुमार, जीपीआरओ छपरा सहित अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी मौजूद रहे। शिविर में संस्थान के करीब 400 छात्र-छात्राओं के साथ सभी संकाय सदस्य एवं कर्मचारी शामिल हुए।

इस दौरान विद्यार्थियों ने अधिकारियों से सीधे संवाद कर अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं सुझाव रखे। समस्याओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से दर्ज कराने की व्यवस्था की गई, ताकि प्रत्येक शिकायत का उचित संज्ञान लेकर उसका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके। शिविर में शैक्षणिक व्यवस्था, परीक्षा, छात्रावास, पेयजल, शौचालय, कैंटीन समेत विद्यार्थियों से जुड़ी अन्य समस्याओं पर सुनवाई की गई। विद्यार्थियों को शिकायत एवं सुझाव दर्ज कराने के लिए उपलब्ध विभिन्न माध्यमों की जानकारी भी दी गई।

दुर्गा पूजा की तैयारियों में जुटा महावीर क्लब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। दुर्गा पूजा की तैयारियों को लेकर महावीर क्लब में रविवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्लब के संरक्षक अभिषेक बजाज एवं अध्यक्ष कपिल कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से की। बैठक में आगामी 11 अक्टूबर से शुरू होने वाले शारदीय नवरात्र को लेकर पूजा आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में सदस्यों ने निर्णय लिया कि इस वर्ष भी महावीर क्लब में पूरे भक्ति एवं श्रद्धा भाव के साथ मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की जाएगी। क्लब परिसर में पिछले 45 वर्षों से लगातार दुर्गा पूजा का आयोजन होता आ रहा है। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष पूजा को और बेहतर एवं व्यवस्थित तरीके से आयोजित करने पर सहमति बनी। पूजा आयोजन में मोहल्लेवासियों एवं शहरवासियों से सहयोग की अपील करने का भी निर्णय लिया गया। पूजा की विभिन्न व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए अलग-अलग जिम्मेदारियां तय करते हुए कई कमेटियों का गठन किया गया। आर्थिक व्यवस्था की जिम्मेदारी शशि पांडेय को, जबकि जल लाने की व्यवस्था के लिए राकेश कुमार को प्रमुख बनाया गया। इसके अलावा व्यवस्था, हिसाब-किताब एवं अन्य आयोजन से जुड़े कार्यों के लिए भी सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में नीरज कुमार, पतंजलि कुमार, राजन कुमार सिंह, सोनू अंबष्ट, सोनू ठाकुर, आशुतोष मिश्रा, महेंद्र पाठक, चंदन कुमार, रोशन कुमार समेत क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सदस्यों ने पूजा को शांतिपूर्ण, भव्य एवं श्रद्धापूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए आपसी सहयोग से कार्य करने का संकल्प लिया।

नए एसपी ने थानों से मांगी टॉप-10 अपराधियों की सूची

देर रात एसपी ने उदवंतनगर थाना का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर के नए पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित ने जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर सक्रिय अपराधियों पर शिकंजा कसने की कवायद तेज कर दी है। एसपी ने जिले के सभी थानों से सक्रिय टॉप-10 अपराधियों की अद्यतन सूची मांगी है। इसके साथ ही संबंधित अपराधियों की वर्तमान स्थिति की भी जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

थानों से यह भी जानकारी मांगी गई है कि सूची में शामिल कौन-कौन अपराधी वर्तमान में जेल में बंद हैं और कौन जमानत पर बाहर हैं। जमानत पर बाहर रहने वाले अपराधियों की मौजूदा गतिविधियों, उनके संपर्क में रहने वाले लोगों और उनके विरुद्ध दर्ज मामलों की भी समीक्षा की जाएगी।

पुलिस अधिकारियों को अपराधियों की सूची को अपडेट करते हुए वास्तविक स्थिति से अवगत कराने को कहा गया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय रहे बदमाशों को चिह्नित कर उनकी निगरानी बढ़ाई जाएगी।

विशेष रूप से जमानत पर बाहर रहने वाले वैसे अपराधी, जिनकी गतिविधियां संदिग्ध हैं या जिनका आपराधिक इतिहास रहा है, उन पर पुलिस की नजर रहेगी। जरूरत पड़ने पर ऐसे अपराधियों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई भी की जा सकती है।

एसपी के निर्देश के बाद थाना स्तर पर अपराधियों के आपराधिक इतिहास, पूर्व में दर्ज कांडों और वर्तमान गतिविधियों का ब्योरा जुटाया जा रहा है।

पुलिस का उद्देश्य सक्रिय अपराधियों की सटीक सूची तैयार कर उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करना है। इससे अपराध की घटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ ही फरार और जमानत पर बाहर अपराधियों की गतिविधियों पर निगरानी मजबूत होगी।

एसपी अवधेश दीक्षित ने रविवार की देर रात उदवंतनगर थाना का औचक निरीक्षण किया। एसपी के अचानक थाना पहुंचने से पुलिसकर्मियों में हड़कंप की स्थिति रही। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओडी एवं संतरी ड्यूटी पर तैनात पदाधिकारी व पुलिसकर्मियों की उपस्थिति की जांच की।

महिला की हत्या

समस्तीपुर। खानपुर थाना क्षेत्र के कानू बिशनपुर गांव में तीन धुर जमीन के विवाद में 33 वर्षीय महिला की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान मीना देवी के रूप में हुई है। आरोप है कि पड़ोसी ने महिला का गला दबाकर हत्या कर दी और सिर पर चाकू से भी वार किया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने सभी बिंदुओं पर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका के पति अजीत पोद्दार ने पुलिस को बताया कि वह पिछले 10-12 वर्षों से दिल्ली में रहकर मजदूरी करते हैं। परिवार के भरण-पोषण के लिए पैसे भेजते रहते हैं और समय-समय पर गांव आते हैं। 10 दिन पहले ही दिल्ली से गांव लौटे थे। सोमवार की रात परिवार के सभी सदस्यों ने एक साथ भोजन किया और सोने चले गए। रात करीब 1 बजे अजीत की आंख खुली तो वह कमरे से बाहर निकले। बाहर निकलते ही उन्होंने अपनी पत्नी मीना देवी को घर की सीढ़ी पर मृत अवस्था में पड़ा देखा। महिला के गले पर निशान और सिर पर चाकू से वार के निशान मिले।

छापेमारी में भारी मात्रा में चीनी जब्त

जमाखोरों पर प्रशासन ने कसा शिकंजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। बाजार में चीनी की लगातार बढ़ती कीमतों और संभावित कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। जमाखोरी के खिलाफ विशेष अभियान की शुरूआत करते हुए सोमवार की देर रात सदर एसडीएम विकास कुमार ने आपूर्ति विभाग की टीम और भारी पुलिस बल के साथ शहर के एक प्रमुख चीनी कारोबारी के गोदाम पर अचानक छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान गोदाम से करीब 2700 बोरी चीनी का स्टॉक बरामद किया गया।

छापेमारी मुजाहिदपुर थाना क्षेत्र के पन्ना मिल रोड स्थित कारोबारी पीयूष जैन के 'बेला स्टोर' नामक प्रतिष्ठान में की गई।

प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर चीनी के भौतिक स्टॉक का मिलान स्टॉक रजिस्टर से किया। भौतिक जांच में स्टॉक प्रथम दृष्टया सही पाया गया और किसी प्रकार की प्रत्यक्ष गड़बड़ी नहीं मिली।

हालांकि, जांच के दौरान खरीद-बिक्री व स्टॉक से जुड़े कुछ आवश्यक कागजात अपडेट नहीं पाए गए। इस पर एसडीएम ने कारोबारी को मंगलवार तक सभी वैध दस्तावेज और अभिलेख कार्यालय में प्रस्तुत करने का सख्त निर्देश दिया है।

सदर एसडीएम विकास कुमार ने स्पष्ट किया कि त्योहारी सीजन और बाजार में चीनी की बढ़ती कीमतों को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

उन्होंने बताया कि प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि थोक या खुदरा स्तर पर चीनी की अवैध जमाखोरी कर बाजार में कृत्रिम किल्लत पैदा न की जाए।

पलामू में स्कूलों का शुरू हुआ स्पेशल सर्वे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। झारखंड के पलामू जिले के सरकारी स्कूलों का स्पेशल सर्वे शुरू हुआ है। पलामू में मैट्रिक इंटर के रिजल्ट को बेहतर करने और पढ़ाई के लिए संघर्ष कर रहे बच्चों की मदद के लिए योजना तैयार की गई है। स्पेशल सर्वे में सरकारी स्कूलों के आधारभूत संरचना, छात्र और शिक्षकों के अनुपात, स्कूलों में मौजूद स्पेशल टीचर, छात्रों की पढ़ाई की गुणवत्ता का आकलन किया जा रहा है। पलामू राज्य का पहला ऐसा जिला है, जहां शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए यह पहल की जा रही है।

पलामू में सीएम एक्सीलेंस स्कूल, कस्तूरबा गांधी आवासीय स्कूल और हाई स्कूल को मजबूत किया जा रहा है। दरअसल, पलामू में 2,641 सरकारी स्कूल है। पहले चरण के सर्वे में 530 स्कूलों को शामिल किया गया है। 2026 के मैट्रिक के रिजल्ट में पलामू को राज्य में आठवां स्थान मिला था। जिला प्रशासन का टारगेट है कि 2027 में पलामू मैट्रिक की परीक्षा में राज्य भर में टॉप पर रहे। कमजोर बच्चों के लिए स्पेशल कोचिंग की भी तैयारी की जा रही है। पलामू के 26 सरकारी स्कूलों को पीएमश्री स्कूल में रखा गया है। पलामू जिला प्रशासन रिजल्ट को बेहतर करने और शिक्षा में व्यवस्था में सुधार करने के लिए ग्रामीण और नक्सल इलाकों के लिए चरणबद्ध तरीके से योजना तैयार किया है। ग्रामीण और नक्सल इलाकों में पढ़ाई करने वाले बच्चों का स्पेशल सर्वे किया जा रहा है। वैसे बच्चे जो पढ़ाई के लिए संघर्ष कर रहे हैं और बेहतर करना चाहते हैं, उन्हें जिला प्रशासन मदद करेगी। बच्चों की मदद के लिए उच्च स्तरीय कोचिंग की व्यवस्था किया जाना है। शिक्षा विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, पलामू के सरकारी स्कूलों में 415 लाख के करीब बच्चे पढ़ाई करते हैं। वैसे स्कूल जहां छात्रों के अनुपात में शिक्षक कम हैं, वहां शिक्षकों की संख्या बढ़ाई जाएगी, जबकि मैट्रिक और इंटर के छात्रों के लिए विशेषज्ञ शिक्षकों की भी तैनाती की जाएगी। 2016-17 में पलामू में सरकारी अभियान के तहत 292 स्कूलों को मर्ज कर दिया गया था। अधिकतर स्कूल ग्रामीण और नक्सल इलाके में मौजूद है। इन स्कूलों को एक बार फिर से खोलने की तैयारी चल रही है।

पलामू में मैट्रिक और इंटर के रिजल्ट को बेहतर करने के लिए प्रयास शुरू हो गए है। सभी स्कूलों में मॉडल प्रश्न पत्र को तैयार किया जा रहा है और छात्रों को बताया जा रहा है। हाई स्कूलों में विशेषज्ञ टीचर छात्रों की क्लास ले रहे हैं और उन्हें जानकारी दे रहे हैं। पलामू में 100 से भी अधिक हाई स्कूल है, जिन में से 36 प्लस टू स्कूल हैं। कई स्कूलों में स्मार्ट क्लास शुरू किए गए हैं और बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। पलामू में फिलहाल 40 हजार के करीब छात्र 10वीं क्लास में है, जो 2027 में मैट्रिक की परीक्षा दे रहे हैं। हाई स्कूल की तर्ज पर ही मिडिल और प्राइमरी स्कूल के शिक्षकों को मॉडल प्रश्न पत्र तैयार करेंगे और छात्रों को पढ़ाएंगे। पलामू में स्पेशलिस्ट टीचरों के एक व्हाट्सएप ग्रुप बना हुआ है और उसी के माध्यम से छात्रों को मदद की जा रही है और मॉडल प्रश्न पत्र तैयार किया जा रहा है।

ईद मिलादुन्नबी को लेकर रांची पुलिस अलर्ट, शहर में किया फ्लैग मार्च

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। ईद मिलादुन्नबी को लेकर रांची पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता किया है। इसी क्रम में मंगलवार को रांची के विभिन्न इलाकों में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च की शुरुआत अल्बर्ट एक्का चौक से हुई। पुलिस टीम मेन रोड होते हुए डोरंडा, कर्बला चौक समेत शहर के कई संवेदनशील और मुस्लिम इलाकों से गुजरा। इस दौरान लोगों को सुरक्षा व्यवस्था का भरोसा दिलाने के साथ-साथ पुलिस ने स्पष्ट संदेश दिया कि त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

फ्लैग मार्च में एसडीएम, सिटी एसपी, डीएसपी समेत पुलिस और प्रशासन के कई अधिकारी शामिल रहे। रांची सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि जुलूस रूट पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया है और संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। संवेदनशील जगहों पर अतिरिक्त बल की तैनाती और भीड़ को नियंत्रित करने की रणनीति पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ईद मिलादुन्नबी के मौके पर मुस्लिम समाज के लोग विभिन्न इलाकों से जुलूस निकालते हैं। जुलूस के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के सड़क पर आने की संभावना रहती है, जिसे देखते हुए पुलिस ने पहले से ही रूट और भीड़ प्रबंधन को लेकर तैयारी की है। जुलूस के निर्धारित मार्ग पर पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ ट्रैफिक व्यवस्था को भी व्यवस्थित रखने की तैयारी की गई है।

सूचना के अनुसार, 26 अगस्त को दोपहर 12 बजे से जुलूस के समाप्त होने तक कांटाटोली चौक, राजेंद्र चौक, बिग बाजार चौक, सुजाता चौक, रतन पीपीओ, उल्ल हाउस, उर्दू लाइब्रेरी, सर्जना चौक और फिरायालाल चौक समेत संबंधित मार्गों पर यातायात व्यवस्था में बदलाव रहेगा।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर रांची समेत देशभर में होगा खेलो इंडिया संवाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राष्ट्रीय खेल दिवस इस वर्ष 29 अगस्त के बजाय 27 अगस्त को विशेष रूप से मनाया जाएगा। राष्ट्रीय खेल दिवस हॉकी के महान खिलाड़ी और देश के गौरव मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। इस वर्ष इसे देशभर में युवा भागीदारी, खेल विकास और राष्ट्र निर्माण के उत्सव के रूप में मनाने की तैयारी है।

'युवा कनेक्ट' कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे

इसी उद्देश्य से देशभर में 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश के युवाओं और खिलाड़ियों को एक मंच पर लाना है। इसके तहत देश के प्रत्येक जिले के दो कॉलेजों में 'युवा कनेक्ट' कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में युवाओं को खिलाड़ियों, सांसदों, विधायकों, मंत्रियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सीधा संवाद का अवसर मिलेगा।

1600 स्थानों से युवा वर्चुअल के माध्यम से जुड़ेंगे

कार्यक्रम के जरिए युवाओं को पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में खेल क्षेत्र में हुए बदलावों और विकास की जानकारी दी जाएगी। साथ ही युवाओं के विचार, सुझाव और आकांक्षाओं को भी सुना जाएगा। इस कार्यक्रम की सबसे खास बात यह होगी कि 27 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर के 1600 अलग-अलग स्थानों पर मौजूद 8 लाख से अधिक युवाओं को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करेंगे। रांची के आईएमए समेत तीन स्थानों पर यह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके जरिए देश के अलग-अलग हिस्सों में मौजूद युवा एक साझा राष्ट्रीय मंच से जुड़ेंगे। कार्यक्रम में सभी अतिथि और युवा प्रतिभागी सुबह 10 बजे तक निर्धारित स्थल पर पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद स्थानीय स्तर पर युवा संवाद पर फोकस रहेगा। इसमें माई भारत स्वयंसेवक और स्थानीय खिलाड़ियों के बीच संवाद सत्र आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मौजूद स्थानीय सांसद, विधायक या मंत्री भी युवाओं को संबोधित करेंगे। इसके बाद करीब 15 मिनट का 'युवा संवाद' आयोजित होगा, जिसमें युवा अपने विचार, सुझाव और आकांक्षाएं साझा कर सकेंगे। युवाओं से प्राप्त सुझाव क्यूआर कोड के माध्यम से लिए जाएंगे, इसके साथ ही कार्यक्रम स्थल पर युवाओं को वीबीवाईएलडी क्विज राउंड में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

युवा संवाद के चार प्रमुख विषय तय किए गए हैं

पहला, जमीनी स्तर पर बेहतर खेल सुविधाएं, कोचिंग और अवसर उपलब्ध कराकर खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना।
दूसरा, 2036 ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए प्रतिभाओं को विकसित करना तथा वैज्ञानिक तरीके से प्रतिभा पहचान और खिलाड़ियों के विकास पर जोर देना।
तीसरा, शासन व्यवस्था में युवाओं की भागीदारी और युवा नेतृत्व को बढ़ावा देना।
चौथा, विकसित भारत के निर्माण के लिए युवाओं को भविष्य के कौशल, स्वयंसेवा और राष्ट्र निर्माण के अवसरों से जोड़कर उनका सशक्तीकरण करना।

खिरियावां के वार्ड नं तीन में अधूरा पड़ा है नल-जल योजना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जिले के मदनपुर प्रखंड के खिरियावां पंचायत के वार्ड नं तीन में पंचायत के ग्रामीण आज भी बुनियादी सुविधाओं से काफी दूर हैं। 50 घरों से 300 आबादी गांव में जीवन बस करता है। यहां के लोगों को मुख्य पेशा खेती है। गांव के इक्का दुक्का युवा सरकारी सेवा में है। वहीं अधिकांश युवा अन्य प्रदेशों में मजदूरी करते हैं। वहीं बंटाई पर खेती करना इनका मुख्य पेशा है मगर खेती करना भी आप इनका लाभ के बदले घाट का सौंदा साबित हो रहा है। ग्रामीणों के सिंचाई की मुकम्मल व्यवस्था नहीं होने से उनकी खेती भी भगवान भरोसे होती है। वहीं गांव की सड़के आज भी बदतर है। गांव की गलियों पर नाली का गंदा पानी वर्षो भर बह रहा है जिसे देखने या इसका निदान करने वाला कोई नहीं है। इसके लिए सरकार की ओर से नाली-गली पक्कीकरण जैसी योजना भी संचालित की जाती है। इसके बावजूद लोगों को बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिल रही है। गांव के लोगों की समस्याओं को दूर करने के लिए न तो कोई जनप्रतिनिधि और न ही पदाधिकारी पहल कर रहे हैं जिसके कारण ग्रामीण काफी परेशान हैं। गांव में जल निकासी की व्यवस्था नहीं है। ग्रामीण रौशन कुमार सहित बताते हैं कि गांव में नल-जल योजना के तहत भी जलमीनार नहीं बनी है जिसके कारण इधर-उधर भटकना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि नल-जल योजना के तहत पानी टंकी नहीं लग सकी है। ग्रामीणों ने कहा कि गांव में गली बनाते हुए पक्का नाला का निर्माण कराया जाए। अधिकतर लोगों के घरों का पानी खाली जगह या गली में बहता है। खासकर महिलाओं और बुजुर्गो को घर से बाहर निकलने में काफी परेशानी होती है।

लाभुकों के बीच मंत्री ने किया पारिवारिक लाभ का चेक वितरण

आपदा में शिकार लोगों को समय पर मदद पहुंचा रही सरकार : श्रवण कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

राजगीर। ग्रामीण विकास सह सूचना जन संपर्क मंत्री श्रवण कुमार ने मंगलवार को प्रखंड सभागार में तीन लोगों के बीच मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ योजना का चेक वितरण किया। धोबी टोला निवासी अनिता कुमारी पति-पिन्टू कुमार को 20 हजार, पथरौरा निवासी श्याम सुंदरी देवी पति भुनेश्वर राम को 20 हजार और ठाकुर स्थान निवासी बिन्दु देवी पति ललन मिस्त्री को 20 हजार रुपये का चेक दिया गया। इन सभी के परिवार के सदस्यों की मौत किसी न किसी दुर्घटना में हो गयी थी। मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि सूबे की सरकार हर वर्ग के लिए काम कर रही है। वहीं आपदा में शिकार होने वाले लोगों के परिवारों को सरकार के द्वारा समय पर मदद के रूप में पैसे दिये जाते हैं। इससे उनको एक सहारा मिलता है। सूबे की सरकार हर वर्ग व समाज के लिए काम कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सोच थी कि सूबे के गांवों का विकास हो। सरकार द्वारा कराये गये कार्यों का असर अब दिखने लगा है। अब गांव भी शहरों के जैसे स्मार्ट बन गये हैं। मंत्री ने कहा कि सूबे की सरकार हर वर्ग के विकास के लिए काम कर रही है। सूबे के हर गांव व कस्बे तक सड़क बनायी गयी है। इससे लोगों को घर से बाजार तक आने जाने में काफी सहूलियत होती है। केन्द्र व राज्य की एनडीए सरकार हर वर्ग के विकास के लिए तेजी से काम कर रही है। आने वाले समय में बिहार और भी विकसीत होगा। मंत्री ने कहा कि राजगीर को पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विश्व पटल पर उभारने का काम किया। इसका ही नतीजा है कि आज यहां पर देश के कोने-कोने से ही नहीं बल्कि विदेश से भी लोग पहुंच रहे हैं। पूरे बिहार में पर्यटन स्थलों का विकास किया गया। इसी कारण अब गोवा से भी अधिक पर्यटक बिहार आते हैं। सूबे में शिक्षा हो चाहे स्वास्थ्य हर क्षेत्र में काफी बदलाव हुआ है। सूबे की महिलाएं जीविका से जुड़कर आत्मनिर्भर बनी हैं। सूबे की सरकार समाज के अंतिम पायदान पर बैठे लोगों के विकास के लिए काम कर रही है। नालंदा विश्वविद्यालय को दोबारा से विकसीत करने का काम किया गया। अब वहां पर कई देशों के छात्र अध्ययन करने को आ रहे हैं। मंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महादलितों व दलितों के विकास के लिए काफी काम किया। उन्होंने उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया। इसका प्रभाव अब देखने को मिलता है। इस मौके पर प्रमुख रानी देवी, जदयू नेता मुन्ना कुमार, जदयू प्रखंड अध्यक्ष जयराम सिंह, पूर्व नगर अध्यक्ष राकेश कुमार, मीडिया प्रभारी कुमार वेदनिधि, अजय पासवान, जदयू नेता सुबेन्द्र राजवंशी, श्याम नारायण प्रसाद, मनोज कुमार, बीडीओ सहित अन्य मौजूद थे।

मतदाता सूची में बांग्लादेशियों के नाम शामिल होने की आशंका

रांची। झारखंड में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच पाकुड़ में बांग्लादेशी नागरिकों के नाम मतदाता सूची में दर्ज होने की आशंका सामने आई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए चुनाव आयोग ने विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने पाकुड़ और साहिबगंज के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी को पत्र भेजकर पांच दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट तलब की है। पत्र के अनुसार, आदिवासी कल्याण समिति, पाकुड़ के अध्यक्ष बरसन किस्कू ने एक परिवाद पत्र दायर किया था। इसमें आदिवासी भूमि पर अवैध कब्जा करने और मतदाता सूची में गड़बड़ी किए जाने के गंभीर आरोप लगाए गए थे।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरएस, इलेक्ट्रिक लोको शेड, बोकारो स्टील सिटी, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **निविदा सूचना सं. ईएलएसबी-26-ऑक्समोटर_ओएच-09/टीएन, दिनांक 24.08.2026, कार्य का विवरण:** 3 फेज इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के ऑग्जिलरी मोटर का मरम्मत/पुनरुद्धार कार्य, **अवधि:** 24 माह, **अनुमानित मूल्य:** रु.1,78,71,871.82, **ईएमडी:** रु.3,57,400/- **निविदा प्रपत्र की लागत:** शून्य। निविदा कागजात आईआरईपीएस वेबसाइट अर्थात **www.irreps.gov.in** पर दिनांक 16.09.2026 को 11.00 बजे तक उपलब्ध होगा। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि/समय:** दिनांक 16.09.2026 को 11.00 बजे तक। **निविदा के खुलने की तिथि/समय:** दिनांक 16.09.2026 को 11.00 बजे (निविदा बंद होने के तुरंत बाद)। सभी भरोसेमंद, अनुभवी और इच्छुक निविदाकार इस कार्य के लिए आवेदन कर सकते हैं। **(PR-664)**

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी व जूनियर रेड क्रॉस ने छात्राओं के लिए लगाया स्वास्थ्य शिविर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी एवं जूनियर रेड क्रॉस, औरंगाबाद के संयुक्त तत्वावधान में अनुग्रह इंटर विद्यालय, औरंगाबाद परिसर में माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र-छात्राओं के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना, किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तनों की जानकारी देना तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति सजग एवं संवेदनशील बनाना रहा। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन आपदा प्रबंधन पदाधिकारी अंतरा कुमारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, औरंगाबाद रिचा मिश्रा, रेड क्रॉस के वाइस चेयरमैन मरगूब आलम, प्रबंधन एवं कार्यकारी समिति के सदस्य मनोज कुमार तथा विद्यालय के प्रधानाध्यापक अजय कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन अवसर पर आपदा प्रबंधन पदाधिकारी अंतरा कुमारी ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े ऐसे कार्यक्रम अत्यंत उपयोगी और आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की आधारशिला हैं। विशेषकर किशोरावस्था में छात्राओं को अपने स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता एवं व्यक्तिगत देखभाल के प्रति जागरूक रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस आयु में स्वास्थ्य संबंधी छोटी-छोटी लापरवाहियां आगे चलकर गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती हैं। ऐसे में विद्यालय स्तर पर स्वास्थ्य शिविर और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन छात्राओं तक सही एवं उपयोगी जानकारी पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिविर के दौरान छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित एवं पौष्टिक आहार, स्वच्छ पेयजल के उपयोग, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों के बारे में जानकारी दी गई। छात्राओं को किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर उसे नजरअंदाज नहीं करने और अभिभावकों, शिक्षकों अथवा स्वास्थ्य विशेषज्ञों से उचित परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी रिचा मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि रेड क्रॉस का उद्देश्य मानवीय सेवा के साथ-साथ समाज के विभिन्न वर्गों तक स्वास्थ्य एवं जागरूकता का संदेश पहुंचाना है। जूनियर रेड क्रॉस के माध्यम से विद्यार्थियों को सेवा, संवेदना, स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अजय कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी एवं जूनियर रेड क्रॉस, औरंगाबाद के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में छात्राओं के लिए इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर का आयोजन अत्यंत उपयोगी है। इससे छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी मिलने के साथ-साथ अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उचित मार्गदर्शन भी प्राप्त होता है।

बिस्कोमान में शुरू हुआ खाद वितरण, किसानों के चेहरे लौटी मुस्कान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली (नवादा)। प्रखंड मुख्यालय स्थित अर्चना होटल परिसर के बिस्कोमान कृषि सेवा केंद्र पर मंगलवार से खाद का वितरण सुचारू रूप से शुरू हो गया। बीते चार दिनों से खाद के लिए भटक रहे किसानों को इससे बड़ी राहत मिली है। किसानों ने सोमवार को शिकायत की थी कि वे शुक्रवार से केंद्र का चक्कर काट रहे हैं, लेकिन वितरण में अनियमितता के कारण उन्हें भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। मीडिया में मामला सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आया और मंगलवार सुबह से वितरण कार्य शुरू कराया गया। मंगलवार को शिवनारायण बिगहा की रामफुलवा देवी, बहादुरपुर के मिथुन कुमार व चमेली देवी, प्राणचक की कांति देवी, गैरिबा की तारो देवी, भाईजी भित्ता के सिद्धेश्वर चौधरी, कोनीवर के जनार्दन मांझी व सुरेंद्र सहित सैकड़ों किसानों को खाद उपलब्ध कराई गई।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना सं. एडीवीटी/एएसएन/01/09 **दिनांक : 13.08.2026**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा अनुबंध प्रदान करने हेतु आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। इसका विवरण निम्नानुसार है: **कैटलॉग संख्या : एडीवीटी-एएसएन-01-09, नीलामी शुरू होने की तिथि और समय:** 01.09.2026 को 12.00 बजे। **क्रम सं., अनुक्रम सं., लॉट सं. एवं विवरण** निम्नानुसार हैं: **(1) एए/1, एडीवीटी-ईएफएफ-131107-26-2** (विज्ञापन-ट्रेन एक्सटीरियर (फुल फेस)), ट्रेन नं. 22330/29 (आसनसोल-हल्दिया एक्सप्रेस) और 13506/05 (आसनसोल-दीघा एक्सप्रेस) के कोचों की बाहरी सतह पर विनाइल रैपिंग (आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन के अनुसार ग्राफिक फिल्म) का इस्तेमाल करते हुए ऊपरी और निचले पैनल (खिड़की के ऊपर और नीचे) पर वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों के लिए 03 वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध प्रदान करना। **(2) एए/2, एडीवीटी-ईएफएफ-130876-26-3** (विज्ञापन-ट्रेन एक्सटीरियर (फुल फेस)), 12384/83 (आसनसोल-सियालदह इंटरसिटी एक्सप्रेस) के कोचों की बाहरी सतह पर विनाइल रैपिंग (आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन के अनुसार ग्राफिक फिल्म) का इस्तेमाल करते हुए ऊपरी और निचले पैनल (खिड़की के ऊपर और नीचे) पर वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों के लिए 03 वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध प्रदान करना। **(3) एबी/1, एडीवीटी-एएसएन-एएसएन-ओएच-188-26-1**(विज्ञापन-आउट ऑफ होम), आसनसोल रेलवे स्टेशन रोड की तरफ 13 नं. मोड़ से सड़क की बायीं ओर स्केच प्लान के अनुसार 20 फीट X10 फीट माप के तीन होर्डिंग के प्रदर्शन के लिए अनुबंध। तीन वर्ष की अवधि के लिए कुल क्षेत्रफल 600 वर्गफीट। मीडिया: नॉन-डिजिटल/होर्डिंग फ्रंट लिट/बैक लिट। **(4) एबी/2, एडीवीटी-एएसएन-सीआरजे-ओएच-129-24-1**(विज्ञापन-आउट ऑफ होम), स्टेशन के बाहर और सर्कुलेटिंग एरिया (क्षेत्रफल=600 वर्गफीट) । **(5) एसी/1, एडीवीटी-एएसएन-पीएडब्ल्यू-ओएसएन-128-24-1** (विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर (नॉन-डिजिटल)), पाण्डवेश्वर स्टेशन के अंदर प्लेटफॉर्म पर एवं शेड के नीचे (कुल क्षेत्रफल=480 वर्गफीट)। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को उपर्युक्त सूची के अनुसार उक्त ई-नीलामी के लिए संपूर्ण विवरण एवं भाग लेने हेतु वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है। ASN-227/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या : ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21 (सूचना)/776, दिनांक 24.08.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित विद्युत कार्य के लिए ओपन ई-टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं : **क्रम सं. 1, निविदा संख्या: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3595-आर, कार्य का नाम** : "हावड़ा मंडल के अंतर्गत अग्रद्वीप, दांईहाट, गंगाटिकुरी, सालार, बांशबेड़िया, त्रिबेणी, खामारगाछी, गुप्तिपाड़ा, बाघनापारा, धात्रिग्राम, समुद्रगढ़, पूर्बस्थली, पाटुली, बालागढ़, बाजारसौ, चौरीगाछा, सागरदिघी, मोरग्राम, बराला, तारापीठ रोड, नलहाटी, मुरारई, नगरनबी, गुमानी स्टेशनों में प्रतीक्षालय और शौचालय परिसर एवं सर्कुलेटिंग एरिया के सुधार" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य** : रु. 1,55,15,880/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि)**: रु. 3,10,300 -, **पूर्णता अवधि:** 180 दिन। **क्रम सं. 2, निविदा संख्या: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3678, कार्य का नाम** : "हावड़ा मंडल में खागड़ाघाट रोड स्टेशन पर मौजूदा एफओबी का विस्तार करने और तारकेश्वर एवं आजिमगंज में एबीएसएस के विकास से संबंधित रैंप सहित सेंट्रल एफओबी (12 मीटर चौड़ा) के प्रावधान" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 50,53,630 -, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि)**: रु. 1,01,100/-, **पूर्णता अवधि:** 180 दिन । **क्रम सं. 3, निविदा संख्या: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3619-आर, कार्य का नाम** : हावड़ा मंडल में सबमर्सिबल सीवेज पंप मोटर सेट का प्रावधान। **निविदा मूल्य :** रु. 64,02,731/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि)**: रु. 1,28,100/- **पूर्णता अवधि:** 180 दिन। **समापन तिथि एवं समय**: दिनांक 14.09.2026 को 15.00 बजे क्रम सं. 1 से 3 के लिए। यदि किसी कारणवश उपर्युक्त समापन तिथि को अवकाश/ बंद हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा जमा करने की तिथि में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस वेबसाइट पर समापन तिथि और समय के बाद कोई निविदा जमा नहीं की जा सकती। हालांकि, निविदाओं का ऑनलाइन उद्घाटन समापन तिथि के बाद किसी भी सुविधाजनक दिन किया जा सकता है। निविदा का पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध है कि उपरोक्त वेबसाइट पर अपनी निविदा ऑनलाइन प्रस्तुत करें। HWH-300/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : 222-एस/1/डब्ल्यू-II, दिनांक 19.08.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **क्रम सं. 1, निविदा सं.: टीएन-140-26-27, कार्य का नाम:** (i) सहायक अभियंता/बारासात के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे परिसर में लेवल क्रॉसिंग गेटों से जुड़ी सड़क सहित क्षतिग्रस्त स्टेशन एप्रोच एरिया की मरम्मत। (ii) बारासात और सोनारपुर में: वरिष्ठ शाखा अभियंता/पी.वे/बारासात के अंतर्गत 7 गैंग हट और महिला चेंजिंग रूम - 3/बीटी, 8/बीटी, 10/बीटी और 11/बीटी एवं वरिष्ठ शाखा अभियंता/पी.वे/सोनारपुर के अंतर्गत डीटीएम-1, डीटीएम-3 और 2सी का निर्माण और सहायक अभियंता/बारासात और सहायक अभियंता/बारुईपुर के अधीन अन्य सभी सहायक कार्य। (iii) सियालदह मंडल के लक्ष्मीकांतपुर-निश्चिंदपुर खंड में प्रहरीयुक्त नॉन इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग गेट 31ई एवं बनगांव जंक्शन-पेट्रापोल खंड में 57ई का उन्नयन और इंटरलॉकिंग का कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 2,72,55,611.27, **बयाना राशि :** रु.5,45,100/-, **कार्य की समापन अवधि:** 18 (अठारह) माह। **क्रम सं. 2, निविदा सं.: टीएन-147-26-27, कार्य का नाम:** सियालदह और सोनारपुर के अधिकार क्षेत्र में रेलवे स्टेशनों पर इलेक्ट्रिकल पैनल का पुनर्वास और विस्तार। **निविदा मूल्य :** रु. 2,27,08,264.89, **बयाना राशि :** रु.4,54,200/-, **कार्य की समापन अवधि:** 12 (बारह) माह। **क्रम सं. 3, निविदा सं.: टीएन-148-26-27, कार्य का नाम:** (i) कैनिंग - कैनिंग स्टेशन पर अतिरिक्त स्टेबलिंग लाइन का प्रस्ताव। (ii) डायमंड हार्बर पर - प्लेटफॉर्म नंबर 3 के पास अतिरिक्त स्टेबलिंग लाइन (सीएसआर लंबाई 275 मी) का प्रावधान। **निविदा मूल्य :** रु. 3,06,74,966.24, **बयाना राशि :** रु.6,13,500/-, **कार्य की समापन अवधि:** 12 (बारह) माह। **क्रम सं. 4, निविदा सं.: टीएन-150-26-27, कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता/II/सियालदह सेक्शन में एलएचएस/आरयूबी पर कुल 13 सैक्रिफिशियल हाइट गेज का प्रावधान और अन्य सभी सहायक कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 2,20,51,662.14, **बयाना राशि :** रु.4,41,000/-, **कार्य की समापन अवधि:** 12 (बारह) माह। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 11.09.2026 को 15.00 बजे क्रम सं. 1 से 4 के लिए। **निविदा के खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 11.09.2026 को 15.00 बजे क्रम सं. 1 से 4 के लिए। निविदा कागजात एवं विवरण वेबसाइट: **www. ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव को तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। भारतीय रेलवे मानक अनुबंध 2022 की सामान्य शर्तों के अनुसार ई-निविदा प्रपत्र की लागत शून्य है। SDAH-193/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व मध्य रेल

विविध वैद्युतिक कार्य हेतु ई-निविदा सूचना विद्युत/क.वि. विभाग के लिये खुली निविदायें

मंडल रेल प्रबन्धक/विद्युत पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है ।

ई-निविदा संख्या : TRD-OT-10-EXT-HL-PF -26-27, क्र.सं. : 01. **कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि** : Extension of HL platform at JAN, JGBR, KMHT & DMBR stations to accommodate full length trains. कार्य समापन की अवधि - (12) बारह माह. **क्र.सं.** : 02. **कार्य के लिए प्राक्कलित राशि** : रू. 99,37,235.37/- निविदा प्रपत्र का मूल्य - शून्य/-. **क्र.सं.** : 03. **बिड सिक्युरिटी** : रू. 1,98,800/-. **क्र.सं.** : 04. **ई-निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय** : ई-निविदा बंद होने की तिथि 15.09.2026 को 11:00 बजे। ई- निविदा खुलने की तिथि 15.09.2026 को 11:30 बजे।. **क्र.सं.** : 05. **वेबसाईट का विवरण** : वेबसाईट : **http://www.ireps.gov.in.** ई-निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक/क.वि.
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/0794/डीएचएन/टीआरडी/टी/26-27/36

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना सं. एस. जी. 664-15-संकेत-2026-27

भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु ई: निविदा आमंत्रित की जाती है। **क्रम सं०-(1) कार्य का नाम** - धनबाद डिवीजन में DSTE/CPU, ASTE/BRKA और ASTE/DTO सेक्शन के लिए एस्पिरेशन-टाइप ऑटोमैटिक फायर डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम (AFDAS) की व्यवस्था हेतु। **(2) कार्य का आकलित मुल्य :** ₹ 7,38,22,706.93 (लगभग) **(3) कार्य का अग्रधन राशि :** ₹ 14,76,500.00 (4) निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 08.09.2026 (12:30 बजे)। **(5)** ऐसी ई-निविदाओं के तहत डाक/ कुरियर/ फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाईट: **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होंगे। **द्रष्टव्य :** प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट http//www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता, धनबाद
पीआर/0784/डीएचएन/एस एण्ड टी/टी/26-27/40

विधायकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा और लंबित मामलों के निपटारे पर विधानसभा अध्यक्ष सख्त

मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत के साथ बैठक में डॉ. प्रेम कुमार ने दिए कई महत्वपूर्ण निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में मुख्य सचिव बिहार प्रत्यय अमृत के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में विधानसभा के सदस्यों, सभा सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की चिकित्सा प्रतिपूर्ति प्रक्रिया को शीघ्र कैशलेस करने, विधायकों के बैठने की व्यवस्था तथा वर्षों से लंबित संसदीय समिति के मामलों और विभागीय आश्वासनों के निष्पादन पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष ने सदस्यों एवं सभा सचिवालय के पदाधिकारियों और कर्मचारियों की चिकित्सा प्रतिपूर्ति में आ रही कठिनाइयों पर चिंता जताई। उन्होंने संबंधित प्रक्रिया को यथाशीघ्र कैशलेस व्यवस्था में बदलने का निर्देश दिया, ताकि चिकित्सा सुविधाओं के लाभ में किसी प्रकार की परेशानी न हो। डॉ. प्रेम कुमार ने सदस्यों के बैठने और आम लोगों से मिलने की सुविधा को लेकर भी महत्वपूर्ण सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रखंड में इसके लिए उपयुक्त स्थान अथवा भूखंड चिह्नित कर भवन का निर्माण कराया जाए। जहां नई व्यवस्था संभव नहीं हो, वहां पंचायत भवन में ही आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विचार किया जा सकता है। बैठक में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के प्रतिवेदनों से जुड़े लंबित मामलों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि वर्ष 2008-09 से अब तक लोक लेखा समिति एवं लोक उपक्रम समिति की लगभग 2499 कंडिकाएं, उप-कंडिकाओं सहित लंबित हैं। इसके अलावा विभिन्न विभागों से संबंधित वर्ष 1995 से 2025 तक लगभग 23,517 आश्वासन भी वर्तमान में लंबित बताए गए हैं। इन मामलों की बड़ी संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए डॉ. प्रेम कुमार ने मुख्य सचिव को समिति और संबंधित विभागों के अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर चालू वित्तीय वर्ष में लंबित मामलों के निष्पादन के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। विधानसभा अध्यक्ष ने बिहार विधानसभा की संसदीय समितियों की विभागीय बैठकों में संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव अथवा सचिव की अनुपस्थिति पर भी सख्त रुख अपनाया। उन्होंने मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि विशेष परिस्थितियों को छोड़कर संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों की अनुपस्थिति में कम से कम विशेष सचिव स्तर अथवा उससे ऊपर के अधिकारी को विधिवत प्राधिकार पत्र के माध्यम से बैठक में शामिल होने के लिए अधिकृत किया जाए। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने विधानसभा अध्यक्ष को आश्वस्त किया कि वे सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिव के साथ बैठक कर विधानसभा अध्यक्ष द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन की दिशा में कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। बैठक में बिहार विधानसभा की प्रभारी सचिव सहित सभा सचिवालय के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

सरकार के 100 दिनों की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने में लाएं तेजी : श्रवण कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री एवं जदयू विधायक दल के नेता मंत्री श्रवण कुमार ने विभाग के कामकाज की गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सरकार के 100 दिनों में किए गए कार्यों और शुभारंभ हुई जनहित योजनाओं का अधिकतम प्रचार किया जाए, ताकि कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी हर व्यक्ति तक पहुंचे।

सकारात्मक खबरों के प्रचार और त्वरित खंडन पर बल

समीक्षा बैठक में मंत्री ने कहा कि समाचार पत्रों, टीवी, रेडियो और सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार, विभागों तथा जिला स्तर पर हुए सकारात्मक कार्यों को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। उन्होंने नकारात्मक खबरों के त्वरित आधिकारिक खंडन पर भी जोर दिया, ताकि गलत जानकारी या अफवाहें न फैलें।

सोशल मीडिया पर योजनाओं के प्रचार की नियमित समीक्षा

श्री कुमार ने विभाग को मीडिया संबंधी कार्यों को और सुचारू व मजबूत बनाने का निर्देश दिया। सोशल मीडिया पर बढ़ती रुचि को देखते हुए उन्होंने सरकार और आमजन के बीच विश्वास व सकारात्मक रवैया अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं और कार्यों का फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम आदि प्लेटफॉर्म्स पर उत्तम गुणवत्ता के साथ नियमित प्रचार हो और इसकी नियमित समीक्षा भी की जाए। कार्यालय में कार्य समन्वय और पारदर्शिता के साथ किया जाए। बैठक में विभाग के सचिव नवीन कुमार, निदेशक अनिल कुमार, संयुक्त सचिव राजीव कुमार सिंह सहित सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बी. डी. कॉलेज में विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार की योजना 'सक्षम सम्मान, जीवन आसान' के अंतर्गत विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से बी. डी. कॉलेज, पटना में मंगलवार को 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. दिवाकर प्रसाद के संरक्षण एवं नोडल पदाधिकारी के निर्देशन में किया गया। शिविर में विद्यार्थियों से प्राप्त विभिन्न शैक्षणिक एवं अन्य समस्याओं पर आवश्यक विचार-विमर्श करते हुए नियमानुसार कार्रवाई एवं समाधान किया गया। शिविर में प्रो. शत्रुघ्न शरण सिंह, डॉ. बिनोद कुमार, डॉ. निखिलानंद ठाकुर, डॉ. राजीव कुमार (राजनीतिक विज्ञान), डॉ. राजीव कुमार, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. स्वर्णा कुमार, डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. कुमारी मोनिका, डॉ. सुजान दत्ता, डॉ. रवि रंजन, डॉ. विनीता तिवारी एवं डॉ. नंदिनी नारायण सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। शिविर में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं एवं आवेदनों पर आवश्यक विभागीय विमर्श करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की गई। आज की रिपोर्ट के अनुसार कुल 08 मौखिक समस्याएं प्राप्त हुई जिनका आवश्यक समाधान किया गया। लिखित रूप में प्राप्त आवेदन एवं लंबित आवेदन की संख्या शून्य रही। महाविद्यालय प्रशासन ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान, उनके हितों की रक्षा तथा उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराने के लिए इस प्रकार के विद्यार्थी सहयोग शिविर आगे भी प्रभावी रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे।

लोक संस्कृति और विविधता में एकता का प्रतीक लोकोत्सव : विजय प्रकाश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना/दानापुर। दानापुर स्थित 'स्कूल ऑफ क्रिएटिव लर्निंग' में पारंपरिक लोक संस्कृति और सांस्कृतिक धरोहर को समर्पित 'लोकोत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक स्वागत आरती के साथ हुई। इसके उपरांत एक अनूठे और प्रतीकात्मक अंदाज में दीप प्रज्वलन संपन्न हुआ जिसमें देश की चार अलग-अलग दिशाओं से चार राज्यों के प्रतिनिधि और केंद्र में बिहार का प्रतिनिधित्व करते हुए कुल पांच स्वरूपों ने एक साथ मिलकर दीप प्रज्ज्वलित किया। इस प्रस्तुति ने विविधता में एकता के भारतीय दर्शन को जीवंत कर दिया। दीप प्रज्वलन के बाद लोकोत्सव और भारतीय परंपराओं के महत्व पर विशेष वक्तव्य प्रस्तुत किया गया। इसके बाद आयोजित कठपुतली नाटक ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर ओ पी सी एल के अध्यक्ष विजय प्रकाश ने लोकोत्सव के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा 'हमारी लोक परंपराएं और सांस्कृतिक विविधता ही हमारी असली पहचान हैं।

'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' से छात्रों की आवाज सीधे सरकार तक पहुंचेगी : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने छात्रों के प्रदर्शन और आंदोलन को लेकर कहा कि बिहार सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार छात्रों एवं नौजवानों के भविष्य को लेकर पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में राज्य सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है। विद्यार्थियों की समस्याओं और सुझावों को सीधे सरकार तक पहुंचाने के लिए आज ही 'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' का शुभारंभ किया गया है। इससे छात्रों की आवाज संस्थागत तरीके से सरकार तक पहुंचेगी और उनकी समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया और प्रभावी होगी। संजय सरावगी ने कहा कि बिहार सरकार ने छात्रों की प्रमुख मांगों में शामिल शिक्षक भर्ती के लिए टीआरई-4 के तहत 32,388 पदों का विज्ञापन जारी कर दिया है। उन्होंने कहा कि जब लगभग 20 हजार पदों की मांग की जा रही थी, तब सरकार ने उससे कहीं अधिक 32,388 पदों पर भर्ती का रास्ता खोल दिया।

केवाइपी केंद्रों की मांगों को लेकर पटना में धरना-प्रदर्शन, संचालकों ने उठाई आवाज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में संचालित कुशल युवा कार्यक्रम केंद्रों के नवीनीकरण, लंबित भुगतान और प्रशिक्षण कार्य तत्काल शुरू कराने की मांग को लेकर मंगलवार को पटना के गर्दनीबाग में केंद्र संचालकों एवं संबंधित लोगों ने धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में विभिन्न मांगों से संबंधित तख्तियां लेकर सरकार और विभाग से केवाइपी केंद्रों के भविष्य को लेकर तत्काल निर्णय लेने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान 'कौशल विकास हमारा अधिकार', 'रोजगार और सम्मान–कौशल विकास हमारी पहचान' जैसे नारे लगाए गए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि लंबे समय से संपूर्ण बिहार में केवाइपी केंद्रों में प्रशिक्षण कार्य प्रभावित है तथा केंद्र संचालकों का भुगतान भी आठ माह से लंबित है। उन्होंने पुराने संचालित केंद्रों को प्राथमिकता के आधार पर नवीनीकरण देने और केवाइपी प्रशिक्षण तत्काल प्रारंभ करने की मांग की। केंद्र संचालकों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

किसान संगठन मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता से मिले

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। संयुक्त किसान मोर्चा ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को किसानों का ज्ञापन सौंपा। संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को किसानों का ज्ञापन और मांगों का चार्टर सौंपा। दोनों नेताओं ने मांगों पर उचित एवं समयबद्ध कार्रवाई का आश्वासन दिया। मांगों के चार्टर में संयुक्त किसान मोर्चा की राष्ट्रीय मांगें शामिल हैं जिनमें न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, किसानों को कर्ज मुक्ति और किसान आत्महत्याओं के मामलों में मुआवजे का प्रावधान, जबरन भूमि अधिग्रहण पर रोक और एलएआरआर 2013 को सख्ती से लागू करना, जन-विरोधी मुक्त व्यापार समझौतों को अस्वीकार करना, मनरेगा की बहाली, चार श्रम संहिताओं को रद्द करना तथा राज्यों के लिए विभाज्य कर-कोष में हिस्सेदारी को 31% से बढ़ाकर 50% करना शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल ने बिहार के किसानों के स्थानीय मुद्दों को भी उठाया। इनमें एपीएमसी मंडियों की बहाली, बटाईदारों और काश्तकार किसानों का पंजीकरण तथा उन्हें सभी सरकारी योजनाओं का लाभ देना, सिंचाई परियोजनाओं का जीर्णोद्धार, फसल बीमा योजना का क्रियान्वयन, सैटेलाइट टाउनशिप परियोजना के तहत जबरन भूमि अधिग्रहण पर रोक तथा दियारा (नदी क्षेत्र) की भूमि को 'टोपोलैंड' (असर्वेक्षित भूमि) घोषित कर बिना मुआवजे के अधिग्रहण पर रोक शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल में संयुक्त किसान मोर्चा, बिहार की ओर से विधायक अजय कुमार, अध्यक्ष, बिहार राज्य किसान सभा, जमाल रोड), विनोद कुमार (महासचिव, बिहार राज्य किसान सभा, जमाल रोड), पूर्व विधायक रामबली सिंह (अध्यक्ष, अखिल भारतीय किसान महासभा, बिहार), राम चंद्र महतो (महासचिव, बिहार राज्य किसान सभा, अजय भवन), अशोक बैठा (राज्य सचिव, अखिल भारतीय खेत मजदूर किसान सभा), इंद्रदेव राय (संयुक्त सचिव, अखिल भारतीय किसान खेत मजदूर संगठन, बिहार) और ऋषि आनंद (महासचिव, जय किसान आंदोलन) शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने नेताओं को अवगत कराया कि यदि इन मांगों की केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लगातार उपेक्षा जारी रहती है तो देशभर के किसानों के पास 26 नवंबर 2026 से बड़े पैमाने पर, देशव्यापी और निरंतर संघर्ष को पुनः शुरू करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं बचेगा।

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर समस्याओं से कराया अवगत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। मुख्यालय, हाजीपुर में 7 रेलकर्मी/उनके आश्रितों ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए। रेलकर्मियों एवं उनके आश्रितों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं।

सावन की मस्ती के साथ दिखी शिक्षिकाओं और माताओं की प्रतिभा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। रुकनपुरा स्थित किड्सजोन - एन एलीमेंट्री स्कूल द्वारा द रेड गार्डन हॉल में सावन के अवसर पर सावन संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों, शिक्षिकाओं और माताओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। नृत्य, क्विज, रैंप वॉक, मनोरंजक खेल और टैलेंट शो जैसी गतिविधियों ने पूरे आयोजन को खास बना दिया। सावन क्वीन प्रतियोगिता में भी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया जिसमें सोनाली राज ने सावन क्वीन का खिताब जीता। सावन क्वीन प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में स्कूल की प्राचार्या प्रतिमा सिंह, सिमा प्रभात, मनोज एवं सुजाता मौजूद रहे। स्कूल की प्राचार्या प्रतिमा सिंह ने कहा कि सावन संगम के आयोजन का उद्देश्य बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना है। इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास और मंच पर अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने की क्षमता को बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ माताओं ने भी पूरे उत्साह से इसमें भाग लिया और कार्यक्रम को यादगार बनाया। शिक्षिकाओं और बच्चों की माताओं ने शानदार नृत्य प्रस्तुति देकर माहौल को खुशनुमा बना दिया। बच्चों के लिए विभिन्न गेम का आयोजन किया गया जिसमें उन्होंने अपनी प्रतिभा और सामान्य ज्ञान का प्रदर्शन किया। इसके बाद रैंप वॉक में बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ अपनी अदाओं का प्रदर्शन कर सभी का दिल जीत लिया।

भारी बारिश के बीच सहरसा-मधेपुरा पारेषण लाइन दुरुस्त, बिजली आपूर्ति बहाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारी बारिश के कारण सहरसा-मधेपुरा परिषद-द्वितीय पारेषण (ट्रांसमिशन) लाइन में आई तकनीकी खराबी को बिजली विभाग की टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए देर रात दुरुस्त कर लिया। सोमवार शाम 7:17 बजे लाइन में खराबी आने से लगभग 55 मेगावाट बिजली का भार प्रभावित हुआ था जिससे मुरलीगंज, उदाकिशुनगंज अनुमंडल क्षेत्र और कुमारखंड में आपूर्ति बाधित हो गई थी। खराबी की सूचना मिलते ही बिहार राज्य बिजली पारेषण कंपनी लिमिटेड और उत्तर बिहार बिजली वितरण कंपनी लिमिटेड के तकनीकी दल तुरंत सक्रिय हो गए। राज्य भार प्रेषण केंद्र के समन्वय से वैकल्पिक व्यवस्था और भार प्रबंधन लागू किया गया। इसके परिणामस्वरूप रात 10:16 बजे ग्रिड उप-केंद्र उदाकिशुनगंज पर पुनः भार बहाल कर दिया गया जबकि ग्रिड उप-केंद्र मुरलीगंज से भी निर्बाध आपूर्ति जारी रही। प्रतिकूल मौसम के बावजूद तकनीकी टीमों ने 'फॉल्ट लोकेटर' की मदद से खराबी के स्थान की पहचान कर लाइन गश्ती की और मरम्मत का कार्य पूरा किया। इसके बाद रात 2:16 बजे पारेषण लाइन को सफलतापूर्वक ऊर्जावान (चार्ज) कर विद्युत आपूर्ति पूर्णतः सामान्य कर दी गई।

सावन की सांस्कृतिक छटा से सराबोर हुआ देशरत्न राजेंद्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय

गीत, नृत्य, भजन और लोक प्रस्तुतियों से प्रशिक्षुओं ने बांधा समां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सावन की हरितिमा, भक्ति, लोकजीवन की उमंग और भारतीय संस्कृति की विविध छवियां आज देशरत्न राजेंद्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, सदाकत आश्रम, पटना के परिसर में जीवंत हो उठीं। सावन महोत्सव के अवसर पर आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रशिक्षुओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए वातावरण को उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बिहार विद्यापीठ के अध्यक्ष एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त वरिष्ठ पदाधिकारी विजय प्रकाश ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपरा में ऋतुओं और पर्वों का विशेष महत्व रहा है। यहां उत्सव केवल आनंद का अवसर नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, समाज में सहयोग और मनुष्य के भीतर सद्भाव एवं संवेदना विकसित करने का माध्यम भी रहे हैं। उन्होंने कहा कि सावन महोत्सव जैसे कार्यक्रम नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों और लोक परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि शिक्षक-प्रशिक्षण संस्थानों का दायित्व केवल विषयगत ज्ञान तक सीमित नहीं है। भावी शिक्षक आने वाली पीढ़ियों के मार्गदर्शक होने के साथ-साथ भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संवाहक भी हैं।

अतिथि शिक्षकों के सेवा समायोजन की दिशा में बड़ी पहल, मुख्यमंत्री के आश्वासन से खुशी की लहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों (सहायक प्राध्यापकों) के सेवा समायोजन को लेकर बड़ी पहल सामने आई है। 22 दिनों से धरना स्थल पर आमरण अनशन कर रहे अतिथि शिक्षकों के मामले में राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के स्तर पर सकारात्मक पहल के बाद शिक्षकों में खुशी की लहर है। दरभंगा ग्रामीण विधानसभा के विधायक एवं जदयू जिलाध्यक्ष राजेश मंडल उर्फ ईश्वर मंडल ने बताया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अतिथि शिक्षकों को 65 वर्ष तक सेवा सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सकारात्मक आश्वासन दिया है। विधायक ने मुख्यमंत्री, राज्यपाल एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों से लगातार मुलाकात कर अतिथि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान की मांग रखी थी। विधायक ईश्वर मंडल ने कहा कि वर्ष 2019 में नियुक्त अतिथि शिक्षकों को उच्च शिक्षा विभाग की ओर से सेवा अवधान कार्य के अतिरिक्त अन्य रोजगार नहीं करने का निर्देश दिया गया था। इस निर्देश का पालन करते हुए शिक्षक वर्षों से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ विश्वविद्यालयों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में सहायक प्राध्यापकों की नियमित नियुक्ति प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है। ऐसे में यदि उससे पहले अतिथि शिक्षकों के सेवा समायोजन पर निर्णय नहीं लिया गया तो हजारों शिक्षकों के सामने रोजगार का गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। इनमें बड़ी संख्या ऐसे शिक्षकों की है, जो वर्तमान में निर्धारित आयु सीमा पार कर चुके हैं और नई नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित रह सकते हैं। श्री मंडल ने बताया कि बिहार विधान परिषद की शिक्षा समिति की ओर से भी अतिथि शिक्षकों के सेवा समायोजन की अनुशंसा की जा चुकी है।

प्रदूषण नियंत्रण के क्षेत्र में राज्य पर्षद द्वारा किये जा रहे कार्यों की मंत्री ने की सराहना

मानकों को दृढ़तापूर्वक लागू करने का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के वर्तमान मंत्री डॉ. रामचंद्र प्रसाद द्वारा मंगलवार को बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के क्रियाकलापों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर विभाग के अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर मौजूद थे। समीक्षा बैठक में पर्षद के सदस्य-सचिव नीरज नारायण, पर्षद के वैज्ञानिक सलाहकार एसएन जायसवाल, वैज्ञानिक, डॉ. नवीन कुमार एवं वैज्ञानिक अरूण कुमार, पर्यावरण अभियंता एके गुप्ता तथा पप्पू कुमार, तकनीकी सलाहकार, एक्यूएम सेल भी उपस्थित थे। बैठक में मंत्री का पर्षद मुख्यालय में स्वागत करते हुए सदस्य-सचिव नीरज नारायण द्वारा बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के क्रियाकलापों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायी गयी। सदस्य सचिव ने सूचित किया कि पर्षद का गठन जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के अंतर्गत नवम्बर, 1974 में हुआ। उन्होंने बताया कि पर्षद द्वारा नियमित रूप से गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के जल का नमूना संग्रहण एवं विश्लेषण कर उनकी गुणवत्ता की जांच की जाती है। गंगा नदी के किनारे अवस्थित शहरों में एसटीपी की स्थापना से मल-संबंधी कोलीफॉर्म की औसत मात्रा 2199 एमपीएन /100 एमएल दर्ज की गयी है, जो निर्धारित मानक (2500 एमपीएन/100 एमएल) से कम है। पर्षद द्वारा राज्य के 23 जिलों में कुल 35 अनवरत परिवेशीय वायु गुणवत्ता प्रबोधन केन्द्र संचालित हैं, जिनके माध्यम से परिवेशीय वायु गुणवत्ता का आकलन किया जाता है। पर्षद राज्य के बेहतर पर्यावरण के लिए सतत प्रयत्नशील है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2025-26 में पीएम 10 की सांद्रता में 55.15 प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी है। इसी प्रकार पीएम 2.5 की सांद्रता में 2022-23 की तुलना में वर्ष 2025-26 में 52.54 प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी है। राज्य में कुल 58 औद्योगिक इकाईयों जहां पर तेल कम्पनियों द्वारा स्वच्छ ईंधन के रूप में पीएनजी की आपूर्ति नेटवर्क विकसित है।

नवबिहार टाइम्स
बोकारो, बुधवार 26 अगस्त 2026

संपादकीय

कागजों पर 'असुरक्षित' जमीन पर बेपरवाही, करोल बाग हादसे ने खोली व्यवस्था की पोल

जर्जर इमारतें सुरक्षा नियमों की अनदेखी के कारण हादसों का सबब बन रही हैं। करोल बाग हादसा प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है। असुरक्षित मकानों को तुरंत खाली कराकर सख्त कदम उठाना बेहद जरूरी है। देश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पुरानी एवं जर्जर इमारतें आम लोगों के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। कई बार स्थानीय प्रशासन की ओर से ऐसी इमारतों को 'असुरक्षित' तो घोषित कर दिया जाता है, लेकिन उन्हें खाली कराने में कोई तत्परता या गंभीरता नजर नहीं आती है।यही नहीं, कई दफा जर्जर भवन को मालिक खुद ही गिरा देते हैं, लेकिन इस कार्य में सुरक्षा के माकूल प्रबंधों का अभाव भी हादसे का कारण बन जाता है। ऐसी ही एक घटना बीते शुक्रवार को दिल्ली के करोल बाग इलाके में हुई, जब पुरानी दो मंजिला इमारत के ध्वस्तीकरण के दौरान एक श्रमिक की जान चली गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।पुलिस के मुताबिक, इस इमारत को गिराने के लिए सरकार के संबंधित महकमे से अनुमति नहीं ली गई थी। ऐसे में सवाल है कि अगर नियमों और सुरक्षा उपायों की अनदेखी की जाती है, तो क्या इसके लिए विभागीय अधिकारियों की भी जवाबदेही तय नहीं की जानी चाहिए?गौरतलब है कि पुराने खस्ताहाल मकान हर साल खासकर बरसात के मौसम में लोगों की जान के लिए खतरा बन जाते हैं। यह समस्या खास तौर पर उन शहरों में ज्यादा गंभीर है, जहां घनी आबादी और पुरानी बस्तियां हैं। देश भर में जर्जर इमारतों को चिह्नित कर उन्हें सरकारी दस्तावेज में असुरक्षित घोषित करने की व्यवस्था पहले से मौजूद है।मगर स्थानीय प्रशासन का इस ओर ध्यान कम ही जाता है। जिन पुराने भवनों को असुरक्षित घोषित किया जाता है, उन्हें खाली कराने, गिराने या पुनर्निर्माण की प्रक्रिया भी वर्षों तक अटकी रहती है। यह विभागीय लापरवाही का ही नतीजा होता है कि ऐसी इमारतें कई बार हादसों का कारण बन जाती हैं।सवाल यह भी है कि करोल बाग इलाके में इमारत का ध्वस्तीकरण विभागीय अनुमति के बिना कैसे हो रहा था? जर्जर भवनों की पहचान करना और उन्हें गिराने के कार्य की निगरानी करना किसकी जिम्मेदारी है?कायदे से असुरक्षित इमारतों का नियमित वैज्ञानिक सर्वेक्षण होना चाहिए और उनकी श्रेणीबद्ध सूची सार्वजनिक की जानी चाहिए। साथ ही उन्हें खाली कराने और गिराने के लिए स्पष्ट नीति एवं योजना का होना भी जरूरी है।

अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। 'डीपफेक' ने वास्तविक और कृत्रिम के बीच की रेखा धुंधली कर दी है। किसी व्यक्ति की आवाज, चेहरा और हाव-भाव को इतनी सहजता से बदला जा सकता है कि सामान्य व्यक्ति के लिए सत्य और असत्य में अंतर करना कठिन हो जाता है। इससे गलत सूचना का खतरा ही नहीं बढ़ता, बल्कि सामाजिक विश्वास की नींव भी कमजोर होती है। ऐसी स्थिति में समाधान संतुलित होना चाहिए, कठोर सेंसरशिप अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकती है। डिजिटल मंचों को पूरी तरह अनियंत्रित छोड़ना भी उचित नहीं है, क्योंकि वे जनमत निर्माण की अत्यंत प्रभावशाली शक्ति बन चुके हैं।

डिजिटल युग में 'सत्य' की परीक्षा- सूचना की बाढ़ में खोता सामाजिक भरोसा

(अतुल अग्रवाल)

डिजिटल क्रांति ने सूचना प्रवाह को तेज़ किया है, पर एआई डीपफेक और फेक न्यूज़ से सामाजिक भरोसा कम हुआ है। सत्य की रक्षा के लिए पारदर्शी नियमन, डिजिटल साक्षरता और जागरूक नागरिक की साझा जिम्मेदारी जरूरी है। एक समय था जब सूचनाएं समाज तक पहुंचने से पहले सत्यापन, संपादन और विवेक की अनेक कसौटियों से गुजरती थीं। अखबारों, रेडियो और टेलीविजन के माध्यम से प्रसारित समाचारों के पीछे पत्रकारिता की नैतिकता और संपादकीय उत्तरदायित्व होता था। सूचना का प्रवाह भले ही आज की तुलना में धीमा था, लेकिन उसकी सबसे बड़ी शक्ति उसका भरोसा था।मगर डिजिटल क्रांति ने संचार की इस पूरी संस्कृति को बदल दिया है। आज कोई अफवाह, अधूरा वीडियो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार तस्वीर, किसी भाषण का काट-छांट किया गया अंश या किसी गुमनाम व्यक्ति की पोस्ट कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाती है। ऐसी सामग्री के सही या गलत होने पर बहस बाद में होती है, लेकिन तब तक वह लोगों की सोच और सामाजिक धारणाओं को प्रभावित कर चुकी होती है।

इसलिए आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल झूठी सूचनाओं का प्रसार ही नहीं, बल्कि सत्य के प्रति समाज के भरोसे का कमजोर पड़ना भी है। निस्संदेह, डिजिटल माध्यमों ने संवाद को अधिक लोकतांत्रिक बनाया है। साधारण नागरिक भी घटनास्थल से तत्काल तस्वीरें और वीडियो साझा कर सकता है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत कार्यों का समन्वय तेज हुआ है।

छोटे उद्यमियों को नए अवसर मिले हैं, कलाकारों और लेखकों को वैश्विक मंच मिला है तथा शिक्षा एवं शोध भौगोलिक सीमाओं से काफी हद तक मुक्त हुए हैं। जिन समुदायों की आवाज कभी मुख्यधारा तक नहीं पहुंचती थी, उन्हें भी अपने विचार रखने का अवसर मिला है। मगर तकनीक की यही शक्ति उसकी सबसे बड़ी चुनौती भी बन गई है। डिजिटल मंचों की कार्यप्रणाली का उद्देश्य अक्सर सत्य की खोज से अधिक लोगों का ध्यान आकर्षित करना होता है।

इसलिए संतुलित विश्लेषण की तुलना में सनसनी, तर्क की अपेक्षा भावनाएं और तथ्यों की तुलना में उत्तेजक सामग्री अधिक प्रभावशाली हो जाती है। क्रोध, भय और पूर्वाग्रह जैसी भावनाएं तेजी से फैलती हैं, जबकि संयमित और तथ्य आधारित व्याख्या पीछे छूट जाती है। लोग सोचने से पहले प्रतिक्रिया देने लगते हैं। भ्रामक सूचना कोई नई सामाजिक समस्या नहीं है। इतिहास अफवाहों, दुष्प्रचार और अतिशयोक्ति का साक्षी रहा है। अंतर केवल इतना है कि पहले झूठ को फैलने में समय लगता था, जबकि आज तकनीक ने उसे अभूतपूर्व गति और व्यापक पहुंच दे दी है।

जब कोई असत्य बार-बार दोहराया जाता है, तो वह सच जैसा प्रतीत होने लगता है। अधिकांश लोग किसी संदेश को साझा करने से पहले उसके स्रोत की पड़ताल नहीं करते। झूठ सिर्फ इसलिए सफल नहीं होता कि उसके पीछे मिथ्या तर्कों का जाल बुना होता है, बल्कि इसलिए सफल होता है कि वह सत्य से पहले लोगों तक पहुंच जाता है और उनकी भावनाओं को प्रभावित करता है। इसके दुष्परिणाम सार्वजनिक जीवन के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देते हैं।

चुनावों के दौरान भ्रामक आंकड़े, संदर्भ से काटे गए वीडियो और दुष्प्रचार के अभियान मतदाताओं को भ्रमित करते हैं। भारत जैसे बहुलतावादी समाज में सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों ने कई बार सांप्रदायिक तनाव को भी जन्म दिया। इससे स्पष्ट है कि आभासी दुनिया में फैलाया गया झूठ वास्तविक दुनिया में गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है।

अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। 'डीपफेक' ने वास्तविक और कृत्रिम के बीच की रेखा धुंधली कर दी है। किसी व्यक्ति की आवाज, चेहरा और हाव-भाव को इतनी सहजता से बदला जा सकता है कि सामान्य व्यक्ति के लिए

सत्य और असत्य में अंतर करना कठिन हो जाता है। इससे गलत सूचना का खतरा ही नहीं बढ़ता, बल्कि सामाजिक विश्वास की नींव भी कमजोर होती है। ऐसी स्थिति में समाधान संतुलित होना चाहिए, कठोर सेंसरशिप अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकती है।

डिजिटल मंचों को पूरी तरह अनियंत्रित छोड़ना भी उचित नहीं है, क्योंकि वे जनमत निर्माण की अत्यंत प्रभावशाली शक्ति बन चुके हैं। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच स्वस्थ संतुलन स्थापित करे। यदि सोशल मीडिया मंच पर किसी सामग्री को हटाया या सीमित किया जाता है, तो प्रक्रिया पारदर्शी एवं निष्पक्ष होनी चाहिए। इस बात पर गौर करना भी जरूरी है कि तकनीकी कंपनियां अब केवल संचार का माध्यम नहीं हैं, वे समाज के वैचारिक परिवेश को आकार देने वाली संस्थाएं बन गई हैं।

उनके डिजिटल ढांचे इस बात को प्रभावित करते हैं कि लोग क्या पढ़ेंगे, क्या देखेंगे और किन विषयों पर चर्चा करेंगे। इसलिए उन्हें अपनी कार्यप्रणाली अधिक पारदर्शी बनानी होगी, भारतीय भाषाओं में तथ्य-जांच की सशक्त व्यवस्था विकसित करनी होगी, भ्रामक सामग्री पर त्वरित कार्रवाई करनी होगी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित सामग्री को स्पष्ट रूप से चिह्नित करना होगा। साथ ही सामग्री नियमन से जुड़े निर्णय स्वतंत्र निगरानी और सार्वजनिक समीक्षा के दायरे में होने चाहिए।

इस परिदृश्य में पारंपरिक पत्रकारिता की भूमिका भी पहले से अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाती है। सूचना की बाढ़ के दौर में केवल तथ्य प्रस्तुत करना पर्याप्त नहीं है, उनके संदर्भ, पृष्ठभूमि और प्रभाव को समझाना भी आवश्यक है। इसमें डिजिटल साक्षरता की भी अहम भूमिका है। नागरिकों को यह समझना जरूरी है कि कौन-सी सूचना विश्वसनीय है, कौन-सा वीडियो कृत्रिम रूप से तैयार किया गया है, कौन-सी भाषा केवल भावनाएं भड़काने के लिए प्रयुक्त हुई है और किन तथ्यों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि की जानी चाहिए।

दरअसल, आज आवश्यकता तत्काल प्रतिक्रिया देने के बजाय विचारपूर्वक निर्णय लेने की संस्कृति विकसित करने की है। हर सूचना पर तुरंत विश्वास करना जितना खतरनाक है, उतना ही जोखिमपूर्ण उसे बिना कारण अनदेखा करना भी है। परिपक्व लोकतांत्रिक समाज वही है जहां नागरिक प्रश्न पूछते हैं, प्रमाण तलाशते हैं और पर्याप्त तथ्य उपलब्ध होने तक निर्णय सुरक्षित रखने का धैर्य रखते हैं। यह बौद्धिक धैर्य लोकतंत्र की बड़ी शक्ति है।

आभासी दुनिया में भ्रामक सूचनाओं की चुनौती का समाधान सरकार, तकनीकी कंपनियों, मीडिया, शिक्षा जगत और नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। सरकार को स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलित कानून बनाने होंगे। तकनीकी कंपनियों को सार्वजनिक विमर्श पर अपने प्रभाव को स्वीकार करते हुए अधिक जवाबदेह बनना होगा। शिक्षा जगत को आलोचनात्मक चिंतन और डिजिटल साक्षरता को आवश्यक कौशल बनाना होगा।

प्रत्येक नागरिक को यह समझना होगा कि वह केवल सूचना का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उसके प्रसार की श्रृंखला का उत्तरदायी हिस्सा भी है। डिजिटल क्रांति ने मानवता को संवाद, सहयोग और नवाचार की असीम संभावनाएं दी हैं। इन उपलब्धियों को सुरक्षित रखने के लिए सत्य, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के प्रति समान प्रतिबद्धता आवश्यक है।

'दिमागी नक्सल' कौन? सरकार की नीतियों का विरोध देशद्रोह या देशभक्ति?

(तवलीन सिंह)

मैं क्या एक दिमागी नक्सल हूं? जब से प्रधानमंत्री ने लालकिले से पहली बार इस नए किस्म के इंसान के बारे में जिक्र किया, मुझे यह सवाल सताता रहा है। इस वास्ते कि मुझे लगने लगा है कि आगे मेरे जैसे कई लोगों के बारे में कहा जाएगा कि हम दिमागी नक्सल हैं सिर्फ इसलिए कि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा का विरोध करते हैं और सरकार की कई नीतियों को हम गलत मानते हैं। मिसाल के तौर पर अगर कहूं कि मैं काकरोच जनता पार्टी के 'स्कूल ठीक करो अभियान' का समर्थन करती हूं, तो क्या मैं दिमागी नक्सल की श्रेणी में आ जाती हूं? मुझे इस अभियान से बहुत हमदर्दी है, क्योंकि कई सालों से मैं लिखती आई हूं कि देश में सबसे बड़ा आर्थिक सुधार शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव लाकर होगा। भारत के सरकारी स्कूल इतने रद्दी हैं कि हमको शर्म आनी चाहिए कि इतने वर्षों से देश के सबसे गरीब, लाचार बच्चों को पढ़ाई के नाम पर ऐसे स्कूलों में भेजा जाता है जिसको किसी दूसरे देश में स्कूल भी न माना जाए। जब से यह अभियान शुरू किया है काकरोच जनता पार्टी ने, उनके सदस्य रोज सोशल मीडिया पर रील डालते हैं ऐसे स्कूलों की जो तस्वीरों ही तस्वीरों में बताती हैं सारी कहानी। इन सभी रील में ऐसे स्कूल दिखाए गए हैं जिनमें छतें गिरने को हैं, जिनकी कक्षाओं में न बेंच हैं न मेज, न शिक्षक न किताबें और जिनके तथाकथित शौचालय इतने गंदे हैं कि कोई बहुत बेरहम शिक्षक ही होगा जो छोटे बच्चों को इनमें जाने पर मजबूर करता होगा। अभियान का समर्थन अब कई लोग करने लगे हैं, तो क्या इन सबको दिमागी नक्सल कहा जाएगा? भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ताओं की बातों से तो लगता ऐसा ही है। मोदी के मंत्री तक कहते हैं कि काकरोच पार्टी का संस्थापक असल में छात्र नहीं, आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता है और उसको छात्रों की इस मुहिम से जोड़ना ठीक नहीं है। क्यों ठीक नहीं है? शिक्षा का इतना बुरा हाल है अपने इस देश में कि अगर कोई उसको सुधारने के लिए अभियान शुरू करने को तैयार है, तो उसको देशभक्त कहना चाहिए। दिमागी नक्सल नहीं। तो कौन हैं ये दिमागी नक्सल जिनको लेकर प्रधानमंत्री इतने परेशान हैं कि इनका जिक्र उन्होंने लालकिले के प्राचीर से करना ठीक समझा? मैंने जब एक दो भाजपाई दोस्तों से यह पूछा, तो उन्होंने कहा कि दिमागी नक्सल वे लोग हैं जो माओवादी विचारधारा से प्रेरित होकर देश का विरोध करते हैं। सवाल है कैसा विरोध? क्या सरकार की नाकामियों का विरोध करना गलत है? क्या यह देशभक्ति नहीं है जब मेरे जैसे लोग दशकों से कोशिश करते आए हैं शिक्षा में सुधार लाने की। हमारी सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं भी इतनी रद्दी हैं कि इनमें भी क्रांतिकारी सुधार लाना जरूरी है। क्या आपने ऐसे अस्पताल नहीं देखे हैं जिनमें आवारा कुत्ते-बिल्लियां घूमते हैं और चूहे उन तारों को काटते दिखते हैं जिनसे ऑक्सीजन और दवाइयां दी जाती हैं मरीजों को? सच पूछिए तो मैं जब भी इन चीजों को देखती हूं, तो मुझे बहुत गुस्सा आता है। तो मैं देशभक्त हूं या दिमागी नक्सल? यहां स्पष्ट करना चाहती हूं कि माओवादी विचारधारा से मुझे नफरत है। मेरा मानना है कि भारत अगर दक्षिण-पूर्वी देशों से पीछे रह गया है, तो इसलिए कि हमने सोवियत यूनियन की नकल करके ऐसा समाजवाद थोपा है देश पर कि हमारी अर्थव्यवस्था आज तक इतनी कमजोर है कि वह नौजवानों को नौकरियां नहीं दे सकती है। शर्मिंदा होना चाहिए हमारे राजनेताओं को कि आज भी हमारे नौजवानों का एक ही सपना है और वह है किसी न किसी तरह सरकारी नौकरी हासिल करना। झारखंड में जो विरोध प्रदर्शन पिछले दिनों देखा उसमें आपने भी देखा होगा कि लोगों के हाथों में बड़े सारे पोस्टर थे जिनमें दाम लिखे थे सरकारी नौकरियों के। पुलिस में भर्ती के लिए कितने लाख रुपए, सरकारी स्कूल में शिक्षक बनने के लिए कितने लाख रुपए और सरकारी दफ्तरों में आला नौकरी लेने के लिए भी न जाने कितने लाख रुपए देने पड़ते हैं। मेरी नजर में जिन लोगों ने ये पोस्टर बनाए थे उनको देशभक्त कहना चाहिए दिमागी नक्सल नहीं? आपका क्या खयाल है? ऐसा कहने के बाद फिर आता है मन में वही सवाल- दिमागी नक्सल है कौन? किसकी तरफ इशारा कर रहे थे प्रधानमंत्री, जब उन्होंने यह बात कही। असली नक्सलवादी वे लोग हैं, जिन्होंने हथियार उठा कर हिंसा और भय फैलाने का काम किया है, जिसकी वजह से देश के कई हिस्सों में विकास नाम की कोई चीज नहीं हो सकी है। स्कूल बनते तो उनको तबाह कर दिया जाता था।

वंदे मातरम् पर विवाद क्यों? असहमति से पंथनिरपेक्षता तक छिड़ी नई बहस

प्रतिनिधियों के विरोध के कारण एक नहीं, दो बार सभा को स्थगित करना पड़ा। मगर जिन्ना टस से मस नहीं हुए। उनका तर्क था कि 'महात्मा' शब्द हिंदू अध्यात्म से जुड़ा है, इसलिए यह राजनीति में धर्म का समावेश है। यदि यह तर्क मान लिया जाता, तब भारत का संपूर्ण दर्शन सांप्रदायिक बन जाएगा, क्योंकि, यहां दर्शन और अध्यात्म के बीच रेखा खींचना नामुमकिन है। याज्ञवल्क्य से लेकर महावीर-बुद्ध-नानक सभी के दर्शन और अध्यात्म के बीच विभाजन रेखा ढूंढ़ना कठिन है।

(राकेश सिन्हा)

'वंदे मातरम्' के उन चार अंतरों में क्या है, जिसे पंथनिरपेक्षता के प्रतिकूल कहा जा रहा है? इस प्रश्न का उत्तर भारत की मौलिकता की खोज है। उन्हें सबसे आपत्तिजनक 'दुर्गा' (विद्या और ज्ञान वाहिनी या रिपुदलवारिणी, जिसका तात्पर्य है शत्रुओं का विनाश करने वाली) का उल्लेख लगता है। असहमति और आक्रोश या नापसंदगी और नफरत के बीच अंतर होता है। असहमति और नापसंदगी वैचारिक एवं तर्क पर आधारित होती है, जबकि आक्रोश और नफरत की बुनियाद प्रतिशोध एवं ताकत होती है। उदाहरण के लिए 'वंदे मातरम्' को संपूर्णता में गाने पर मोहम्मद अली जिन्ना और मुस्लिम लीग की असहमति एवं इसके प्रति नापसंदगी थी। मगर स्वतंत्र भारत में कोई इस तरह का विरोध करता है, तो यह अनपेक्षित है। 'वंदे मातरम्' ने स्वदेशी, राष्ट्रीयता और उपनिवेशवाद-विरोध को ताकत दी थी और लोगों ने इसे गाते-गाते बलिदान दिया था। इनमें दो नाम उल्लेखनीय हैं। ओडिशा के बाजी राउत और असम की तिलेश्वरी बरुआ। दोनों की उम्र मात्र बारह वर्ष थी। औपनिवेशिक सरकार की ओर से इस गीत को गाने पर प्रतिबंध का लोगों ने विरोध किया और जेल गए। आज कांग्रेस की आक्रामकता इतनी अधिक है कि इसे संपूर्णता में गाने की जगह वे जेल जाना पसंद कर रहे हैं। 'वंदे मातरम्' के उन चार अंतरों में क्या है, जिसे पंथनिरपेक्षता के प्रतिकूल कहा जा रहा है? इस प्रश्न का उत्तर भारत की मौलिकता की खोज है। उन्हें सबसे आपत्तिजनक 'दुर्गा' (विद्या और ज्ञान वाहिनी या रिपुदलवारिणी, जिसका तात्पर्य है शत्रुओं का विनाश करने वाली) का उल्लेख लगता है। इनमें न किसी धर्म पर प्रहार है और न ही ये कर्मकांड के वे अंश हैं, जो सभी रूपक के रूप में उपयोग किए गए हैं। तभी भारत के मुसलमानों को 1937 से पहले इस पर कोई आपत्ति नहीं थी।

'वंदे मातरम्' और ऐतिहासिक विवाद –वर्ष 1937 में प्रांतों में कांग्रेस की सरकार बनी थी। दो साल के बाद लीग ने इस पर एक रिपोर्ट जारी की, जिसे 'पीरपुर रिपोर्ट' कहते हैं। इसमें कांग्रेस शासन को 'अल्पसंख्यक विरोधी' कहा गया। आपत्ति के विषय को इसी से जाना जा सकता है कि महात्मा गांधी की तस्वीर लगाने, तिरंगा फहराने, वंदे मातरम् गाने जैसी

बातों को हिंदू फासीवादी होने का आधार बनाया गया। जिस लीग की तर्ज पर कांग्रेस चल रही है, वह भारत की मौलिकता को समाप्त करने का उपक्रम है। वर्ष 1920 में नागपुर में कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ था। तब मोहम्मद अली जिन्ना ने मंच पर गांधी को 'महात्मा' की जगह 'मिस्टर' कहकर संबोधित किया। प्रतिनिधियों के विरोध के कारण एक नहीं, दो बार सभा को स्थगित करना पड़ा। मगर जिन्ना टस से मस नहीं हुए। उनका तर्क था कि 'महात्मा' शब्द हिंदू अध्यात्म से जुड़ा है, इसलिए यह राजनीति में धर्म का समावेश है। यदि यह तर्क मान लिया जाता, तब भारत का संपूर्ण दर्शन सांप्रदायिक बन जाएगा, क्योंकि, यहां दर्शन और अध्यात्म के बीच रेखा खींचना नामुमकिन है। याज्ञवल्क्य से लेकर महावीर-बुद्ध-नानक सभी के दर्शन और अध्यात्म के बीच विभाजन रेखा ढूंढ़ना कठिन है। यही नेहरूवाद का नजरिया रहा था, जिसके कारण दर्शन के क्षेत्र में समृद्ध भारत के विश्वविद्यालयों में इसके अध्ययन में गिरावट आई है। ऐसे में तो वेद, महाभारत, पुराण, उपनिषद- सब में अध्यात्म का अंश है, तो क्या वे पंथनिरपेक्ष साहित्य नहीं माने जाएंगे? वे विश्व साहित्य के रूप में प्रतिष्ठित हो सकते हैं, पर भारत में धर्मनिरपेक्ष साहित्य नहीं बन सकते हैं। दारा शिकोह द्वारा उपनिषदों का पारसी में अनुवाद से क्या उनके धर्म का अवमूल्यन हो गया? आचार्य जेबी कृपलानी ने अपनी पुस्तक 'माइनॉरिटीज इन इंडिया' (1948) में पूछा है कि वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, पुराणों आदि को हटा देने से भारत क्या रह जाएगा?

भारतीय दर्शन और पंथनिरपेक्षता का सवाल – कांग्रेस को वंदे मातरम् पर आपत्ति है, तो शक और विक्रम संवत का भी हिंदू इतिहास है। तो क्या उसे भी वे खारिज कर देंगे? संविधान सदन, संसद भवन, सेना मुख्यालय, जीवन बीमा, सर्वोच्च न्यायालय इत्यादि का ध्येय वाक्य उन्हीं दार्शनिक ग्रंथों से लिया गया है, तो क्या वे हिंदू पूर्वाग्रह का बहुमतवाद है। सर्वोच्च न्यायालय का ध्येय वाक्य 'यतो धर्मस्ततो जयः' महाभारत से लिया गया है, तो गणतंत्र का ध्येय वाक्य 'सत्यमेव जयते' मुंडक उपनिषद से लिया गया है। रवींद्रनाथ ठाकुर के 'गोरा' उपन्यास में गोरा और सुचरिता के बीच संवाद में भारत और धर्म की भारतीय अवधारणा सामने आती है। तब तो वह भी उन्हें स्वीकार नहीं होगा! कुछ वर्ष पूर्व जब 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' मनाने की बात हुई, तब भी योग की हिंदू उत्पत्ति तलाशी गई और इसका विरोध हुआ। कांग्रेस की परिभाषा के अनुसार, भारत का अहिंदूकरण ही पंथनिरपेक्षता है। 'वंदे मातरम्' एक सकारात्मक और प्रेरणादायक गीत है, जिसे गाकर, सुनकर या पढ़कर देशभक्ति जीवंत हो जाती है। महर्षि अरविंद और लाला लाजपत राय ने क्रमशः कलकत्ता और लाहौर में 'वंदे मातरम्' नाम से अखबार शुरू किया। कांग्रेस के साथ त्रासदी है कि उसका विचार यथार्थ से हमेशा दूर रहा है। आज की कांग्रेस में विचारों की बहुलता नहीं है। कोई संपूर्णानंद या केएम मुंशी आज कांग्रेस के पास नहीं हैं। यह वैचारिक बहुलता सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के क्रम में देखने को मिली थी। तब पंडित नेहरू इसके विरोध में थे, तो राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद इसकी अगुआई कर रहे थे।

सांस्कृतिक पुनरुत्थान पर बहस – जब भी अपने इतिहास, विरासत, नायकों की खोज या उनकी स्मृति को बनाए रखने का कोई उपक्रम बनता है, उसे धर्मनिरपेक्षता पर सवाल कह दिया जाता है। इसका एक उदाहरण कन्याकुमारी में विवेकानंद स्मारक के निर्माण से जुड़ा है। एकनाथ रणाडे के प्रयास के विरुद्ध केरल से दिल्ली तक विरोध जताया गया। भारत अपने सांस्कृतिक उत्थान के दौर में प्रवेश कर रहा है। मगर पुरानी सोच और पुरानी ताकत अपने बौद्धिक आधिपत्य को टूटते नहीं देख पा रही है। कांग्रेस और उसके बुद्धिजीवी मित्र छद्म पंथनिरपेक्षता के आधार पर भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। जैसे एक समय लोकमान्य तिलक के गणेश उत्सव और शिवाजी महोत्सव को मुस्लिम विरोधी घोषित किया गया, उसी को आज वंदे मातरम् को लेकर दोहराया जा रहा है। (यह लेखक के अपने विचार है)

गंगातट मनिहारी में उमड़ने वाले शिव भक्तों को लेकर डीएम व एसपी ने तैयारियों का लिया जायजा

अधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश, श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। सावन पूर्णिमा के अवसर पर मनिहारी गंगातट पर संभावित भोले भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। मंगलवार को डीएम आशुतोष द्विवेदी एवं एसपी परिचय कुमार ने मनिहारी गंगातट सहित आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं संरक्षा के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी व्यवस्थाओं को समय रहते दुरुस्त करने का निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान गंगातट पर श्रद्धालुओं के आवागमन, भीड़ नियंत्रण, स्नान व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, साफ - सफाई तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की गई। डीएम ने कहा कि सावन पूर्णिमा के मौके पर बड़ी संख्या में भोले भक्तों के मनिहारी गंगातट पहुंचने की संभावना है। ऐसे में प्रशासन की प्राथमिकता है कि आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराई जाए तथा उनकी सुरक्षा और संरक्षा में किसी प्रकार की कमी नहीं रहे। प्रशासनिक स्तर पर गंगातट सहित विभिन्न कांवरिया पथों पर दंडाधिकारी के नेतृत्व में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। प्रमुख स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा भीड़ बढ़ने की स्थिति में यातायात और श्रद्धालुओं के आवागमन को सुव्यवस्थित ढंग से नियंत्रित किया जाएगा। अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ लगातार निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है। एसपी ने पुलिस अधिकारियों को सतर्क रहकर ड्यूटी करने तथा श्रद्धालुओं के साथ सहयोगात्मक व्यवहार अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों और अफवाह फैलाने वालों पर विशेष नजर रखी जाएगी। डीएम एवं एसपी ने आम लोगों से भी अपील की कि वे परस्पर भाईचारे और पारंपरिक सौहार्द के साथ सावन पूर्णिमा का त्योहार मनाएं तथा प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।इस मौके पर बीडीओ सनत कुमार, नगर कार्यपालक अरविंद कुमार, बीपीआर ओ सोनू गुप्ता, नगर स्वच्छता पदाधिकारी आरुष कुमार, थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा, सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे ।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी तेज, अधिक से अधिक मामलों के निष्पादन पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार कोर्ट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रणवीर सिंह के मार्गदर्शन में आगामी 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर सोमवार को जिला विधिक सेवा एवं सुलह के आधार पर निष्पादन सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। सचिव कमलेश सिंह देऊ ने सभी बैंक अधिकारियों एवं शाखा प्रबंधकों को राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए चिन्हित ऋण खातों के ऋणधारकों को अविलंब नोटिस भेजने तथा प्री-सिटिंग आयोजित कर समझौते की संभावनाओं पर पहल करने का निर्देश दिया। वहीं वन विभाग,

प्राधिकार, कटिहार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अवर न्यायाधीश सह सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कटिहार कमलेश सिंह देऊ ने की। इसमें अग्रणी बैंक प्रबंधक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया सहित एसबीआई, पंजाब नेशनल बैंक, बिहार ग्रामीण बैंक, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इंडिया समेत विभिन्न राष्ट्रीयकृत बैंकों के अधिकारी शामिल हुए। इसके अलावा भारत संचार निगम लिमिटेड, कटिहार, वन विभाग, जिला नीलाम पत्र पदाधिकारी, माप-तौल विभाग सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक लंबित वादों का आपसी सहमति जिला नीलाम पत्र कार्यालय एवं माप-तौल विभाग के पदाधिकारियों को अपने-अपने विभागों में लंबित मामलों में से राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए चिन्हित वादों के पक्षकारों को समय पर नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव ने प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि आगामी 12 सितंबर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अपने लंबित मामलों का सुलह-समझौते के माध्यम से निपटारा कराएं और इस अवसर का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि लोक अदालत विवादों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान का प्रभावी माध्यम है।

संक्षिप्त समाचार

हत्या के प्रयास व आर्म्स एक्ट का आरोपित गिरफ्तार

बरारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। हत्या के प्रयास व आर्म्स एक्ट के मामले में सेमापुर थाना पुलिस ने प्राथमिकी अभियुक्त जीवन यादव को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित थाना क्षेत्र के सरदार नगर भवानीपुर का रहने वाला है। वह सेमापुर थाना कांड संख्या 68/26 में नामजद है।थानाध्यक्ष रामशंकर कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से पुलिस आरोपित की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही थी। इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए जीवन यादव को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपित के विरुद्ध हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सिरसा में कैरियर पॉइंट पुस्तकालय सह स्वयं अध्ययन केंद्र का शुभारंभ

हसनगंज/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिले के सिरसा एचपी पेट्रोल पंप के समीप कैरियर पॉइंट पुस्तकालय सह स्वयं अध्ययन केंद्र का शुभारंभ किया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार निखिल कुमार चौधरी, सेवानिवृत्त प्रखंड कृषि पदाधिकारी लीलानंद झा, अनिल चौधरी, टनटन ठाकुर एवं दिनेश मोहन ठाकुर सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर केंद्र का उद्घाटन किया। पुस्तकालय में छात्र-छात्राओं के लिए वाई-फाई सुविधा से युक्त वातानुकूलित अध्ययन कक्ष की व्यवस्था की गई है। इससे विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं समेत अन्य शैक्षणिक तैयारियों के लिए बेहतर अध्ययन वातावरण मिल सकेगा।इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री निखिल कुमार चौधरी ने कहा कि पुस्तकालय वह स्थान है, जहां विद्यार्थी पुस्तकों का अध्ययन कर अपने ज्ञान में वृद्धि कर सकते हैं। वर्तमान वैज्ञानिक युग में समय के साथ अध्ययन के तौर-तरीकों में भी बदलाव आया है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप से पुस्तकों का अध्ययन करने की अपील की। साथ ही कैरियर पॉइंट पुस्तकालय के संचालक नमित कुमार कश्यप को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना दी।सेवानिवृत्त प्रखंड कृषि पदाधिकारी लीलानंद झा ने कहा कि पुस्तकालय में बच्चों को शिक्षा से संबंधित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन का माहौल उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर माता-पिता एवं समाज का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के लिए सुनहरा अवसर है। यहां तैयारी कर विद्यार्थी विभिन्न विभागों की प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होकर अपनी मंजिल हासिल कर सकते हैं। मौके पर अमित कश्यप, दिनेश चौहान, अमन यादव, अभिषेक झा,कृष्ण झा, बृजेंद्र झा, धनंजय झा, सिकंदर साह, राजू यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गरीब नवाज एक्सप्रेस ट्रेन से 57 लीटर विदेशी शराब बरामद, दो गिरफ्तार

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। कटिहार रेलवे स्टेशन पर रेल पुलिस एवं आरपीएफ की संयुक्त अभियान में प्लेटफार्म संख्या-5 पर खड़ी ट्रेन नंबर 15715 गरिब नवाज एक्सप्रेस से 57.415 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई। इस मामले में एक युवक और एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार संयुक्त टीम ने ट्रेन में जांच के दौरान सहरसा जिला निवासी सोनू कुमार (20) और खगड़िया जिला निवासी खुशबू देवी (30) को शराब के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया।जानकारी के अनुसार इस संबंध में रेल पुलिस कटिहार के सहायक उपनिरीक्षक विजय कुमार के लिखित आवेदन के आधार पर रेल थाना कटिहार में कांड संख्या 170/26 दर्ज कर दोनों आरोपितों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। बरामद शराब की कुल मात्रा 57.415 लीटर बताई गई है। मामला दर्ज करने के बाद रेल थाना कटिहार पुलिस द्वारा मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। रेलवे स्टेशन एवं ट्रेनों में अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ सुरक्षा बल द्वारा लगातार सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है।

मृत्यु के बाद भी रोशन होंगी आंखें, कटिहार में 41वें नेत्रदान पखवाड़े का शुभारंभ

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। एक चुटकी राख या दो अंधों को आंख, फैसला आपकाह्न जैसे जागरूकता संदेशों के साथ मंगलवार को कटिहार में 41वें नेत्रदान पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में दिव्यांगजनों समेत बड़ी संख्या में लोगों ने नेत्रदान के प्रति जागरूकता दिखाई और संकल्प पत्र भरकर नेत्रदान का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बिहार राज्य सलाहकार बोर्ड, समाज कल्याण विभाग के सदस्य शिव शंकर रमानी ने कहा कि मृत्यु के बाद किया गया नेत्रदान किसी जरूरतमंद के जीवन में रोशनी ला सकता है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। कार्यक्रम का उद्घाटन वासुदेव नायक, डॉ. अवधेश देव और जयप्रकाश बारिक ने किया। वासुदेव नायक ने नेत्रदान को महान सामाजिक सेवा बताया। डॉ. अवधेश देव ने कहा कि नेत्रदान मानवता की सच्ची सेवा है। जयप्रकाश बारिक ने बताया कि नेत्रदान पखवाड़ा 25 अगस्त से 8 सितंबर 2026 तक चलेगा। इस दौरान विभिन्न माध्यमों से लोगों को नेत्रदान के लिए जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में विजय कुमार, जुली शर्मा, रवि कुमार दास, आशा आंटी, मुन्ना साह, गोपाल साह, राजीव कुमार सिंह, लेलू मंडल, लक्ष्मी देवी, प्रमिला, बैजनाथ यादव, गंगा यादव, रंजना कुमारी, राणा कुमार, जितेंद्र कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सांसद से पुल निर्माण की मांग

फलका/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। - प्रखंड के मोरसंडा पंचायत में देर शाम पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव मोरसंडा गांव पहुंचे। वही गांव के ग्रामीणों ने सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव से कमलाघाट नदी पर पुल निर्माण कराने की मांग की है। गांव के ग्रामीणों ने पूर्णिया सांसद से कहा कि पुल के अभाव में मोरसंडा सहित आसपास के करीब 15 हजार लोगों को प्रखंड मुख्यालय एवं अन्य स्थानों तक आने-जाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। वही ग्रामीणों का कहना है पुल बनने से बीमार मरीज अस्पताल पहुंचने में आसानी होगी और प्रखंड मुख्यालय की दूरी कम हो जाएगी। जिससे ग्रामीणों को प्रखंड मुख्यालय एवम् मरीज को अस्पताल पहुंचने में आसान हो जाएगी। मौके पर मुखिया राजू नायक, प्रमुख प्रतिनिधि मोहम्मद इरशाद, राजू चौधरी उपमुखिया शेख शेरूद्दीन, मो. असजद एवम् ग्रामीण मौजूद रहे।

डीएम व एसपी ने किया इवीएम तथा वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह-जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार ने संयुक्त रुप से ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान पदाधिकारी द्वय ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता एवं कार्यशील स्थिति, प्रवेश एवं निकास रजिस्टर, डबल लॉक व्यवस्था, सील की स्थिति सहित अन्य सुरक्षा मानकों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को भारत

निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सभी सुरक्षा मानकों एवं प्रोटोकॉल का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि वेयर हाउस की सुरक्षा एवं रखरखाव में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दास्त नहीं होगी।इस दौरान जिला पदाधिकारी ने वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था एव अभिलेखों का भी अवलोकन कर उप निर्वाचन पदाधिकारी पवन कुमार पासवान को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया ।

राजकीय डिग्री महाविद्यालय मनसाही में विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। राजकीय डिग्री महाविद्यालय मनसाही में छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक, संस्थागत एवं छात्रावास संबंधी समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से विद्यार्थी सहयोग शिविर आयोजित की गई । शिविर में महाविद्यालय के अधिकारियों एवं शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद स्थापित किया। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. वीणा रानी ने छात्र - छात्राओं को संबोधित करते हुए बिहार सरकार के विद्यार्थी सहयोग तंत्र की जानकारी दी। इस अवसर पर अंचलाधिकारी मोहम्मद इस्माइल सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सावन पूर्णिमा को लेकर अनुमंडल प्रशासन ने निकाला फ्लैग मार्च

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। सावन पूर्णिमा के अवसर पर विधि-व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था संधारण को लेकर मंगलवार को अनुमंडल प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की ओर से मनिहारी क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व अनुमंडल पदाधिकारी त्रिलोकी नाथ सिंह, प्रभारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आशिफ आलम एवं थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा ने किया। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल के जवान एवं पुलिस अधिकारी शामिल रहे। फ्लैग मार्च नगर क्षेत्र के प्रमुख चौक-चौराहों, बाजारों एवं महत्वपूर्ण मार्गों से होते हुए ग्रामीण इलाकों के विभिन्न प्रमुख रास्तों तक पहुंचा।

प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य सावन पूर्णिमा के मौके पर श्रद्धालुओं एवं आम लोगों के बीच सुरक्षा का भरोसा कायम करना तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखना बताया गया। फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारियों ने आम लोगों से शांति एवं भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की। अनुमंडल पदाधिकारी त्रिलोकी नाथ सिंह ने कहा कि सावन पूर्णिमा धार्मिक आस्था एवं सामाजिक सद्भाव का पर्व है। सभी लोग परंपरागत सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं तथा प्रशासन का सहयोग करें। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आशिफ आलम ने लोगों से किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं देने की अपील की। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से फैलने वाली भ्रामक सूचनाओं को बिना सत्यापन के आगे प्रसारित न करें। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल स्थानीय प्रशासन अथवा पुलिस को दें। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने अथवा अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने लोगों से संयम, सतर्कता और सहयोग बनाए रखने की अपील की है।

भाजपा युवा मोर्चा की ओर से युवा शक्ति संपर्क अभियान कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। भारतीय जनता युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में भाजपा जिला कार्यालय में ह्लयुवा शक्ति संपर्क अभियानह्व कार्यक्रम का आयोजन करने को लेकर बैठक की गई ।इस बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज राय, जिला महामंत्री गोविंद अधिकारी, सौरभ कुमार मालाकार मुख्य रूप से उपस्थित रहे । बैठक का उद्देश्य आगामी 6 सितंबर को भाजपा जिला कार्यालय में युवा शक्ति संपर्क अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बिहार भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र

सिंह शामिल होंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए युवा मोर्चा के कार्यकताओं ने पूरी तैयारी शुरू कर दी है जिसको लेकर विधानसभा प्रभारी अपने-अपने मंडल में प्रवास कर कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा को तैयार करने का काम करेंगे जिसमें बड़ी संख्या में युवा वर्ग शामिल होंगे। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष मनोज राय ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं से संवाद, उनके विचारों एवं सुझावों को सुनने तथा राष्ट्र निर्माण में युवा शक्ति की सक्रिय भागीदारी को लेकर यह आयोजन किया जाएगा। जिसमें युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और संकल्प को सकारात्मक दिशा देकर सशक्त युवाझ्रसमृद्ध भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति आज के भारत की सबसे बड़ी ताकत है।

मनिहारी आईटीआई कॉलेज पहुंचे डीएम व एसपी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। राज्य सरकार की ओर से शुरू किए गए विद्यार्थी सहयोग कार्यक्रमह्व के तहत कटिहार जिले के चार चिह्नित संस्थानों में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इसी क्रम में मंगलवार को जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी एवं एसपी परिचय कुमार मनिहारी स्थित आईटीआई कॉलेज पहुंचे और शिविर का निरीक्षण किया। इस दौरान डीएम ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं, सुझाव और विचार सुने। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि शिविर के माध्यम से वे अपनी समस्याएं दर्ज कराने के साथ-साथ समाज, जिले, राज्य और देश के विकास से जुड़े अपने सुझाव भी साझा कर सकते हैं।डीएम ने बताया कि जिले के सरकारी स्कूलों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को कोडिंग सिखाने की पहल शुरू की गई है। इसका उद्देश्य सरकारी स्कूलों के बच्चों को भी तकनीकी शिक्षा से जोड़ना और उनकी लॉजिकल थिंकिंग व समस्या समाधान की क्षमता को बेहतर बनाना है। इस

पहल के तहत आईटीआई पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेजों के शिक्षकों तथा इच्छुक विद्यार्थियों से स्वैच्छिक आधार पर सप्ताह में 1 से 2 घंटे नजदीकी सरकारी स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने के लिए सहयोग मांगा गया था। पिछले 3-4 महीनों से चल रहे इस कार्यक्रम में मनिहारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई समेत अन्य तकनीकी संस्थानों के शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर योगदान दिया है। अधिकारियों के अनुसार, इस पहल को लेकर विद्यार्थियों में भी उत्साह देखने को मिल रहा है।

कटिहार रेल यात्रियों को बड़ी सौगात हापा-नाहरलगुन एक्सप्रेस हुई नियमित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कटिहार रेल मंडल के यात्रियों के लिए रेलवे ने बड़ी सौगात दी है।हापा - नाहरलगुन के बीच कटिहार होकर चलने वाली स्पेशल ट्रेन अब 23 सितंबर 2026 से नियमित एक्सप्रेस के रूप में चलेंगी। वहीं वाराणसी मंडल में गोरखपुर कैंट-उनौला के बीच पैच दोहरीकरण के कमीशनिंग कार्य के कारण सितंबर के पहले सप्ताह में कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है। रेल मंडल के सीनियर डीसीएम सह पीआरओ अनुप कुमार सिंह ने बताया कि ट्रेन नंबर 19525 हापा-नाहरलगुन एक्सप्रेस प्रत्येक बुधवार को हापा से चलेगी और शुक्रवार को नाहरलगुन पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन नंबर 19526 नाहरलगुन- हापा एक्सप्रेस प्रत्येक शनिवार को चलेगी। यह ट्रेन छपरा, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, नवगछिया और कटिहार समेत कई महत्वपूर्ण स्टेशनों से होकर चलेगी। ट्रेन में कुल 21 एलएचबी कोच होंगे।गोरखपुर कैंट-उनौला के बीच एनआई कार्य एवं 3 सितंबर को रेल संरक्षा आयुक्त के निरीक्षण के कारण कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 15707 का 1 एवं 2 सितंबर को मार्ग परिवर्तित रहेगा। इसी तरह कटिहार-दिल्ली चंपारण हमसफर ट्रेन नंबर 15705 को 3 सितंबर को कटिहार से 75 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाया जाएगा।इसके अलावा पूर्णिया कोर्ट-अमृतसर जनसेवा, ललितग्राम-नई दिल्ली वैशाली, बरौनी-नई दिल्ली क्लोन स्पेशल, दरभंगा-नई दिल्ली बिहार संपर्क क्रांति सहित कई ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया है। वही इस क्रम में कुछ ट्रेनों के निर्धारित ठहराव भी प्रभावित रहेंगे।कटिहार रेल मंडल के सीनियर डीसीएम सह पीआरओ अनूप कुमार सिंह ने बताया कि आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण एवं रेल परिचालन को बेहतर बनाने के लिए यह कार्य किया जा रहा है।

किसान सलाहकार समिति के जिलास्तरीय बैठक में डीएओ ने दिये टिप्स

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । संयुक्त कृषि भवन में जिलास्तरीय किसान सलाहकार समिति की बैठक का आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ जिला कृषि पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेशक आत्मा राजीब कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कृषि क्षेत्र के समग्र विकास एवं किसानों को विभागीय योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने में सक्रिय सहभागी बनने का आह्वान किया।डीएओ ने संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए बिहार कृषि एप पर अधिक से अधिक किसानों का निबंधन कराने का आग्रह किया। साथ ही एग्री स्टैक, फार्मर आईडी, प्राकृतिक खेती, मृदा परीक्षण, मृदा स्वास्थ्य सुधार तथा अन्य किसान हितकारी कार्यक्रमों को प्राथमिकता के साथ लागू कराने पर भी जोर दिया।उन्होंने दलहन एवं तिलहन मिशन को सफल बनाने तथा जलवायु अनुकूल कृषि को सभी प्रखंडों में प्रभावी

ढंग से बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करते हुए प्राकृतिक एवं जैविक विकल्पों को अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित करने की बात कही। इस क्रम में उन्होंने जैव उर्वरक, हरी खाद तथा गोबर एवं गौमूत्र से जीवामृत, बीजामृत एवं घनजीवामृत तैयार कर किसानों के समूहों एवं एफपीओ के माध्यम से इसका उपयोग को बढ़ावा देने का सुझाव दिया।जिले में जूट उत्पादन एवं जूट आधारित कृषि विविधीकरण पर भी विस्तार से चर्चा हुई। जूट की खेती के बाद खाली होने वाले खेतों में फ्लैक्स, अलसी की खेती को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर किसान सलाहकार समिति के अध्यक्षों के साथ विचार-विमर्श किया गया। अलसी के पौधे से प्राप्त उच्च गुणवत्ता वाले रेशे से उत्कृष्ट लिनेन के वस्त्र तैयार किए जाते हैं, जिसकी बाजार में काफी मांग है एवं मूल्य भी अच्छा प्राप्त होता है।इससे किसानों की आय बढ़ाने के साथ -साथ फसल विविधिकरण को भी प्रोत्साहन मिल सकता है।वहीं नदी की तराई एवं अन्य परती भूमि में खस घास की खेती को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। डीएओ ने सलाहकारों से किसानों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप वैकल्पिक एवं लाभकारी कृषि गतिविधियों से जोड़ने का आग्रह किया। उप परियोजना निदेशक शशिकांत झा ने आत्मा के अंतर्गत फार्मर इन्ट्रेस्ट ग्रुप, एफआइजी एवं फार्मर सपोर्ट ग्रुप के गठन, उद्देश्य एवं किसानों को समूह आधारित गतिविधियों से जोड़ने की प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने अधिक से अधिक किसानों को समूहों से जोड़कर उन्हें तकनीकी प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण एवं विभागीय योजनाओं का लाभ दिलाने पर बल दिया।परियोजना निदेशक दीक्षा कुमारी ने किसानों के ज्ञान एवं कौशलवर्धन के लिए जिला एवं राज्य के अंदर तथा राज्य के बाहर प्रशिक्षण एवं परिभ्रमण हेतु नए एवं प्रगतिशील किसानों को चिन्हित करने का अनुरोध किया।

संक्षिप्त समाचार

रसोई पर लगातार महंगाई की मार

नई दिल्ली, एजेंसी। खाद्य पदार्थों की बढ़ती महंगाई के बीच अब प्याज के दाम ने भी आम लोगों की रसोई का बजट बिगाड़ना

शुरू कर दिया है। पिछले करीब दो सप्ताह में दिल्ली के खुदरा बाजारों में प्याज की कीमत लगभग दोगुनी हो गई है। अगस्त की शुरुआत में जहां प्याज 25 से 30 रुपये किलो बिक रही थी, वहीं अब इसका खुदरा भाव 60 से 70 रुपये किलो तक पहुंच गया है। आजादपुर मंडी में अच्छी क्वॉलिटी की प्याज करीब 50 रुपये किलो तक पहुंच गई है, जबकि समान्य गुणवत्ता की प्याज 40 से 45 रुपये किलो के आसपास बिक रही है। आजादपुर मंडी के प्याज व्यापारी श्रीकांत मिश्रा के मुताबिक, इसका एक बड़ा कारण मौसम की मार है। अप्रैल में हुई बारिश से महाराष्ट्र नासिक और मध्य प्रदेश समेत प्रमुख प्याज उत्पादक क्षेत्रों में फसल को नुकसान पहुंचा था। वहीं नई फसल आने में समय लगेगा। व्यापारियों और फसल विशेषज्ञों के अनुसार, मॉनसून की अनिश्चितता के कारण खरीफ प्याज की बोआई में देरी, रबी प्याज की कमजोर आवक और सरकारी खरीद का लक्ष्य से काफी कम रह जाना प्रमुख कारण हैं। जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र की नासिक मंडी में भी करीब एक महीने के दौरान प्याज की कीमत में लगभग 76 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कुछ राज्यों में थोक भाव में करीब दोगुनी वृद्धि की बात सामने आई है। कीमतों पर लगाम लगाने के लिए सरकार अब बफर स्टॉक जारी करने की तैयारी में है। खासतौर पर उन शहरों में बफर प्याज उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा सकता है, जहां खुदरा कीमतों में तेजी ज्यादा हैं। हालांकि सवाल यह है कि सीमित बफर स्टॉक से बाजार को कितनी राहत मिल पाएगी। श्रीकांत शर्मा का कहना है कि इस साल प्याज का बफर स्टॉक घटकर लगभग डेढ़ लाख टन रह गया है। ऐसे में नई फसल की आवक तक आने वाला करीब डेढ़ महीना उपभोक्ताओं के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। गाजीपुर मंडी में सब्जियों के थोक विक्रेता विनोद चैधरी ने बताया कि प्याज के अलावा फूल गोभी और मटर 100 का रेट पर कर चुके है, मंडी मे अदरक भी 50 से 60 रुपये थोक में बिक रहा है, इसी तरीके से देसी खीरे का रेट भी 25 से 30 रुपये तक का पहुंच गया है।

महंगी हुई चीनी तो लोगों ने कम किया इस्तेमाल, सर्वे में बता दी अपने दिल की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। इस महीने भारतीय रसोई में चीनी सबसे ज्यादा चर्चा का विषय बन गई है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, 20 जुलाई 2026 को देशभर में चीनी की औसत कीमत 48.18 रुपये प्रति किलो थी, जो 20 अगस्त 2026 तक बढ़कर 55.70 रुपये हो गई। सरकार ने 30 सितंबर तक चीनी के निर्यात पर रोक लगा दी है। 31 अक्टूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के ड्यूटी-फ्री इम्पोर्ट की इजाजत दी है। इस बीच चीनी की बढ़ती कीमतों पर सर्वे किया है। इसमें लोगों से चीनी महंगी होने पर उनकी प्रतिक्रिया मांगी गई। मसलन चीनी महंगी होने के कारण उनकी खपत पर क्या असर हुआ और वे रोजाना कितनी चीनी का इस्तेमाल करते हैं। इसमें यह देखने में आया की चीनी महंगी होने से लोगों ने इसका इस्तेमाल कर दिया है।

105 प्रतिशत के पार पहुंचा जीएमपी, आईपीओ में पहले ही दिन दोगुना हो सकता है पैसा

नईदिल्ली, एजेंसी। टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) के शेयर ग्रे मार्केट में दहाड़ रहे हैं। कंपनी के शेयरों का ग्रे मार्केट प्रीमियम इसके आईपीओ प्राइस को भी पार कर गया है। टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) के शेयरों का ग्रे मार्केट प्रीमियम बढ़कर 105 पर्सेंट के पार पहुंच गया है। कंपनी के शेयरों के मौजूदा ग्रे मार्केट प्रीमियम और दूसरे ट्रेंड्स को देखें तो निवेशकों का पैसा पहले ही दिन दोगुना हो सकता है। कंपनी के आईपीओ में शेयरों का अलॉटमेंट मंगलवार 25 अगस्त को फाइनल हो सकता है। टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) की शुरुआत साल 1990 में हुई है। टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) एक थर्मल इंजीनियरिंग और स्पेशलाइज्ड केबल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है।

कंपनी कस्टमाइज्ड टेम्प्रेचर सेंसिंग सॉल्यूशंस, इलेक्ट्रिकल हीटिंग सॉल्यूशंस और स्पेशलाइज्ड केबल्स की डिजाइनिंग और मैन्युफैक्चरिंग करती है।

आईपीओ में 300 शेयर का दाम

टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) के आईपीओ में शेयर का दाम 300 रुपये है। वहीं, ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 317 रुपये के प्रीमियम के साथ कारोबार कर रहे हैं। यानी, कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में 105 पर्सेंट से अधिक के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे है।

184 गुना से ज्यादा सब्सक्राइब हुआ था कंपनी का आईपीओ

टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) का आईपीओ टोटल 184.22 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आम निवेशकों या रिटेल इनवेस्टर्स की कैटेगरी में 61 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। वहीं, एंप्लॉयीज का कोटा 124.95 गुना सब्सक्राइब हुआ। टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) के आईपीओ में गैर संस्थागत निवेशकों या नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 314.44 गुना दांव लगा है।

सरकार के एक फैसले से हिंदुस्तान कॉपर का शेयर धड़ाम

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी कंपनी हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड का शेयर मंगलवार को बाजार खुलते ही गिर गया। इस शेयर में यह गिरावट सरकार के उस फैसले के बाद आई है, जिसमें सरकार ने कहा कि वह इस कंपनी से अपनी कुछ हिस्सेदारी बेचेगी। सरकार ने यह फैसला विनिवेश के जरिए फंड जुटाने के उद्देश्य से लिया है।

हिंदुस्तान कॉपर का शेयर सोमवार को 573.55 रुपये पर बंद हुआ था। मंगलवार को यह करीब 6 फीसदी की गिरावट के साथ 540 रुपये पर खुला। बाद में इसने मामूली बढ़त बनाई, लेकिन यह बहुत देर टिकी नहीं रही। 9:30 बजे यह शेयर 6.20 प्रतिशत फीसदी की गिरावट के साथ 538 रुपये पर कारोबार कर रहा था। एक समय यह शेयर 534.05 रुपये तक पहुंच गया था।

क्या है सरकार का प्लान

सरकार में बिक्री पेशकश (ओएफएस) के जरिए 6 फीसदी तक हिस्सेदारी बेचेगी। इसके लिए न्यूनतम कीमत 514 रुपये प्रति शेयर तय की गई है। इस बिक्री से सरकार 3000

करोड़ रुपये जुटाएगी। निवेश एवं लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव अरुणीश चावला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भारत सरकार हिंदुस्तान कॉपर में तीन प्रतिशत हिस्सेदारी ओएफएस के जरिए बेचेगी। मांग अधिक रहने पर अतिरिक्त तीन प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने का विकल्प भी रखा गया है। चावला के अनुसार, बिक्री पेशकश का 10 प्रतिशत हिस्सा खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित है। इसके अलावा पात्र कर्मचारियों के लिए 25,000 शेयर रखे गए हैं। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में अब तक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में विनिवेश के जरिये 52,716 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

रिटर्न के मामले में हिंदुस्तान कॉपर का रिकॉर्ड काफी अच्छा है। कंपनी ने एक महीने में 11 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। वहीं एक साल में इसने निवेशकों की रकम को दोगुने से ज्यादा कर दिया है। एक साल में कंपनी का रिटर्न 127 फीसदी रहा है। वहीं 5 साल में इस कंपनी के शेयर में 350 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है।

वाराणसी-गया समेत 11 एयरपोर्ट्स प्राइवेट हाथों में सौंपने की तैयारी

पिछली बार अडानी के खाते में गए थे सारे

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार पब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिप मॉडल के तहत 11 एयरपोर्ट्स को प्राइवेट कंपनियों को सौंपने की योजना बना रही है। इनमें वाराणसी और गया के हवाई अड्डे शामिल हैं। पांच बड़े एयरपोर्ट्स को छह छोटे एयरपोर्ट्स के साथ मिलाकर बंडल बनाया जाएगा। हर बंडल एक ही कंपनी को सौंपा जाएगा। इसका मकसद किसी एक कंपनी के दबदबे को रोकना है। 2019 में जब एयरपोर्ट्स को प्राइवेट किया गया था तो अडानी ग्रुप ने सभी छह एयरपोर्ट्स के लिए बोली जीती थी।

पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप अप्रेजल कमिटी ने 4 अगस्त को हुई बैठक में नागरिक उड्डयन मंत्रालय के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी। इन एयरपोर्ट्स को मॉडल के तहत 50 साल की अवधि के लिए लीज पर दिया जाएगा। माना जा रहा है कि प्राइवेट ऑपरेटर्स इन 11 एयरपोर्ट्स में लगभग 8,622 करोड़ का इन्वेस्टमेंट करेंगे। मिनट्स के अनुसार, आगे का विस्तार एयरपोर्ट्स इकोनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी के नियमों के तहत ट्रैफिक और

क्षमता की सीमाओं से जुड़ा होगा। सरकार एक ही बोली लगाने वाले को मिलने वाले एयरपोर्ट बंडलों की संख्या सीमित करके एकाधिकार को रोकने की भी कोशिश कर रही है। मिनट्स में कहा गया है, एक ही बोली लगाने वाले को दिए जाने वाले एयरपोर्ट बंडलों की संख्या सीमित की जाएगी। इसमें मार्केट में एकाधिकार और जरूरत से ज्यादा कर्ज (ओवर-लीवरेजिंग) के जोखिमों का हवाला दिया गया है। इस सीमा (कैप) के तौर-तरीकों पर अभी काम चल रहा है।

कितने का होगा निवेश

ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक भुवनेश्वर-हुबली बंडल में सबसे ज्यादा 2,725 करोड़ के इन्वेस्टमेंट की जरूरत है। इसके बाद वाराणसी-गया-कुशीनगर बंडल में 2,467 करोड़ का इन्वेस्टमेंट होगा। रायपुर-औरंगाबाद के लिए 1,496 करोड़, तिरुचिरापल्ली-तिरुपति के लिए 1,411 करोड़ और अमृतसर-कांगड़ा के लिए 523 करोड़ की जरूरत है। इस इन्वेस्टमेंट में कंसेशनेयर्स द्वारा किया जाने वाला कैपिटल एक्सपेंडिचर शामिल होगा। इसमें एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा पहले से मंजूर किया गया खर्च और क्षमता बढ़ाने के लिए जरूरी अतिरिक्त खर्च भी शामिल हैं। मंजूर किए गए कैपेक्स का काम कमर्शियल ऑपरेशन शुरू होने के तीन साल के भीतर पूरा करना होगा।

ऑनलाइन प्रतिबंधित सामग्री बेच रहे थे

स्विगी इंस्टामार्ट और बिग बास्केट का फूड लाइसेंस सस्पेंड

बेंगलुरु, एजेंसी। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जुड़ी बड़ी खबर आई है। खबर है कि कर्नाटक के फूड लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन को सस्पेंड कर दिया है। यह सस्पेंशन अगले आदेश तक के लिए बताया गया है। इनके खिलाफ कार्रवाई इसलिए की है क्योंकि ये अपने प्लेटफार्म पर विषैले फल धतूरा और उसके बीज बेच रहे थे। विभाग ने बताया है कि यह कार्रवाई 2011 के तहत की जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कर्नाटक फूड सेफ्टी और ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट ने तीनों क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को तुरंत ही धतूरा की लिस्टिंग हटाने को कहा है। इन्हें निर्देश है कि वे विषैले फल धतूरा का विज्ञापन भी हटाएं और उसे एक खाद्य पदार्थ के रूप में बिक्री और वितरण नहीं करें।

अगला आदेश कब आएगा: विभाग ने कहा कि इस ऑर्डर के कंप्लायेंस रिपोर्ट मिलने के बाद संबंधित पार्टी को अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाएगा। उसके बाद एक सेपरेट ऑर्डर पारित किया जाएगा। साथ ही कहा कि संबंधित प्लेटफॉर्म्स को निर्देशों का पालन करना होगा। आदेश का कोई भी उल्लंघन होने पर लागू कानूनों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई से पहले हुई जांच, रिस्पांस संतोषजनक नहीं

ऐसा नहीं है कि फूड सेफ्टी विभाग ने यह कार्रवाई आनन-फानन में की। इस कार्रवाई से पहले फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारियों ने निरीक्षण किया। इस दौरान पाया गया कि धतूरा के फल और बीज इन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के रजिस्ट्रेशन या लाइसेंस नंबर का उपयोग करके स्टोर किया गया था ओर उसे बेचा जा रहा था। उसके बाद मामले की सुनवाई बीते 24 अगस्त को हुई। इस दौरान संबंधित प्लेटफॉम्स के प्रतिनिधि भी पेश हुए थे। इन कंपनियों के रिस्पांस को विभाग ने संतोषजनक नहीं माना। विभाग ने कहा कि धतूरा के फलों और बीजों की विषाक्त प्रकृति है। इससे पब्लिक हेल्थ को खतरा है। इसलिए अगले आदेश तक के लिए इन पदार्थों की बिक्री को सस्पेंड कर दिया गया है। साथ ही ऐसे प्रोडक्ट की स्पलाई करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई का आदेश दिया।

इंस्पेक्शन में क्या मिला

खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने इंस्पेक्शन के दौरान धतूरा के के फल और बीज के पैकेट बरामद किए। उन पैकेटों पर फूड रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित थे। ये प्रोडक्ट्स एक गोदाम में भी पाए गए और ऑनलाइन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से बेचे या वितरित किए जा रहे थे। प्राधिकरण का कहना है कि धतूरा के बीच में विषैले गुण पाए जाते हैं और इसका खाद्य पदार्थ के रूप में उपयोग करना हानिकारक हो सकता है। इससे स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम हो सकता है। साथ ही इसकी बिक्री गैरकानूनी भी है। प्रोसिडिंग्स के मुताबिक अमेजन ने तो विभाग द्वारा जारी नोटिस का कोई जवाब ही नहीं दिया। वहीं स्विगी इंस्टामार्ट ने नोटिस के बाद की गई कार्रवाई का विवरण देने के लिए और समय मांगा।

हमारा सबसे कठिन दिन वो था, दो गृहिणियों ने कॉर्पोरेट डिग्री वालों को छोड़ा पीछे, खड़ा किया अपना ब्रांड

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार की दो गृहिणियों ने कमाल कर दिया है। बिना किसी बिजनेस बैकग्राउंड के इन्होंने एक सफल ब्रांड बना डाला है। इनके नाम नीतू

यादव और गीता सिंह हैं। दोनों की उम्र 50 साल से ज्यादा है। अपने तीन दशकों के घरेलू अनुभव के दम पर उन्होंने अपने स्टार्टअप की नींव रखी। इसका नाम द ठेकुआ कंपनी है। यह डी2डी स्टार्टअप बेंगलुरु से ऑपरेट हो रहा है। मिथिला के पारंपरिक स्वाद ठेकुआ को यह अल्ट्रा-प्रोसेस्ड बिस्किट के स्वस्थ विकल्प के रूप में देशभर के घरों तक पहुंचाने में लगा है। आइए, यहां नीतू यादव और गीता सिंह की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। बिहार, यूपी और झारखंड में सदियों से ठेकुआ खाया जाता रहा है। लेकिन, पिछले कुछ दशकों में यह छठ के कारण ज्यादा प्रचलित हुआ। देश में रोजमर्रा के स्नैक्स पर प्रोसेस्ड बिस्किट का राज है। पाम ऑयल और मैदे से बने इन बिस्किट के बढ़ते प्रभाव को देखकर नीतू यादव और गीता सिंह को आइडिया आया। उन्होंने ठेकुआ को स्नैक्स में तब्दील करने का फैसला किया। नवंबर 2025 में छठ पूजा के दौरान दोनों ने बिना किसी पेड विज्ञापन के केवल वर्ड-ऑफ-माउथ के आधार पर इसका पायलट परीक्षण किया। अनजान ग्राहकों से मिले बेहतरीन रेस्पॉन्स और बार-बार मिलने वाले ऑर्डरों ने यह साबित कर दिया कि लोग साफ-सुथरे और पारंपरिक स्नैक्स की तलाश में हैं। इसके बाद मई 2026 को कंपनी को औपचारिक रूप से रजिस्टर्ड किया गया। नीतू और गीता के स्टार्टअप की खासियत इसकी शुद्धता और बनाने का पारंपरिक तरीका है। बाजार में मिलने वाले अन्य बेक्ड आइटम्स के उलट यहां हर बैच को 100 प्रतिशत शुद्ध देसी घी, साबुत गेहूं के आटे, प्राकृतिक गुड़ या चीनी और सूखे नारियल से तैयार किया जाता है। स्वाद और बनावट को असली बनाए रखने के लिए मिट्टी और लकड़ी के पारंपरिक सांचों का इस्तेमाल किया जाता है। आर्टिफिशियल फ्लेवर का इस्तेमाल किए बिना भी इन ठेकुओं की शेल्फ लाइफ 90 दिनों की होती है। वर्तमान में कंपनी गुड़, चीनी और ड्राई फ्रूट्स के कॉम्बिनेशन में 4 मुख्य वेरिएंट्स पेश कर रही है। घरेलू स्तर से कमर्शियल स्केल पर जाने का सफर आसान नहीं था। बिना किसी ऑटोमेटेड मशीनरी के एक ही दिन में 25 किलो ठेकुआ हाथ से तैयार करके डिलीवर करना फाउंडर्स के लिए सबसे बड़ी ऑपरेशनल चुनौती थी। इसके अलावा कूरियर डिलीवरी के दौरान इन्हें टूटने से बचाने के लिए पैकेजिंग को मजबूत बनाना भी बड़ा टास्क रहा।

छत्तीसगढ़ में सोना खोजने उतरी अनिल अग्रवाल की वेदांता, भारत में पहली बार हो रहा पोर्टेबल रिग का इस्तेमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज कारोबारी अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता लिमिटेड ने देश में सोने की खोज की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने सोने के साथ-साथ निकल और क्रोमियम जैसे क्रिटिकल मिनरल्स तथा प्लेटिनम ग्रुप के एलिमेंट्स को खोजने के लिए एक हाई स्पीड हाइड्रोस्टैटिक पोर्टेबल रिग कमीशन किया है। छत्तीसगढ़ में दो प्रोजेक्ट में इस इक्विपमेंट को तैनात किया गया है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि यह देश का पहला हाई-स्पीड हाइड्रोस्टैटिक पोर्टेबल रिग है और इसे मुश्किल इलाकों में एक्सप्लोरेशन के लिए डिजाइन किया गया है। यह 1,000 मीटर की गहराई तक खुदाई कर सकता है। साथ ही इसकी मदद से उपकरणों को एक जगह से दूसरी जगह मूव करने में कम समय लगता है। वेदांता ने कहा कि हाई-स्पीड हाइड्रोस्टैटिक पोर्टेबल रिग की तैनाती का मकसद मिनरल रिजर्व की खोज में तेजी लाना है। साथ ही इसे सुरक्षा और ऑपरेशनल क्षमता भी बेहतर होगी। कंपनी का कहना है कि उसे 10 क्रिटिकल मिनरल्स ब्लॉक मिले हैं। इनमें सोना, मैगनीज, कॉपर, निकिल-क्रोमियम, टंगस्टन, ग्रेफाइट, वैनेडियम, रेयर अर्थ एलिमेट्स और पोटाश मिलने की संभावना है। इनमें से पांच ब्लॉक में एक्सप्लोरेशन का काम चल रहा है। साथ ही कंपनी को आंध्र प्रदेश के पुन्नम मैगनीज ब्लॉक में भी सफल बिडर घोषित किया गया है। कंपनी का कहना है कि 2030 तक क्रिटिकल मिनरल्स की ग्लोबल डिमांड तिगुना होने की संभावना है। 2040 तक इसके सालाना 40 मिलियन टन तक पहुंचने का अनुमान है।

सिर्फ 1000 निवेश और 8.2 प्रतिशत का दमदार रिटर्न!

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप पैसों की बचत की प्लानिंग कर रहे हैं तो इसके लिए किसी खास उम्र के पड़ाव की जरूरत नहीं है। आप किसी भी समय में अपनी बचत की शुरुआत कर सकते हैं। इसके लिए सरकारी से लेकर प्राइवेट तक कई सारी योजनाएं हैं। इस बीच हम देश के सीनियर सिटीजन्स के लिए एक खास बचत योजना की बात कर रहे हैं, यह काफी पसंद भी किया जा रहा है।

इस योजना के तहत केवल 1000 रुपये से निवेश की शुरुआत की जा सकती है। इतना ही नहीं इसके निवेश पर 8.2 फीसदी की ब्याज दर से सरकार रिटर्न भी देती है। सीनियर सिटीजन्स सेविंग्स स्कीम हम यहां सीनियर सिटीजन्स सेविंग्स स्कीम की बात कर रहे हैं, जो एक पोस्ट ऑफिस जमा योजना भी है। इस खाता को आप डाकघर या अपने किसी नजदीकी अधिकृत बैंक में भी खोल सकते हैं। इस योजना को सरकार ने देश के वरिष्ठ नागरिकों के लिए ही बनाया है। इसमें आप कम से कम 1000 रुपये से निवेश की शुरुआत कर सकते हैं। वहीं, योजना में अधिकतम निवेश की राशि की सीमा 30 लाख रुपये तक है।

इस योजना में जमा राशि आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत टैक्स कटौती के पात्र हैं। योजना में जमा राशि पर सरकार 8.2 फीसदी का सालाना ब्याज देती है, जिसका भुगतान हर तीन महीने (तिमाही आधार) पर सीधे खाते में होता है।

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (सीनियर सिटीजन्स सेविंग्स स्कीम) को खोलने की तारीख से 5 साल का समय समाप्त होने के बाद कभी भी बंद किया जा सकता है। मतलब कि इस योजना के तहत जमा राशि केवल पांच साल में ही मैच्योर हो जाती है। हालांकि, इसे आगे तीन वर्षों के लिए और बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए उसके लिए फॉर्म बी सबमिट करना होता है। एक्सटेंशन केवल एक बार ही किया जा सकता है। अब बात वरिष्ठ नागरिक बचत योजना की पात्रता की करते हैं।

विधायक के आवास पर रसोइया की मौत

विधायक, उसके दामाद सहित 9 पर हत्या का आरोप

गम में मृतक के पिता ने खाया कीटनाशक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। जरमुंडी से भाजपा विधायक देवेंद्र कुंवर के नोनीहाट स्थित आवास में रहकर खाना बनाने वाले 30 वर्षीय सोनू राउत की सोमवार की देर शाम संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। हंसडीहा थाना की पुलिस ने सोनू के कमरे में पंखे से लटका उसका शव बरामद किया। मंगलवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया।

घरवालों ने विधायक व उनके दामाद समेत परिवार के नौ सदस्यों पर हत्या कर शव को पंखे से लटकाने का आरोप लगाया है। चाचा सुनील राउत के बयान पर पुलिस ने सभी पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक देवघर जिले के सारवां थाना क्षेत्र के बमतलियाडीह का रहने वाला था।

मंगलवार को पोस्टमार्टम हाउस के बाहर मृतक की पत्नी शिल्पी कुमारी ने बताया कि पति छह माह से विधायक के यहां रहकर खाना बनाने का काम करते थे। सोमवार की देर शाम पति को काम पर रखवाने वाले ने फोन कर बताया कि उसके पति ने फांसी लगाकर जान दे दी है।

सूचना मिलते ही चाचा सुनील राउत और मां मुन्नी देवी विधायक के घर गई तो देखा कि पति का शव पंखे से लटक रहा है। उनके शरीर से खून भी बह रहा था।

पत्नी ने आरोप लगाते हुए कहा कि विधायक व उनके परिवार के सदस्यों ने पति की हत्या करने के बाद आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को पंखे से लटका दिया है। चाचा सुनील राउत का कहना है कि भतीजे की हत्या की गई है। वह छह दिन पहले ही छुट्टी से वापस काम पर आया था।

पुलिस की माने तो विधायक अपने दामाद के साथ कुछ दिनों से बाहर हैं। घर के सदस्य भी घटना से अंजान हैं। युवक ने क्यों और कब फांसी लगाकर जान दे दी, इसके बारे में उन लोगों को कुछ पता नहीं है। सोमवार की रात जैसे ही अनिल राउत को पता चला कि बेटे की मौत हो गई है तो वह यह सदमा बर्दाश्त नहीं कर सके। उन्होंने घर में कीटनाशक खाकर जान देने का प्रयास किया। गंभीर हालत में उन्हें देवघर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत गंभीर है।

चीनी की कीमत ने बढ़ाई लोगों की टेंशन

जहानाबाद। रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आते ही बाजार में महंगाई का असर दिखने लगा है। खासकर चीनी के दाम में अचानक हुई बढ़ोतरी ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। कुछ दिनों पहले तक थोक बाजार में करीब 4,600 रुपये प्रति क्विंटल बिकने वाली चीनी अब बढ़कर 6,600 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक पहुंच गई है।

खुदरा बाजार में भी कई दुकानों पर चीनी 70 से 75 रुपये किलो तक बिक रही है। इसका सीधा असर घरेलू बजट पर पड़ रहा है। रक्षाबंधन के अवसर पर मिठाई, खीर और विभिन्न पकवानों में चीनी की खपत बढ़ जाती है। ऐसे में त्योहार से ठीक पहले दाम बढ़ने से परिवारों को पहले की तुलना में अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मिठाई कारोबारियों के मुताबिक, कई मिठाइयों की कीमत में 50 से 100 रुपये प्रति किलो तक का इजाफा हुआ है। दुकानदारों का कहना है कि सिर्फ चीनी ही महंगी नहीं हुई है। दूध, खोआ, मलाई, घी और सूखे मेवों की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है। लोगों का कहना है कि त्योहार से पहले चीनी सहित मिठाई बनाने वाली अन्य सामग्री के दाम बढ़ने से परिवारों का बजट प्रभावित होगा।

धनबाद के प्रमुख चौराहों पर उत्साहपूर्वक चला

"राखी फॉर रोड सेफ्टी" अभियान

स्कूली बच्चों ने वाहन चालकों को रक्षासूत्र बांधकर लिया सुरक्षित सफर का वचन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार रक्षाबंधन के अवसर पर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और आमजन में यातायात नियमों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से धनबाद शहर के प्रमुख चौराहों पर ²सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का सफल आयोजन किया गया। इस अनूठे अभियान के तहत विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने शहर के व्यस्ततम चौराहों पर तैनात रहकर दोपहिया एवं चारपहिया वाहन चालकों की कलाई पर रक्षासूत्र (राखी) बांधा और उनसे अपनी व दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भावनात्मक वचन लिया। चरणबद्ध आयोजन सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक सिटी सेंटर चौक, पूजा टॉकीज, स्टील गेट, गोल बिल्डिंग और मेमको मोड़ पर क्रमवार जागरूकता अभियान चलाया गया।

सड़क सुरक्षा की शपथ बच्चों ने वाहन चालकों से दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने, ओवर-स्पीडिंग से बचने और यातायात

संकेतों का कड़ाई से पालन करने का संकल्प कराया। नागरिकों का सकारात्मक रुख राहगीरों और वाहन चालकों ने बच्चों के इस भावनात्मक प्रयास की सराहना की और नियमों के अनुपालन का भरोसा दिया। बिना हेलमेट मिले चालकों को रोककर बच्चों ने स्नेहपूर्वक उन्हें जीवन रक्षा का महत्व समझाया। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से पुनः अपील की है कि सड़क सुरक्षा नियमों को केवल औपचारिकता न समझें, बल्कि इसे अपनी दैनिक आदत बनाएं। सुरक्षित ड्राइविंग से ही दुर्घटनाओं में होने वाली जन-धन की हानि को रोका जा सकता है।

चुनाव में बदल जायेगी पंचायतों की तस्वीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच आबादी के निर्धारण को लेकर प्रशासनिक स्तर पर कवायद तेज हो गई है।

1991 और 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर जिले की पंचायतों की वर्तमान अनुमानित आबादी तय की जाएगी।

उपलब्ध आंकड़ों पर गौर करें तो 20 वर्षों में जिले की आबादी में करीब 3.85 लाख की वृद्धि हुई है। 1991 में जिले के सात प्रखंडों की कुल आबादी 6.05 लाख थी,जो 2011 में बढ़कर करीब 9.90 लाख हो गई।

इस तरह दो दशकों में आबादी में लगभग 63.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रखंडवार आंकड़ों में सबसे अधिक आबादी वृद्धि मखदुमपुर में हुई है।

यहां 1991 में आबादी 1,48,986 थी, जो 2011 में बढ़कर 2,28,160 पर पहुंच गई। इस प्रकार आबादी में 79,174 की वृद्धि हुई।

वहीं काको प्रखंड की आबादी 96,432 से बढ़कर 1,73,487 हो गई। यहां 77,055 की वृद्धि दर्ज की गई। घोसी प्रखंड में वृद्धि की रफ्तार सबसे तेज रही।

1991 में यहां की आबादी 49,010 थी, जो 2011 में बढ़कर 1,08,130 हो गई। यानी दो दशक में आबादी 59,120 बढ़ी,जो 1991 की आबादी की तुलना में करीब 120.6 प्रतिशत अधिक है।

सदर प्रखंड में भी 53,615 की वृद्धि हुई। यहां आबादी 97,976 से बढ़कर 1,51,591 हो गई। रतनी फरीदपुर में 49,983 हुलासगंज में 35,398 तथा मोदनगंज में 30,410 की आबादी वृद्धि दर्ज की गई।

प्रतिशत के लिहाज से घोसी के बाद काको में करीब 80 प्रतिशत वृद्धि हुई है। हालांकि घोसी और काको अब नगर पंचायत बन गया है।

ईद मिलादुन्नबी को ले चास अनुमंडल क्षेत्र के यातायात व्यवस्था में बदलाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर कल बुधवार को को विभिन्न क्षेत्रों से निकलने वाले जुलूस को लेकर चास अनुमंडल प्रशासन द्वारा यातायात एवं विधि-व्यवस्था के दृष्टिकोण से विशेष व्यवस्था की गई है। सिजुआ, मोहनडीह, झोपरो, हैसाबातु, इस्लामपुर, आजाद नगर डुमरो, सिवनडीह आदि क्षेत्रों से जुलूस के स्टेशन मोड़, बालीडीह से नया मोड़ होते हुए उकरीद मजार शरीफ पहुंचने तथा कार्यक्रम के पश्चात वापस लौटने की संभावना को देखते हुए निर्धारित अवधि में यातायात मार्ग में बदलाव किया गया है।

निर्धारित यातायात व्यवस्था :-

उकरीद मोड़ हाईवे से स्टेशन मोड़, बालीडीह तक सड़क का बायां लेन बंद रहेगा। सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन उकरीद मोड़ से सड़क के दाहिने लेन से होगा। नया मोड़ से उकरीद मोड़ की ओर जाने वाले

डायवर्जन एवं भारी वाहनों के परिचालन पर भी रोक

सभी वाहनों का परिचालन सेक्टर-12 मोड़, पुलिस केंद्र होते हुए उकरीद मोड़ की ओर किया जाएगा। नया मोड़ से उकरीद मोड़ जाने वाला मार्ग पूर्णतः बंद रहेगा। धनबाद की ओर से आईटीआई मोड़ की ओर जाने वाले भारी मालवाहक वाहनों को पुपुनकी टोल प्लाजा के पास रोका जाएगा।

इसी तरह पुरुलिया से आईटीआई मोड़ की ओर जाने वाले भारी मालवाहक वाहनों को पिंड्राजोरा चेक पोस्ट के पास रोका जाएगा। आईटीआई मोड़ से उकरीद मोड़ की ओर जाने वाले भारी मालवाहक वाहनों को तेलीडीह मोड़ हाईवे के पास रोका जाएगा। जबकि पेटरवार से बालीडीह की ओर जाने वाले भारी मालवाहक वाहनों को जरीडीह टोल प्लाजा के पास रोका जाएगा। बालीडीह से उकरीद मोड़ की ओर जाने वाले भारी मालवाहक वाहनों को स्टेशन मोड़, बालीडीह के पास रोका जाएगा। तालगड़िया मोड़ से जोधाडीह मोड़ की ओर जाने वाले सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन सड़क के दाहिने लेन से होगा।

चास अनुमंडल पदाधिकारी प्रांजल ढांडा ने संबंधित थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में निर्धारित समय एवं स्थल पर वाहनों को रोकने तथा यातायात व्यवस्था का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

यह यातायात व्यवस्था 26 अगस्त को सुबह 09:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक प्रभावी रहेगी। आमजनों एवं वाहन चालकों से अपील की गई है कि निर्धारित अवधि में वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें तथा यातायात व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

मच्छरों के आतंक से सहमे शहरवासी

महज तीन फागिंग मशीन भरोसे 36 वार्डों के लाखों लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। बारिश का मौसम आने के साथ ही शहर में मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है, लेकिन नगर निगम प्रशासन के पास इनसे निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। नगर निगम क्षेत्र के 36 वार्डों में करीब साढ़े तीन लाख की आबादी रहती है। इतनी बड़ी आबादी को मच्छरों के प्रकोप से बचाने के लिए निगम के पास वर्तमान में महज तीन फागिंग मशीन उपलब्ध हैं।

ऐसे में सभी वार्डों में नियमित फागिंग कराना मुश्किल बना हुआ है। जानकारों की माने तो निगम प्रशासन वीआईपी एरिया में फागिंग कराने में ही ज्यादा दिलचस्पी रखता है। यही कारण है कि बारिश का मौसम आते ही क्षेत्र में मलेरिया, डेंगू के मरीज बढ़ने लगे हैं।

बताते चलें कि मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से लोगों को बचाने और सीमित संसाधनों को देखते हुए नगर निगम बोर्ड की बैठकों में कई बार नई फागिंग मशीनों की खरीद का प्रस्ताव लाया जा चुका है। बावजूद इसके प्रस्ताव अब तक कागजों से बाहर नहीं निकल पाया है। सवाल उठता है कि जब निगम को अपनी जरूरत का पता है तो मशीनों की खरीद में आखिर देरी क्यों हो रही है।

नगर निगम क्षेत्र में जगह-जगह जल जमाव, खुली नालियां और कचरे के ढेर मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रहे हैं। बारिश के बाद स्थिति और गंभीर हो जाती है। कई इलाकों में जल जमाव लंबे समय तक रहने के कारण मच्छरों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। नियमित फागिंग नहीं होने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है।

विशेषज्ञों की माने तो मच्छर डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया सहित कई संक्रामक बीमारियों के वाहक हैं। इसके बावजूद मच्छर नियंत्रण को लेकर व्यवस्था प्रभावी नजर नहीं आ रही है। तीन मशीनों के सहारे 36 वार्डों में फागिंग का दावा महज औपचारिकता बनकर रह गया है। शहरवासियों का कहना है कि फागिंग केवल शिकायत के बाद नहीं, बल्कि संवेदनशील इलाकों में नियमित रूप से होनी चाहिए।

विगत दिनों विश्व मच्छर दिवस पर जिला वेक्टर बार्न डिजीज कार्यालय की ओर से जागरूकता रैली निकालकर अभियान की औपचारिकता पूरी कर ली गई। जबकि विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सिर्फ सरकारी अस्पतालों में ही बारिश के दो माह में करीब 38 मरीज मिले हैं, वहीं निजी अस्पतालों के मरीजों की गणना करने पर यह संख्या दो सौ से ज्यादा हो जाती है।

अब सवाल यह है कि जागरूकता रैली के साथ जमीनी स्तर पर मच्छर नियंत्रण की ठोस व्यवस्था कब होगी। शहरवासियों ने जिला वीबीडी कार्यालय से नियमित तौर पर डीडीटी सहित अन्य कीटनाशकों का छिड़काव करने की मांग की है।

खान और खनिज विकास और विनियमन संशोधन विधेयक को लेकर

कांग्रेस ने केन्द्र पर साधा निशाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। कांग्रेस के प्रदेश महासचिव श्यामल किशोर सिंह ने मंगलवार को जिला मुख्यालय स्थित कांग्रेस भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक 2026 (एमएमडीआर एक्ट) और राम मंदिर चंदा चोरी के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

सिंह ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार ने एमएमडीआर एक्ट के माध्यम से राज्य सरकार के विकास कार्यों को रोकने की साजिश रची है। कांग्रेस इस विधेयक का कड़ा विरोध करती है और इसे राज्य सरकार तथा जनता के लिए हानिकारक बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राज्य के विकास कार्यों से घबराकर यह बिल लाई है।कांग्रेस ने चेतावनी दी कि आने वाले समय में वे इस बिल के विरोध में गांव-गांव जाकर लोगों को एकजुट करेंगे और आंदोलन चलाएंगे। श्यामल किशोर सिंह ने झारखंड के भाजपा सांसदों से आग्रह किया कि वे इस बिल पर अपना मंतव्य स्पष्ट करें और इसे रोकने के लिए पहल करें।

राम मंदिर चंदा चोरी के मुद्दे पर सिंह ने कहा कि सभी लोगों की राम मंदिर के प्रति आस्था है, लेकिन इसके लिए एकत्र किए गए करोड़ों रुपये के चंदे गायब हैं। उन्होंने भाजपा पदाधिकारी चंपत राय पर आरोप लगाया कि उन्होंने सारी राशि 'चंपत' कर दी है और भाजपा इस पर मूक दर्शक बनी हुई है।कांग्रेस ने चंदा चोरी की स्वतंत्र, फॉरेंसिक और सीबीआई जांच की मांग की है। सिंह ने कहा कि सरकार इस मामले में निष्क्रिय है और आरोप लगाया कि इस कथित घोटाले में भाजपा के कार्यकर्ता और उनके साथी शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देश की जनता जानना चाहती है कि आस्था के नाम पर हुई इस चोरी का जिम्मेदार कौन है और सीसीटीवी से जुड़े दस्तावेज सुरक्षित रखे जाएं। सिंह ने बताया कि एक एसआईटी का गठन हुआ और जांच भी हुई, लेकिन रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई।

मौके पर पाकुड़ जिला अध्यक्ष कुमार सरकार, उपाध्यक्ष प्रमोद डोकानिया, प्रखंड अध्यक्ष मांसारुल हक, शाहीन परवेज, गुलाम अहमद,मोहम्मद बेलाल, अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

लूट का शिकार होने से बचा सीएसपी

सीतामढ़ी। रीगा थाना क्षेत्र अंतर्गत रीगा-परसौनी पथ पर रेवासी पंचायत के धनुषी टोला के समीप ग्रामीणों की दिलेरी से सीएसपी संचालक लूट का शिकार होने से बच गया। पिस्टल के बल पर 56 हजार रुपये लूटने पहुंचे तीन बदमाशों को ग्रामीणों ने फायरिंग के बावजूद घेरकर पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से बाइक और पिस्टल जब्त की है। जानकारी के अनुसार रामनगर गांव निवासी बैंक ऑफ बड़ौदा के सीएसपी संचालक धीरेंद्र कुमार उर्फ मुन्ना बाइक से पकड़ी गांव स्थित अपने सीएसपी केंद्र जा रहे थे। इसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने रेवासी उच्च विद्यालय और धनुषी टोला के बीच मुख्य पथ पर उन्हें घेर लिया। पिस्टल का भय दिखाकर बदमाशों ने उनके पास मौजूद 56 हजार रुपये लूटने का प्रयास किया। इसी बीच आसपास के ग्रामीणों को इसकी भनक लग गई। ग्रामीणों ने एकजुट होकर बदमाशों को घेर लिया। खुद को घिरता देख तीनों बाइक से भागने लगे। भागने के दौरान बदमाशों ने ग्रामीणों को डराने के लिए दो राउंड फायरिंग की।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में 9 को आजीवन कारावास

50-50 हजार रुपये का अर्थदंड भी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। जिले की एक अदालत ने हिरणपुर थाना क्षेत्र में हुए एक खौफनाक सामूहिक दुष्कर्म के मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अपर सत्र न्यायाधीश-प्रथम , पाकुड़, कुमार क्रांति प्रसाद की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए 9 दोषियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 376-डी के तहत अंतिम सांस तक (प्राकृतिक जीवन के शेष रहने तक) कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।पति को बंधक बनाकर दिया था वारदात को अंजाम

प्राथमिकी के अनुसार, यह घटना 1 जून 2024 की शाम लगभग 6:30 बजे की है। पीड़िता (19 वर्ष) अपने पति के साथ हिरणपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सहरपुर स्थित काजू बागान में टहलने गई थी। इसी दौरान अचानक कुछ युवक वहां पहुंचे और उन्होंने पीड़िता के पति को पकड़कर बंधक बना लिया। इसके बाद आरोपियों ने पीड़िता के साथ जबरदस्ती की, उसके कपड़े फाड़ दिए और झाड़ियों में ले जाकर बारी-बारी से सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।

इस मामले में हिरणपुर थाना में कांड संख्या 35/2024, दिनांक 02.06.2024 दर्ज किया गया था। अदालत में पेश हुए 6 अहम गवाह सत्र वाद संख्या 143/2024 के तहत चली इस सुनवाई में अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 6 गवाह अदालत में पेश किए गए।

न्यायालय ने अपराध को माना मानवता के खिलाफ अदालत ने अपने फैसले में टिप्पणी की कि इस घटना ने न केवल पीड़िता को गहरी पीड़ा दी है, बल्कि मानवता और सामाजिक मान्यताओं की नींव को भी हिलाकर रख दिया है। बचाव पक्ष द्वारा दोषियों की कम उम्र का हवाला देकर नरमी बरतने की अपील को अदालत ने खारिज कर दिया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि एक सभ्य समाज में महिलाओं की सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है और ऐसे जघन्य अपराधों में कड़ी सजा भविष्य के लिए एक नजीर बननी चाहिए।

मानवेन मरांडी (28) चंदन सोरेन उर्फ चांद सोरेन (29) विवेक सोरेन (22) लखीराम मृधा उर्फ बाबूलाल मरांडी (22)जेने हांसदा (27)विश्वनाथ हेम्ब्रम (24)पांडु हेम्ब्रम (30)मिस्त्री हेम्ब्रम (30)सकल हांसदा (34) अदालत ने उक्त 9 अभियुक्तों (सभी निवासी- ग्राम कस्तूरी, थाना हिरणपुर, पाकुड़) को दोषी करार दिया है।जुमार्ने की राशि पीड़िता को देने का निर्देश अदालत ने भादवि की धारा

376- डी के तहत सभी 9 दोषियों को प्राकृतिक जीवन के अंत तक कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा, प्रत्येक दोषी पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में दोषियों को एक वर्ष का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा।

न्यायाधीश ने निर्देश दिया है कि जुमार्ने से प्राप्त शत-प्रतिशत राशि पीड़िता को उसकी मानसिक और शारीरिक पीड़ा के मुआवजे के रूप में दी जाए। साथ ही, अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पाकुड़ को 'विक्टिम कंपनसेशन स्कीम' के तहत पीड़िता के लिए अतिरिक्त उचित मुआवजे का निर्धारण करने का भी आदेश दिया है।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की दोनों हाथ कटी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा रोड-चोपन रेलखंड पर गढ़वा थाना क्षेत्र अंतर्गत जोबरइया गांव के समीप मंगलवार को रेलवे ट्रैक पर सोशल मीडिया के लिए रील बनाना एक युवती को बेहद भारी पड़ गया। इस दौरान ट्रेन की चपेट में आने से 19 वर्षीय युवती के दोनों हाथ कट गए, जबकि उसके शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोटें आई हैं।

घायल युवती की पहचान गढ़वा थाना क्षेत्र अंतर्गत शहर के अशोक बिहार मोहल्ला निवासी धीरज सिंह की पुत्री पूर्णिमा कुमारी के रूप में हुई है।

सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी बेहद नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि पूर्णिमा कुमारी अपने कुछ दोस्तों के साथ जोबरइया स्थित रेलवे ट्रैक के आसपास मोबाइल से रील बना रही थी। रील बनाने में मशगूल रहने के कारण वह ट्रैक पर आ रही ट्रेन को नहीं देख सकी।

इसी दौरान वह रांची-चोपन ट्रेन की सीधी चपेट में आ गई। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही युवती के दोनों हाथ शरीर से अलग हो गए और वह खून से लथपथ होकर वहीं गिर पड़ी।

दुर्घटना के तुरंत बाद साथ मौजूद दोस्तों में अफरा-तफरी मच गई। दोस्तों ने आनन-फानन में गंभीर रूप से घायल पूर्णिमा को उठाया और तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया।

सदर अस्पताल के आपातकालीन सेवा में तैनात डॉक्टरों ने तुरंत प्राथमिक उपचार शुरू किया, लेकिन अत्यधिक खून बह जाने और स्थिति चिंताजनक होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उसे तुरंत हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही स्वजन में चीख-पुकार मची है।

मंईयां सम्मान योजना की राशि जारी

सीएससी में उमड़ी महिलाओं की भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हनवारा। झारखंड सरकार की ओर से जिले में मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना की राशि लाभुकों के खातों में भेज दी गई है। प्रखंड के विभिन्न सीएसपी (कस्टमर सर्विस प्वाइंट) केंद्रों पर सोमवार से महिलाओं की भीड़ उमड़ने लगी।

महिलाओं के खाते में 2500 रुपये की राशि आने पर उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। सुबह से ही महगामा, हनवारा एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के सीएसपी केंद्रों पर बड़ी संख्या में महिलाएं राशि की निकासी के लिए पहुंचीं। कई स्थानों पर कतारें लगी रहीं।

लाभुकों ने बताया कि मइया सम्मान योजना की राशि रविवार को ही खाते में आ गई थी। घरेलू खर्च,

बच्चों की पढ़ाई, दवा और अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में राहत मिलेगी।

सीएसपी संचालकों ने बताया कि राशि जारी होने के बाद निकासी करने वालों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना बढ़ गई है। भीड़ को देखते हुए लाभुकों से धैर्य बनाए रखने और अपनी बारी का इंतजार करने की अपील की जा रही है। कहीं-कहीं नेटवर्क की धीमी गति के कारण निकासी में थोड़ी परेशानी भी हुई, लेकिन अधिकांश लाभुकों को सफलतापूर्वक भुगतान कर दिया गया। महिलाओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह राशि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित होगी। योजना की राशि मिलने से गांवों के बाजारों में भी खरीदारी बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

गोली लगने से महिला घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। जिले के डगरूआ थाना क्षेत्र अंतर्गत कचना रहिका टोल में जमीनी रंजिश को लेकर दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां तीन कट्ठा जमीन के विवाद में एक व्यक्ति ने अपनी ही रिश्ते की बहू को गोली मार दी। गोली महिला की पीठ में लगी, जिससे वह मौके पर ही खून से लथपथ होकर बेहोश हो गई।

घायल महिला की पहचान गुलशन दास की 25 वर्षीय पत्नी कोमल कुमारी के रूप में की गई है। आनन-फानन में परिजनों द्वारा घायल महिला को इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच में भर्ती कराया गया, जहां उसकी स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए घायल महिला की सास मासोमात उगनी देवी ने बताया कि उनके देवर विष्णु दास के साथ 3 कट्ठा जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। देवर का कहना था कि वह इस जमीन पर किसी को रहने नहीं देगा और लगातार यहां से भाग जाने की धमकी देता था।

छह महीने में बर्बाद हुई 120 करोड़ की लागत से बनी सड़क

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोइलकेरा। गोइलकेरा से सेरेंगदा के बीच बन रही 30 किमी लंबी सड़क की गुणवत्ता ने पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल मनोहरपुर में फैले भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। करीब 120 करोड़ रुपए की लागत वाली सड़क बनने के साथ ही उखड़ने और धंसने लगी है।

गोइलकेरा के बारा, तामसाई, होरो और सारूगड़ा में सड़क के धंसने से स्थानीय लोगों ने विभागीय अभियंताओं और ठेकेदार की कार्यशैली को लेकर सवाल उठाए हैं। बता दें कि चार साल पहले सड़क निर्माण कार्य शुरू हुआ था। जिसमें फाइनल लेयर का डामर बिछाने का कार्य अधिकांश हिस्सों में कुछ महीने पहले ही पूरा हुआ है। लेकिन घटिया निर्माण के कारण सड़क की दुर्गति शुरू हो गई है।

ओरेंगा के ग्रामीण मुंडा पंडरा कमरगांव ने बताया कि सड़क पर गुणवत्ता बिल्कुल नहीं है। लेकिन अफसरों को यह दिखाई नहीं देता। स्थानीय लोगों की आवाज भी अनसुनी की जा रही है। समाजसेवी बुधवा कमरगांव ने कहा है छह महीने में ही गोइलकेरा से सेरेंगदा तक सड़क जगह जगह धंस गई। इसकी स्वतंत्र एजेंसी से उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।

गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखने पर स्थानीय लोगों ने जमकर विरोध किया था। जिसके बाद रांची से आई अभियंताओं की टीम ने जांच की और ठेकेदार को क्लीन चिट दे दिया। लेकिन क्लीन चिट देने के बाद ही सड़क उखड़ने और धंसने लगी। जिससे विभाग की जांच पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

गोइलकेरा-सेरेंगदा के बीच सारुगड़ा नाले पर पुल निर्माण का कार्य चल रहा है। इसके लिए ठेकेदार ने सड़क को काट दिया। लेकिन आवागमन के वैकल्पिक मार्गों (डायवर्सन) का निर्माण नहीं कराया। जिससे कई गांवों का प्रखंड मुख्यालय से सीधा सड़क संपर्क कट गया है।

महिला टी-20 एशिया कप 2026 का आगाज 28 अगस्त से

भारत-पाकिस्तान मुकाबले पर बोली हरमनप्रीत कौर, 'ऐसा दबाव कहीं और महसूस नहीं होता'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एसीसी महिला टी20 एशिया कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले बड़ा बयान दिया है। हरमनप्रीत ने स्वीकार किया कि भारत-पाकिस्तान मैच का दबाव किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से बिल्कुल अलग होता है। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि खिलाड़ियों को नतीजे की चिंता करने के बजाय अपनी योजना, रूटीन और टीम की जरूरत पर ध्यान देना चाहिए। महिला टी20 एशिया कप 2026 का आगाज 28 अगस्त से होगा, जबकि भारत और पाकिस्तान की टीमें 5 सितंबर को ग्रुप स्टेज के हाई-वोल्टेज मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

'मैच जीतना है' का दबाव नहीं लेना चाहिए – हरमनप्रीत कौर ने खिलाड़ियों को सलाह दी कि मैच जीतने के दबाव में आने के बजाय हर पल टीम की जरूरत के मुताबिक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए। उनके अनुसार नतीजे बाद में आते हैं, लेकिन उससे पहले मैदान पर सही प्रक्रिया पर ध्यान देना ज्यादा जरूरी है। उन्होंने कहा, 'नतीजे बाद में आते हैं, लेकिन उससे पहले हर पल हमें जो भी करना है, उस पर ध्यान देना जरूरी है। सिर्फ इस बात का दबाव लेने से बेहतर है कि मैच जीतना ही है, हम अपनी प्रक्रिया पर ध्यान दें।' भारतीय कप्तान ने आगे कहा, 'हमेशा कोशिश यही रहती है कि भविष्य के बारे में ज्यादा न सोचें, बल्कि वर्तमान में रहें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें। टीम की जो भी जरूरत हो, उसके मुताबिक अपना गेम प्लान तैयार करें।'

'इस मुकाबले की अहमियत अन्य बड़े अंतरराष्ट्रीय मैचों से अलग होती'

हरमनप्रीत कौर ने कहा कि भारत-पाकिस्तान मुकाबले में खिलाड़ियों पर मानसिक दबाव काफी ज्यादा होता है और इस मुकाबले की अहमियत अन्य बड़े अंतरराष्ट्रीय मैचों से अलग होती है। हरमनप्रीत ने मीडिया से कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि यह एक हाई-प्रेशर गेम है और एक खिलाड़ी के तौर पर आपको कई चीजों से निपटना पड़ता है। हम लगातार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं, लेकिन भारत-पाकिस्तान मैच में जिस तरह का दबाव होता है, वैसा दबाव कहीं और महसूस नहीं होता।'

कप्तान के तौर पर चीजों को सरल रखना चाहती हैं हरमनप्रीत

भारतीय कप्तान ने कहा कि ऐसे मुकाबलों में अतिरिक्त दबाव लेने के बजाय खिलाड़ियों के लिए अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वह कप्तान और खिलाड़ी, दोनों भूमिकाओं में चीजों को आसान और सरल रखने की कोशिश करती हैं। हरमनप्रीत ने कहा, 'एक कप्तान और खिलाड़ी के तौर पर मैं चीजों को बहुत सरल और आसान रखने की कोशिश करती हूं। अपने लक्ष्य और अपनी रूटीन पर होना चाहिए, क्योंकि जब आप अपनी रूटीन का सही तरीके से पालन करते हैं तो नतीजे जरूर मिलते हैं।'

सिनसिनाटी ओपन

कोको गॉफ ने दूसरी बार जीता खिताब, पुरुष वर्ग में आर्थर फिल्स चैंपियन बने

मेसन (अमेरिका) (एजेंसी)। कोको गॉफ ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब दूसरी बार अपने नाम कर लिया। वहीं, पुरुष एकल के फाइनल में फ्रांस के आर्थर फिल्स ने अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो को हराकर अपने करियर का पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीत लिया।

गॉफ ने पेगुला को सीधे सेटों में हराया – महिला एकल के फाइनल में कोको गॉफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेसिका पेगुला को 6-2, 6-4 से मात दी। गॉफ ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले सेट में 5-0 की मजबूत बढ़त हासिल करने के बाद उसे 6-2 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में पेगुला ने वापसी करने की कोशिश की और स्कोर को 5-4 तक पहुंचा दिया। हालांकि, गॉफ ने दबाव में शानदार संयम दिखाया और मैच जीतकर सिनसिनाटी में अपना दूसरा महिला एकल खिताब जीत लिया। गॉफ ने मुकाबले के दौरान मिले छह में से पांच ब्रेक प्वाइंट को भुनाया।

बालाजी-चंद्रशेखर ने कानकुन टेनिस ओपन जीता

- फाइनल में मैक्सिको और बेलारूस की जोड़ी को हराया, करीब 9.5 लाख मिले

मैक्सिको (एजेंसी)। भारत के एन. श्रीराम बालाजी और अनिरुद्ध चंद्रशेखर ने मैक्सिको में खेले गए कानकुन कंट्री टेनिस ओपन का डबल्स खिताब जीत लिया है। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में मैक्सिको के मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला और बेलारूस के इवान ल्युटारेविच को 6-3, 7-6(4) से हराया।इस जीत के साथ बालाजी और अनिरुद्ध को 125-125 एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स रैंकिंग पॉइंट्स और 9,900 डॉलर (करीब 9.5 लाख रुपए) की इनामी राशि मिली।

पहले सेट में 6-3 से जीते, दूसरा टाईब्रेकर में –फाइनल के पहले सेट में दोनों जोड़ियों के बीच मुकाबला कड़ा रहा, लेकिन भारतीय जोड़ी ने अहम मौकों पर बढ़त बनाते हुए सेट 6-3 से अपने नाम किया।भारतीय जोड़ी ने पहली सर्विस पर 68 प्रतिशत और दूसरी सर्विस पर 81 प्रतिशत अंक जीते। बालाजी और अनिरुद्ध ने टाईब्रेकर में 7-4 से जीत दर्ज की और 7-6(4) से दूसरा सेट अपने नाम करते हुए खिताब जीत लिया।

श्रीलंका पर फॉलोऑन का खतरा, बारिश के कारण खेल बाधित

- भारत के खिलाफ श्रीलंका का स्कोर 265/8, फॉलोऑन बचाने के लिए 38 रन चाहिए

कोलंबो (एजेंसी)। कोलंबो टेस्ट में श्रीलंका पर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा है। उसने भारत के खिलाफ पहली पारी में 264 रन पर 8 विकेट गंवा दिए हैं। टीम को फॉलोऑन बचाने के लिए 38 रन और बनाने हैं। भारत ने पहली पारी में 503 रन बनाए थे। बारिश के कारण तीसरे दिन का खेल रोका गया है। सोनल दिनूषा 85 और लाहिरू कुमारा 8 रन पर नाबाद लौटे हैं। पसिंदु सूरियाबंडारा ने 80 रन की पारी खेली। उन्हें रवींद्र जडेजा ने बोल्ड कर दिया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार ने 3-3 विकेट लिए।

- **कुमारा के चौके से श्रीलंका 250 पार हुआ** – श्रीलंका ने पहली पारी में 250 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। लाहिरू कुमारा ने रवींद्र जडेजा के ओवर की आखिरी बॉल पर चौका लगाया। इसी चौके से टीम 250 पार पहुंच गई।

रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला। मंगलवार को मैच के तीसरे दिन श्रीलंका को फॉलोऑन बचाने के लिए 38 रन और बनाने हैं। भारत ने पहली पारी में 503 रन बनाए थे। सोनल दिनूषा फिफ्टी बनाकर खेल रहे हैं। लाहिरू कुमारा उनका साथ दे रहे हैं। पसिंदु सूरियाबंडारा ने 133 गेंदों पर 80 रन की पारी खेलकर श्रीलंका की पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन रवींद्र जडेजा ने उन्हें बोल्ड कर दिया। मोहम्मद सिराज ने निरोशन डिकवेला को बिना खाता खोले पवेलियन भेज दिया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार ने 3-3 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला।

मानव सुथार को तीसरा विकेट, नुवानथा आउट – 69वें ओवर में श्रीलंका ने 8वां विकेट गंवा दिया। मानव सुथार ने केशरा नुवानथा को सारांश जैन के हाथों कैच कराया। सुथार की गेंद पर नुवानथा ने मिड-ऑफ के ऊपर से बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद ऊंची नहीं उठी और सरांश जैन ने आसान कैच लपक लिया।

प्रभाथ जयसूर्या पर आईसीसी की कार्रवाई

श्रीलंका के स्पिनर प्रभाथ जयसूर्या पर भारत के खिलाफ कोलंबो टेस्ट के दूसरे दिन आईसीसी ने कार्रवाई की है। जयसूर्या को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल-1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया और उन्हें आधिकारिक फटकार लगाई।जयसूर्या ने आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन किया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, कपड़ों, मैदान के उपकरण या फिक्स्चर को नुकसान पहुंचाने या उसका गलत इस्तेमाल करने से जुड़ा है।दिन की आखिरी गेंद पर आउट होने के बाद पवेलियन लौटते समय जयसूर्या ने अपने बल्ले से बाउंड्री रोप पर बैट मारा था। उनके रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है।

'सारा ढांचा ही खराब कर दिया है', विश्व कप में पुरूष हॉकी टीम के खराब प्रदर्शन पर भड़के दिग्गज

एम्सटेलवीन (एजेंसी)। विश्व कप में 51 साल बाद पदक जीतने का सपना लेकर गई भारतीय पुरूष हॉकी टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने में भी नाकाम रहने के बाद पूर्व दिग्गजों ने युवा खिलाड़ियों को मौका नहीं देने और उसी कोर ग्रुप के साथ लगातार खेलने पर सवाल उठाए हैं। अर्जेंटीना से 3-5 से हारने के बाद भारत की सेमीफाइनल की उम्मीदें भी खत्म हो गई और इससे वे कमजोरियां भी उजागर हुई जो पेरिस ओलंपिक के बाद से लगातार चली आ रही थी। पूर्व खिलाड़ियों का मानना है कि धीमी शुरूआत, मौके गंवाने और डिफेंस में चूक से आगे यह समस्या और बड़ी है और इसका हल काफी पहले निकाला जाना चाहिए था। भारतीय टीम विश्व कप से पहले स्विटजरलैंड में मानसिक दृढ़ता बढ़ाने के लिए बूट कैंप में गई लेकिन टूर्नामेंट में दबाव का सामना नहीं कर सकी। ड्रैग फ्लिकर और कप्तान हरमनप्रीत सिंह पर अधिक निर्भरता का खामियाजा भुगतना पड़ा जबकि वह पूरी तरह फिट नहीं थे। मनप्रीत सिंह और मनदीप सिंह जैसे सीनियर अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद संन्यास लेने वाले गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने जूनियर खिलाड़ियों को समय पर मौके नहीं दिए जाने का हवाला देते हुए कहा, 'सीनियर खिलाड़ियों के जाने के बाद उनकी जगह कौन लेगा। क्या हमने दूसरी जमात तैयार की है। लॉस एंजिलिस ओलंपिक में दो ही साल बचे हैं और उससे पहले करीब तीस अंतरराष्ट्रीय मैच ही होंगे।

दलीप ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी ने एक ही ओवर में झटके 2 विकेट, डेब्यू मैच में गेंदबाजी से दिखाया दम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के 15 वर्षीय युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी 2026 में अपने पहले ही मुकाबले में बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन के बाद गेंदबाजी में शानदार वापसी की। नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बाएं हाथ के स्पिनर सूर्यवंशी ने एक ही ओवर में दो विकेट चटकाकर अपनी टीम ईस्ट जोन को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। नए बल्लेबाज इमलीवाती लेमतुर ने पहली ही गेंद पर चौका लगाकर अपना खाता खोला। हालांकि, सूर्यवंशी ने जल्द ही वापसी की। एक डॉट गेंद के बाद उन्होंने राउंड द विकेट आकर गेंदबाजी की और लेमतुर के बल्ले का बाहरी किनारा निकलवा दिया। विकेटकीपर और कप्तान ईशान किशन ने कैच लपकने में कोई गलती नहीं की। इस तरह वैभव सूर्यवंशी ने एक ही ओवर में दो विकेट लेकर नॉर्थ ईस्ट जोन को मुश्किल में डाल दिया। फॉलोऑन खेल रही नॉर्थ ईस्ट जोन की टीम 28वें ओवर तक 79/7 के स्कोर पर सिमटती नजर आ रही थी। रोंगसेन जोनाथन की कप्तानी वाली टीम पर पारी की हार का खतरा मंडरा रहा था। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-2 पर खेले जा रहे इस दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में ईस्ट जोन ने मुकाबले पर मजबूत पकड़ बना ली। लंच ब्रेक तक नॉर्थ ईस्ट जोन का स्कोर 102/8 था और टीम अभी भी 254 रन से पीछे चल रही थी।

बल्लेबाजी में नहीं चला बल्ला

ईस्ट जोन की ओर से खेलते हुए वैभव सूर्यवंशी को पहली पारी में बल्लेबाजी का मौका मिला, लेकिन वह बड़ी पारी नहीं खेल सके। सूर्यवंशी ने मणिपुर के तेज गेंदबाज बिश्वोजीत कोंथौजम के खिलाफ लगातार दो चौके जरूर लगाए, लेकिन इसके बाद शरीर से दूर जाती गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में गलती कर बैठे। उनका बल्ले का बाहरी किनारा लगा और गली में जोसेफ लालथंखुमा ने कैच लपक लिया। इस तरह दलीप ट्रॉफी डेब्यू पर सूर्यवंशी सिंगल डिजिट स्कोर पर आउट हो गए।

कप्तान ईशान किशन ने थमाई गेंद

बल्ले से सस्ते में आउट होने के बाद सूर्यवंशी ने गेंदबाजी से अपनी छाप छोड़ी। मुकाबले के तीसरे दिन ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने नॉर्थ ईस्ट जोन की दूसरी पारी के 26वें ओवर में उन्हें गेंद सौंपी। बाएं हाथ के स्पिनर सूर्यवंशी ने जल्द ही कप्तान के भरोसे को सही साबित कर दिया और अपने दूसरे ओवर में लगातार दो बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर मैच का रुख पूरी तरह ईस्ट जोन की तरफ मोड़ दिया।

किशन लिंगदोह को बनाया पहला शिकार

अपने दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर वैभव सूर्यवंशी ने किशन लिंगदोह को आउट किया। लिंगदोह क्रीज से आगे निकलकर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन गेंद को सही तरह से टाइम नहीं कर सके। उनके बल्ले से लीडिंग एज निकला और गेंद हवा में चली गई।

पूर्व वर्ल्ड स्नूकर चैंपियन बच्चों के यौन शोषण में दोषी

1993 से 2010 के बीच लड़की और लड़के से दुर्व्यवहार; स्नूकर संस्था ने सदस्यता खत्म की

ग्लासगो (एजेंसी)। पूर्व वर्ल्ड स्नूकर चैंपियन ग्रेम डॉट को बच्चों के यौन शोषण के दो मामलों में दोषी पाया गया है। 49 साल के डॉट के खिलाफ ग्लासगो हाई कोर्ट में पांच दिन तक सुनवाई चली। ज्यूरी ने उन्हें 1993 से 1996 के बीच एक लड़की और 2006 से 2010 के बीच एक लड़के के साथ किए गए यौन दुर्व्यवहार से जुड़े दोनों मामलों में दोषी माना। अदालत ने डॉट की सजा पर फैसला अगली सुनवाई में करने का आदेश दिया है। यह सुनवाई 29 सितंबर 2026 को एडिनबर्ग में होगी। तब तक डॉट हिरासत में रहेंगे।सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि डॉट ने 1990 के दशक में एक स्कूली लड़की के साथ कई बार अनुचित व्यवहार किया। अब 40 की उम्र में पहुंच चुकी महिला ने आरोप लगाया कि डॉट ने उसे गलत तरीके से छुआ और उसे यौन गतिविधियों में शामिल करने की कोशिश की।महिला ने अदालत में बताया कि इन घटनाओं से वह डर गई और सदमे में थी। डॉट ने उसे एक टेडी बियर भी दिया था। पुलिस ने 2001 में इन आरोपों को लेकर डॉट से संपर्क किया था, लेकिन उस समय कोई चार्ज नहीं लगाया गया।दूसरे मामले में एक लड़के ने अदालत को बताया कि डॉट ने 2006 के बाद उसका यौन शोषण किया। उस समय उसकी उम्र करीब 8 साल थी। उसने अदालत में डॉट पर बाथरूम, कार और अन्य जगहों पर अनुचित तरीके से छूने और यौन दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया।उसने यह भी बताया कि डॉट उसे चिप्स, सॉफ्ट ड्रिंक और एक बार 50 पाउंड देकर 'इनाम' देता था।

प्रज्ञाननंदा ग्रैंड चेस टूर टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे

जर्मनी के कीमर को 19-9 से हराया; अब डिफेंडिंग चैंपियन कारुआना से मुकाबला

सेंट लुइस (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ग्रैंड चेस टूर (जीसीटी) 2026 के फाइनल में पहुंच गए हैं। अमेरिका के सेंट लुइस में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में प्रज्ञाननंदा ने सेमीफाइनल में जर्मनी के विंसेंट कीमर को 19-9 से हराया। प्रज्ञाननंदा ने क्लासिकल और रैपिड गेम के बाद ही फाइनल में जगह पक्की कर ली थी। इसके बाद खेले गए तीन ब्लिट्ज गेम हारने के बावजूद उनके कुल स्कोर पर कोई असर नहीं पड़ा।अब 25 अगस्त को खिताबी मुकाबले में प्रज्ञाननंदा का सामना डिफेंडिंग चैंपियन अमेरिका के फैबियानो कारुआना से होगा।

तीन गेम बाकी रहते ही फाइनल पक्का किया – प्रज्ञाननंदा ने सेमीफाइनल के दूसरे क्लासिकल गेम में कीमर को हराकर 9-3 की बढ़त हासिल की। इसके बाद रैपिड गेम्स में भी उन्होंने बढ़त बनाए रखी।रैपिड मुकाबलों के बाद प्रज्ञाननंदा ने 3 गेम बाकी रहते ही सेमीफाइनल अपने नाम कर लिया। यानी ब्लिट्ज के नतीजे उनके फाइनल में पहुंचने की स्थिति को बदल नहीं सकते थे।इसके बाद चार ब्लिट्ज गेम खेले गए। प्रज्ञाननंदा ने पहले ब्लिट्ज गेम में हार की स्थिति से वापसी करते हुए जीत दर्ज की, लेकिन इसके बाद कीमर ने लगातार तीन ब्लिट्ज गेम जीत लिए। इसके बावजूद सेमीफाइनल का कुल स्कोर 19-9 प्रज्ञाननंदा के पक्ष में रहा।

सरकारी अस्पताल होंगे डिजिटल कमांड सेंटर से होगी मॉनिटरिंग

राज्यभर के अस्पतालों की गतिविधियों की निगरानी केंद्रीय कमांड सेंटर से की जा सकेगी

रांची, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड के सभी सरकारी अस्पताल अब डिजिटल निगरानी व्यवस्था से जुड़ेंगे। मुख्यमंत्री डिजिटल हेल्थ स्कीम के तहत सरकारी अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे और डिजिटल डैशबोर्ड स्थापित करने को लेकर मंगलवार को रॉडिक कंपनी के साथ स्वास्थ्य विभाग का एमओयू हुआ। इसके बाद राज्यभर के अस्पतालों की गतिविधियों की निगरानी केंद्रीय कमांड सेंटर से की जा सकेगी।

इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डिजिटल हेल्थ स्कीम राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल है। अस्पतालों को तकनीक से जोड़ने का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाना है। एमओयू के तहत अस्पतालों में सीसीटीवी और डैशबोर्ड आधारित व्यवस्था विकसित की जाएगी। इससे अस्पतालों में व्यवस्थाओं की स्थिति पर मुख्यालय स्तर से नजर रखी जा सकेगी। जरूरत के अनुसार संबंधित अधिकारियों को तत्काल जानकारी उपलब्ध होगी और समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई भी संभव हो सकेगी।

स्वास्थ्य विभाग के इस कदम से सरकारी अस्पतालों में मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं, अस्पताल की व्यवस्थाओं और कार्यप्रणाली की निगरानी में तकनीक की भूमिका बढ़ेगी। राज्य सरकार का लक्ष्य डिजिटल माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और जवाबदेही को मजबूत करना है।

महिला सुरक्षा को नई मजबूती: टाउन महिला थाना के नवनिर्मित भवन का एसपी ने किया उद्घाटन

मेदिनीनगर, पलामू/ नवबिहार टाइम्स संवाददाता। टाउन थाना परिसर में नवनिर्मित टाउन महिला थाना के नए भवन का उद्घाटन सोमवार को पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने किया। नए भवन के शुरू होने से महिला संबंधी मामलों के निष्पादन में तेजी आने के साथ पीड़ित महिलाओं को बेहतर और सुविधाजनक माहौल मिलने की उम्मीद है।

उद्घाटन के अवसर पर एसडीपीओ राजेश यादव, प्रभारी मेजर सुरेश राम, टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार, सार्जेंट मेजर विमल चंद्रवंशी, महिला थाना प्रभारी पार्वती कुमारी समेत कई पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। नए भवन में महिला संबंधी शिकायतों और मामलों के निष्पादन के लिए बेहतर व्यवस्था उपलब्ध होगी। इससे पीड़ित महिलाओं को अपनी समस्याएं पुलिस के समक्ष रखने में अधिक सुविधा मिलेगी। पुलिस अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि नए भवन के माध्यम से महिला सुरक्षा और महिला संबंधी मामलों के त्वरित निष्पादन को और प्रभावी बनाया जा सकेगा।

एसपी ऋषभ गर्ग ने 53 गुम मोबाइल वास्तविक धारकों को सौंपा

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखण्ड, राँची के ज्ञापांक-1227/टी.एस., दिनांक-22.07.2026 के आलोक में तथा पुलिस अधीक्षक महोदय, खूँटी के निदेर्शानुसार ह्लमिशन मुस्कानह्व के तहत जिले में गुम-चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

उक्त अभियान के क्रम में खूँटी जिला अंतर्गत विभिन्न थाना क्षेत्रों से गुम-चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी हेतु सभी थाना प्रभारियों एवं संबंधित पुलिस पदाधिकारियों-कर्मियों द्वारा समन्वित रूप से कार्रवाई करते हुए सीआईआरपी सेन्टर इक्यूपमेंट रजिस्टर पोर्टल एवं अन्य उपलब्ध तकनीकी माध्यमों का प्रभावी उपयोग किया गया।

इसी क्रम में बरामद किए गए कुल 53 मोबाइल फोन को मंगलवार को पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग द्वारा उनके वास्तविक धारकों को विधिवत सुपुर्द किया गया। अपने गुम हुए मोबाइल फोन वापस प्राप्त कर धारकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए खूँटी पुलिस के प्रति आभार प्रकट किया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के सभी थाना प्रभारियों एवं संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को गुम-चोरी हुए मोबाइल फोन से संबंधित शिकायतों पर तत्परता से कार्रवाई करने तथासीईआईआर पोर्टल का अधिकतम एवं प्रभावी उपयोग करते हुए मोबाइल फोन की बरामदगी सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

साथ ही आम नागरिकों से अपील की गई कि मोबाइल फोन गुम अथवा चोरी होने की स्थिति में तत्काल अपने नजदीकी थाना में शिकायत दर्ज कराते हुए मोबाइल से संबंधित आवश्यक विवरण उपलब्ध कराएं, ताकि एवं अन्य तकनीकी माध्यमों के जरिए त्वरित कार्रवाई की जा सके। इसके अतिरिक्त आमजनों के बीच सीआई पोर्टल के संबंध में जागरूकता बढ़ाने हेतु थाना स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रचार-प्रसार करने के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

हथियार बताओ, इनाम पाओ: पलामू में अपराधियों के अवैध हथियार पुलिस के निशाने पर

मेदिनीनगर, पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नक्सलियों के हथियारों की सूचना पर इनाम देने की तर्ज पर अब पलामू पुलिस ने अपराधियों के अवैध हथियारों को भी निशाने पर लिया है। पुलिस ने हथियारों की जानकारी देने वालों के लिए इनाम की घोषणा की है। ऑटोमेटिक हथियार की सूचना देने पर 20 हजार रुपये से अधिक, पिस्टल की जानकारी पर 15 हजार और देसी कट्टा बरामद कराने वाली सूचना पर पांच हजार रुपये तक इनाम दिया जाएगा। सूचना देने वाले की पहचान और इनाम की राशि गोपनीय रखी जाएगी। पलामू एसपी कपिल चौधरी ने बताया कि आर्म्स एक्ट से जुड़े मामलों की समीक्षा में जिले में 851 आरोपी चिह्नित हुए हैं। अवैध हथियारों के खिलाफ चल रहे अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए यह पहल की गई है। मई 2026 तक जिले में 48 हत्याएं हुईं, जिनमें 10 से अधिक में अवैध हथियारों के इस्तेमाल की बात सामने आयी है। पुलिस ने जुलाई-अगस्त में ऑपरेशन सफाया के तहत 30 से अधिक हथियार बरामद किए हैं। 2023 से अब तक नक्सलियों और अपराधियों के खिलाफ अभियान में 300 से अधिक हथियार जब्त किए जा चुके हैं। इनमें देसी कट्टे सबसे अधिक हैं। वर्ष 2023 में 56,2024 में 48,2025 में 47 और 2026 में अगस्त के पहले सप्ताह तक 35 से अधिक हथियार बरामद किए गए हैं। सभी एसडीपीओ और थाना प्रभारियों को अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने का निर्देश दिया गया है।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत

हुसैनाबाद, पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के बरडीहा गांव के पास सोमवार देर शाम अज्ञात ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार 60 वर्षीय जयराम पासवान की मौत हो गयी। वह बिशनपुर गांव के निवासी थे। परिजनों के अनुसार जयराम बाइक से हुसैनाबाद बाजार जा रहे थे। इसी दौरान बरडीहा के पास पीछे से आ रहे अज्ञात ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों ने उन्हें हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति में मेदनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर अस्पताल पुलिस चौकी के पुलिस पदाधिकारी व जवान विकास कुमार और महेंद्र कुमार पहुंचे। पुलिस ने परिजनों से जानकारी लेने के बाद शव का इंक्वेस्ट कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

डिजनीलैंड मेले में बाल श्रम का खेल, सात बच्चे मुक्त

मेदिनीनगर, पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शहर के शिवाजी मैदान में लगे डिज्नीलैंड मेले में बाल श्रम कराए जाने की सूचना पर मंगलवार को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) और श्रम विभाग की टीम ने छापामारी की। कार्रवाई के दौरान मेले में विभिन्न कामों में लगाए गए सात बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया।टीम की अचानक हुई कार्रवाई से मेला परिसर में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने अलग-अलग स्टॉल और काम करने वाले स्थानों की जांच की। इस दौरान कम उम्र के बच्चों से काम कराए जाने का मामला सामने आया। टीम ने तत्काल बच्चों को वहां से मुक्त कराया और उन्हें आवश्यक प्रक्रिया के तहत अपने संरक्षण में लिया। अधिकारियों के अनुसार, बच्चों से श्रम कराना कानूनन अपराध है। इसके बावजूद मेले जैसे सार्वजनिक आयोजन में बच्चों को काम पर लगाए जाने से बाल श्रम रोकने के सरकारी दावों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कार्रवाई के बाद संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की तैयारी है।

घर में नहीं, अब सरकारी भवन में सजेगा आंगनबाड़ी केंद्र

हुसैनाबाद, पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। देवरी कला पंचायत अंतर्गत पहाड़ी गांव में नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र का शुभारंभ किया गया। देवरी कला पंचायत समिति सदस्य अजीत कुमार सिंह ने फीता काटकर केंद्र के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान पूर्व मुखिया रामाशंकर चौधरी, पूर्व मुखिया सह राजद के हुसैनाबाद प्रखंड अध्यक्ष सुदेश्वर राम समेत अन्य लोग मौजूद रहे। उपायुक्त एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के निदेर्शानुसार अब आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन सरकारी भवन में ही किया जाएगा। इससे पहले केंद्र का संचालन सेविका द्वारा अपने निजी आवास से किया जा रहा था। नवनिर्मित भवन उपलब्ध होने के बाद नवचयनित सेविका संगीता कुमारी (देवी) ने उच्चाधिकारियों के निदेर्शों का अनुपालन करते हुए केंद्र को सरकारी भवन में संचालित करने का निर्णय लिया।

सोई महिला को करैत ने डंसा, हालत नाजुक

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। महिला को करैत ने डंसा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया। रनिया थाना क्षेत्र के उसराम गांव में सर्पदंश से 50 वर्षीय पीलावती देवी की हालत नाजुक हो गयी है। जानकारी के अनुसार, वह घर में जमीन पर सो रही थी। इसी दौरान सुबह करीब तीन बजे करैत सांप ने उसके हाथ में डंस लिया। पीलावती ने परिजनों को घटना की जानकारी दी।

सांप घर के बिल में घुस गया

जिसके बाद उसे रनिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे तोरपा रेफरल अस्पताल रेफर कर दिया। वहां से भी उसे सदर अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसका इलाज जारी है। परिजनों के अनुसार, डंसने के बाद सांप घर के बिल में घुस गया। इससे परिवार में दहशत है।

पुलिस उपमहानिरीक्षक किशोर कौशल ने मंगलवार को बरवाडीह थाना का किया निरीक्षण

थाना परिसर पहुंचने पर पुलिस जवानों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया

मेदिनँगर, पलामू, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। निरीक्षण के दौरान पुलिस उप-महानिरीक्षक श्री किशोर कौशल ने थाना परिसर, कार्यालय एवं विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने थाना में संधारित अभिलेखों, लंबित मामलों तथा पुलिसिंग से संबंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन तथा आम जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। साथ ही क्षेत्र में नियमित गश्ती एवं प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने की बात कही।

इस दौरान उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को उन्होंने अनुशासन, पारदर्शिता और टीम भावना के साथ कार्य करने की नसीहत दी तथा बेहतर पुलिसिंग के माध्यम से जनता का विश्वास और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया।

निरीक्षण के दौरान एस.डी.पी.ओ. श्री बिरेंद्र कुमार राम, थाना प्रभारी पुङ्मअङ्गनिङ्ग अनुराग कुमार एवं अन्य पदस्थापित पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

चीनी के बढ़ते दामों के बीच थोक गोदामों का निरीक्षण

मेदिनगर, पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बढ़ते चीनी के दामों के बीच मंगलवार को जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रमोद कुमार के नेतृत्व में कृषि बाजार प्रांगण, बैरिया डालटनगंज स्थित चीनी के थोक व्यवसायियों के गोदामों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मेसर्स गौरव ट्रेडिंग, मेसर्स हार्दिक इंटरप्राइजेज, मेसर्स सुनील गोस्वामी, मेसर्स एस.बी. सेल एवं डालटनगंज ट्रेडर्स के गोदामों की जांच की गई। जांच के दौरान व्यवसायियों को प्रतिदिन चीनी की प्राप्ति एवं बिक्री का पंजी संधारित करने, एकरारनामा के अनुसार चिन्हित गोदाम में ही चीनी का भंडारण करने तथा वर्तमान में चीनी की किल्लत को देखते हुए अधिक मूल्य पर बिक्री नहीं करने का निर्देश दिया गया। साथ ही स्टॉक से संबंधित बोर्ड को प्रतिदिन अद्यतन रखने तथा किसी भी परिस्थिति में सात दिनों से अधिक अवधि का चीनी का भंडारण नहीं करने का निर्देश दिया गया। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने कहा कि चीनी की उपलब्धता एवं कीमतों पर प्रशासन की लगातार नजर है। निर्धारित नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित व्यवसायियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मो. जावेद हुसैन की अध्यक्षता में राजनीतिक प्रतिनिधियों के साथ बैठक

एसआइआर के तहत नोटिस एवं सुनबाई प्रक्रिया एवं निर्धारित दस्तावेजों की दी गई जानकारी

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मो. जावेद हुसैन की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में राजनीतिक प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ्र) के अंतर्गत नोटिस एवं सुनवाई की प्रक्रिया, दावा-आपत्ति के निस्तारण तथा मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने को लेकर आवश्यक जानकारी दी गई। बैठक में बताया गया कि नोटिस एवं दावा-आपत्तियों के निष्पादन के चरण में बीएलओ द्वारा नो-मैपिंग, तार्किक विसंगति तथा अन्य संबंधित सूचियों में शामिल मतदाताओं को नोटिस उपलब्ध कराया जाएगा। नोटिस प्राप्त होने के बाद संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। दावा-आपत्ति की अवधि 5 अगस्त से 15 सितंबर 2026 तक निर्धारित है तथा प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण 14 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। साथ ही पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, प्रविष्टियों में आवश्यक सुधार तथा फॉर्म-8 के माध्यम से नाम स्थानांतरण की प्रक्रिया की भी जानकारी दी गई। बैठक में राजनीतिक प्रतिनिधियों को यह भी बताया गया कि रक्फ्रके अंतर्गत आवश्यक दस्तावेजों की सांकेतिक सूची में केंद्र/राज्य सरकार अथवा ढरव के नियमित कर्मचारी या पेंशनभोगी को जारी पहचान पत्र/ढढड, 01 जुलाई 1987 से पूर्व सरकार, स्थानीय प्राधिकरण, बैंक, डाकघर, छक्ट अथवा ढरव द्वारा जारी पहचान पत्र, प्रमाण-पत्र या दस्तावेज, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण-पत्र, पासपोर्ट, मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय का मैट्रिकुलेशन अथवा शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, स्थायी निवास प्रमाण-पत्र, वन अधिकार प्रमाण-पत्र, डइउ/रउ/रळ अथवा अन्य जाति प्रमाण-पत्र, जहां लागू हो वहां ठफ्छ, राज्य अथवा स्थानीय प्राधिकरण द्वारा तैयार परिवार रजिस्टर तथा सरकार द्वारा जारी भूमि/मकान आवंटन प्रमाण-पत्र शामिल हैं। बैठक में एक परिवार अथवा एक ही घर के मतदाताओं को एक ही मतदान केंद्र की मतदाता सूची में दर्ज करने की दिशा में किए जा रहे कार्यों से भी अवगत कराया गया। राजनीतिक प्रतिनिधियों से अपील की गई कि वे पात्र नागरिकों को सही जानकारी उपलब्ध कराने एवं आवश्यक दस्तावेज समय पर प्रस्तुत कराने में सहयोग करें।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ने कहा कि रक्फ्र का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है। किसी भी पात्र भारतीय नागरिक को घबराने की आवश्यकता नहीं है। निर्वाचन से जुड़े पदाधिकारी एवं कर्मी आवश्यक सहयोग के लिए तत्पर हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित किसी भी जानकारी अथवा सहायता के लिए निर्वाचन आयोग के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1950 पर संपर्क किया जा सकता है।

10 हाथियों के झुंड ने रौंदी धान की फसल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रनिया। रनिया प्रखंड के ग्रामीण और जंगली इलाकों में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। रात बोंगतेल गांव में करीब 10 हाथियों के झुंड ने खेतों में जमकर उत्पात मचाया। हाथियों के झुंड ने खेत में लगी धान की फसल को रौंदकर बर्बाद कर दिया।

इससे किसानों को काफी नुकसान हुआ है। रात में हाथियों के गांव के आसपास पहुंचने से ग्रामीणों में भी दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों के कारण क्षेत्र में लगातार फसलों को नुकसान पहुंच रहा है, जिससे किसानों की परेशानी बढ़ती जा रही है। घटना की जानकारी वन विभाग को दे दी गयी है. पीड़ित किसानों ने वन विभाग से क्षतिग्रस्त फसल का आकलन कर उचित मुआवजा देने की मांग की है। ग्रामीणों ने हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखने और फसल व जान-माल की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की भी मांग की है।

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में डीसी ने दिये आवश्यक निर्देश

मेदिनीनगर, पलामू, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने मंगलवार को समाहरणालय सभागार में शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर जिले में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की। बैठक में छात्र एवं शिक्षक उपस्थिति, छात्र नामांकन, आधार एवं अढअअफ, शून्य नामांकन वाले विद्यालय, रेल परफॉर्मेंस, रटउ पुनर्गठन, शिक्षक मॉड्यूल, एवं प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई।

छात्र उपस्थिति में सुधार पर जोर

समीक्षा के दौरान बताया गया कि जुलाई 2026 में पलामू में छात्रों की औसत उपस्थिति 75.5 प्रतिशत रही, जबकि शिक्षक उपस्थिति 88.5 प्रतिशत दर्ज की गई। उपायुक्त श्री शेखावत ने छात्र उपस्थिति में और सुधार लाने के लिए विद्यालय स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग एवं कम उपस्थिति वाले विद्यालयों के कारणों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

नामांकन गैप कम करने एवं अपार में तेजी के निर्देश

जिले में छात्र नामांकन का गैप घटकर 6.37 प्रतिशत रह गया है, जो 23 जुलाई को 9.68 प्रतिशत था।डीसी ने शेष गैप को भी कम करने का निर्देश दिया। वहीं जिले में 73.51 प्रतिशत विद्यार्थियों का आधार सत्यापन एवं 63.82 प्रतिशत विद्यार्थियों की अपार आईडी जनरेट हुई है।उन्होंने अपार आईडी निर्माण में तेजी लाने को कहा। बैठक में जिले के 13 शून्य नामांकन वाले विद्यालयों की भी समीक्षा की गई तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके अलावा एश्श पोर्टल पर रेल परफॉर्मेंस, रटउ पुनर्गठन, शिक्षक प्रोफाइल एवं मॉड्यूल की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने को कहा गया।

प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति की समीक्षा में 97,159 विद्यार्थियों का ई-कल्याण पोर्टल पर नामांकन दर्ज पाया गया। उपायुक्त ने लंबित आवेदनों का शीघ्र सत्यापन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी संदीप कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, बीपीओ सहित शिक्षा विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

जेएसएलपीएस कार्यों में लापरवाही पर छह बीपीएम से स्पष्टीकरण

उपायुक्त ने दिए कड़े निर्देश

मेदिनीनगर, पलामू, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (खरछढर) की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न आजीविका गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की गयी। बैठक में कृषि, उद्यमिता विकास, फूलो-झानो आशीर्वाद योजना, बैंक लिंकेज एवं स्वयं सहायता समूहों के सशक्तीकरण सहित अन्य कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही सामाजिक विकास के कार्यों में तेजी लाने तथा लंबित ग्रांट का शीघ्र वितरण सुनिश्चित करने को कहा। उपायुक्त ने फूलो-झानो आशीर्वाद योजना का निर्धारित लक्ष्य एक माह के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। वहीं, खाली पड़े सरकारी भवनों को सखी मंडल के उपयोग के लिए उपलब्ध कराने तथा हुसैनाबाद एवं चैनपुर में दीदी कैफे खोलने की दिशा में कार्रवाई करने को कहा। समीक्षा के दौरान लो-कोष का कार्य संतोषजनक नहीं पाए जाने पर छतरपुर बीपीएम से स्पष्टीकरण लेने का निर्देश दिया गया। वहीं, आजीविका उफ्छ रजिस्टर के कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर उंटारी रोड, पाटन, हुसैनाबाद, चैनपुर एवं मनातू के इढट से भी स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया गया। बैठक में पिछले माह के अनुपालन कार्यों की भी समीक्षा की गई। कोयल अपैरल पार्क में मैनपावर बढ़ाने के निर्देश के अनुपालन में अब 160 दीदियों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।बैठक में जेएसएलपीएस की जिला कार्यक्रम प्रबंधक अनीता सी. केरकेट्टा, जिला प्रबंधक अख्तर अंसारी, नवल किशोर, मिथलेश कुमार, विकास खलखो, प्रवीण सिंह समेत सभी प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हर खेल को समान महत्व देते हुए खेल गतिविधियों को दें बढ़ावा : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मंगलवार को उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय खेल संचालन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में खेल गतिविधियों के समुचित संचालन एवं विस्तार, वार्षिक खेल कैलेंडर तैयार करने, खेल आधारभूत संरचना के विकास, प्रायोजन, खेल पत्रिका के प्रकाशन तथा खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक खेल का अपना महत्व है। किसी भी खेल को उसकी लोकप्रियता अथवा आर्थिक दृष्टिकोण से कमतर नहीं आंका जाना चाहिए। क्रिकेट, कबड्डी, तीरंदाजी, ताइक्वांडो, जूडो-कराटे, फुटबॉल, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग सहित सभी खेलों को समान महत्व देते हुए उनके विकास के लिए सकारात्मक एवं समन्वित प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि किसी एक खेल का आयोजन केवल संबंधित खेल संघ का आयोजन नहीं, बल्कि जिले के पूरे खेल समुदाय का आयोजन होना चाहिए। सभी खेल संघों के पदाधिकारी एवं खिलाड़ी आपसी समन्वय, भाईचारे एवं खेल भावना के साथ एक-दूसरे के आयोजनों में सक्रिय रूप से भाग लें। खेल के मैदान में प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ आपसी सौहार्द एवं टीम भावना भी दिखाई देनी चाहिए।

31 मार्च 2027 तक का समेकित खेल कैलेंडर तैयार करें

उपायुक्त ने सभी खेल संघों को आगामी 31 मार्च 2027 तक का समेकित एवं विस्तृत खेल कैलेंडर तैयार करने का निर्देश दिया। कैलेंडर में प्रत्येक खेल के आयोजन की संभावित तिथि, स्थान, आयोजन का स्वरूप एवं अनुमानित बजट का उल्लेख करने को कहा। उन्होंने कहा कि केवल तिथियों की सूची तैयार न की जाए, बल्कि सभी खेल संघ आपस में समन्वय स्थापित कर ऐसा कैलेंडर तैयार करें, जिससे पूरे वर्ष जिले में व्यवस्थित रूप से खेल गतिविधियों का संचालन किया जा सके। प्राप्त कैलेंडर पर जिला स्तर पर विचार-विमर्श कर आगामी बैठक में इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

प्रत्येक खेल के लिए चिह्नित किया जाएगा आदर्श स्थल

उपायुक्त ने कहा कि जिला खेल परिसर के निर्माण तक प्रत्येक प्रमुख खेल के लिए उपयुक्त एवं सुविधायुक्त स्थल चिह्नित किया जाए। संबंधित खेल संघ दो-तीन संभावित स्थलों का प्रस्ताव उपलब्ध कराएं। इसके बाद जिला प्रशासन संबंधित विद्यालयों एवं संस्थानों के साथ समन्वय कर आवश्यक सुविधाओं से युक्त स्थल को संबंधित खेल के लिए निर्धारित करने की दिशा में कार्य करेगा।

खेल सुविधाओं की कमी का विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश

सभी खेल संघों से अपने-अपने खेल से संबंधित आधारभूत संरचना की कमी एवं आवश्यक संसाधनों का विवरण तैयार कर 10 दिनों के भीतर उपलब्ध कराने को कहा गया। प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर प्राथमिकता निर्धारित करते हुए उपलब्ध संसाधनों तथा डीएमएफटी सहित अन्य माध्यमों से खेल सुविधाओं के विकास की संभावनाओं पर कार्य किया जाएगा।

ग्रामीण प्रतिभाओं को भी मिलेगा समान अवसर

उपायुक्त ने कहा कि खेल गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं में शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण एवं प्रखंड स्तर के खिलाड़ियों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतियोगिताओं एवं प्रतिभा पहचान कार्यक्रमों को बढ़ावा देकर स्थानीय प्रतिभाओं को जिला एवं राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं तक पहुंचाने के लिए आवश्यक पहल की जाए।

औद्योगिक संस्थानों को खेल प्रायोजन से जोड़ने की पहल

बैठक में सीसीएल, बीसीसीएल, बीएसएल सहित जिले में कार्यरत औद्योगिक एवं अन्य संस्थानों को खेल गतिविधियों से जोड़ने पर चर्चा की गई। सभी खेल संघों से अपने प्रस्तावित आयोजनों एवं अनुमानित बजट का विवरण उपलब्ध कराने को कहा गया, ताकि संबंधित संस्थानों के समक्ष एक या अधिक खेलों को वर्षभर के लिए प्रायोजित करने का प्रस्ताव रखा जा सके।

बोकारो खेल पत्रिका के प्रकाशन का प्रस्ताव

बैठक में जिले की खेल प्रतिभाओं, उपलब्धियों एवं गतिविधियों को व्यापक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से बोकारो खेल पत्रिका के प्रकाशन का प्रस्ताव रखा गया। पत्रिका में विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारियों एवं खिलाड़ियों के आलेख प्रकाशित किए जाएंगे।

वित्तीय प्रबंधन में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने का निर्देश

उपायुक्त ने खेल गतिविधियों के लिए वित्तीय प्रबंधन में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्राप्त राशि एवं व्यय स्पष्ट एवं व्यवस्थित लेखा-जोखा रखा जाए। किस खेल के लिए कितनी राशि उपलब्ध हुई, कितना आवंटन किया गया तथा किस मद में कितना व्यय हुआ, इसकी जानकारी पारदर्शी तरीके से उपलब्ध रहे।

विद्यालय, उद्योग एवं जिला प्रशासन मिलकर तैयार करेंगे मजबूत खेल तंत्र

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, खेल संघ, विद्यालय एवं औद्योगिक संस्थान मिलकर बोकारो में मजबूत खेल तंत्र विकसित करें। प्रत्येक खेल को आवश्यक आधारभूत संरचना, प्रशिक्षण, प्रतियोगिता, आर्थिक सहयोग तथा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराना सामूहिक प्राथमिकता होनी चाहिए।

हम आपको सुनते हैं लोक संवाद में उपायुक्त ने सीधे सुनी आमजनों की बात

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला प्रशासन की ओर से आमजनों की समस्याओं को सीधे सुनने एवं उनके त्वरित समाधान के उद्देश्य से मंगलवार को हम आपको सुनते हैं... (लोक संवाद) कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपायुक्त अजय नाथ झा ने कार्यक्रम में पहुंचे आमजनों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया।

एक-एक मामले को गंभीरता से सुना

लोक संवाद के दौरान विभिन्न प्रखंडों एवं क्षेत्रों से आए लोगों ने पेंशन, भूमि, आवास, राशन, सामाजिक सुरक्षा, रोजगार सहित अन्य मामलों से संबंधित समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों से वस्तुस्थिति की जानकारी ली तथा नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आमजन अपनी समस्या लेकर प्रशासन के पास विश्वास के साथ आते हैं। इसलिए उनके आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई होनी चाहिए। किसी भी पात्र व्यक्ति को सरकारी योजना के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए।

41 मामलों पर हुई सुनवाई

लोक संवाद कार्यक्रम में उपायुक्त द्वारा कुल 41 मामलों की सुनवाई की गई। प्रत्येक मामले में संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों के निष्पादन के साथ-साथ आवेदकों को की गई कार्रवाई की जानकारी भी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि हम आपको सुनते हैं... का उद्देश्य प्रशासन और आमजन के बीच संवाद को मजबूत करना है। लोगों की समस्याओं को सुनकर उसका समाधान सुनिश्चित करना ही सुशासन की वास्तविक पहचान है। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, एडीडीएस सुचिता किरण, प्रभारी पदाधिकारी हेमलता बून, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

वृक्षों को राखी बांधकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आगामी रक्षाबंधन के अवसर पर सेंट जेवियर स्कूल, बोकारो स्टील सिटी के इको क्लब द्वारा 'वृक्ष बंधन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने वृक्षों को राखी बाँधकर उनके प्रति सम्मान एवं संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने स्वयं सुंदर राखियां तैयार कीं और उन्हें विद्यालय परिसर के वृक्षों को बांधा। जिस तरह भाई-बहन एक-दूसरे का ख्याल रखते हैं, ठीक वैसे ही वृक्ष भी हमें ऑक्सीजन, छाया और स्वच्छ वातावरण देकर हमारे जीवन की रक्षा करते हैं। इसलिए यह हमारा नैतिक कर्तव्य है कि हम भी इन जीवनदायिनी पेड़ों की सुरक्षा का ज़िम्मा उठाएँ। कार्यक्रम प्राचार्य फादर अरुण मिंज की उपस्थिति एवं विद्यालय के सहयोग से संपन्न हुआ। अंत में विद्यार्थियों ने वृक्षों की रक्षा, अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने की शपथ ली।

मुआवजे को लेकर बीसीसीएल कार्यालय का घेराव

महुदा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मुरलीडीह 20/21 पिट्स के छत्रुटांड़ में 3.3 केवी के बिजली पोल पर कार्य करने के दौरान घायल हुए निजी बिजली मिस्त्री राजेश रवानी के मुआवजे की मांग को लेकर मंगलवार को भाजपा महुदामोड़ मंडल अध्यक्ष बिरजू रवानी के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीण बीसीसीएल के महुदा क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे। हालांकि, वहां कोई अधिकारी मौजूद नहीं मिले। ग्रामीणों ने फोन के माध्यम से प्रबंधन से संपर्क किया। इस पर प्रबंधक विभूति चंद्र मिश्र ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत का समाधान मुनीडीह के उच्च अधिकारी ही कर सकते हैं। इसके बाद ग्रामीण मुनीडीह कार्यालय पहुंचे, लेकिन वहां भी कोई अधिकारी नहीं मिला। इसके बाद ग्रामीण बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो के आवासीय कार्यालय चिटाही पहुंचे और विधायक को पूरे मामले की जानकारी दी। विधायक ने तत्काल फोन पर बीसीसीएल प्रबंधन से बातचीत की। प्रबंधन की ओर से आश्वासन दिया गया कि राजेश रवानी को नियमानुसार उचित मुआवजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। मंडल अध्यक्ष बिरजू रवानी ने कहा कि घायल राजेश रवानी के परिवार को उचित मुआवजा मिलना चाहिए। यदि प्रबंधन ने मुआवजा नहीं दिया तो ग्रामीणों के साथ मिलकर उग्र आंदोलन किया जाएगा। मौके पर जिप उपाध्यक्ष प्रतिनिधि सुभाष रवानी, जितन रवानी सहित दर्जनों ग्रामीण मौजुद थे।

27 अगस्त को कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राज्य में संशोधित खान और खनिज विकास एवं विनियमन संशोधन विधेयक के खिलाफ कांग्रेस 27 अगस्त को सभी जिला मुख्यालयों में धरना-प्रदर्शन करेगी। इसी क्रम में बोकारो पहुंचे कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने संशोधित एमएमआरडी बिल को संविधान और झारखंड के हितों पर हमला करार दिया। राजेश ठाकुर ने दावा किया कि बिल लागू होने से झारखंड को हर साल करीब 14 हजार करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान होगा। बोकारो सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य को मिलने वाली राशि में कमी आने से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावित होंगी। राजेश ठाकुर ने कहा कि यह योजना किसी एक दल की महिलाओं के लिए नहीं, बल्कि सभी महिलाओं के लिए है और भाजपा नेताओं के परिवार की महिलाएं भी इसका लाभ ले रही हैं। उन्होंने भाजपा नेताओं से सवाल किया कि यदि एमएमआरडी बिल का संशोधन झारखंड के हित में है, तो वे बताएं कि इससे राज्य को क्या लाभ होगा। राजेश ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस को इस संशोधन से होने वाले नुकसान की जानकारी है और इसी के खिलाफ पार्टी चरणबद्ध आंदोलन करेगी।

बीएसएल के बोकारो इस्पात पुस्तकालय में मासिक कवि गोष्ठी का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) एवं अखिल भारतीय चेतना दर्पण के संयुक्त तत्वावधान में सेक्टर-5 स्थित बोकारो इस्पात पुस्तकालय में मासिक कवि-गोष्ठी का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में नगर के वरिष्ठ एवं युवा कवियों तथा साहित्यकारों ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं से काव्य रस का संचार किया. साहित्यकारों ने सामाजिक सरोकारों और समसामयिक विषयों पर आधारित कविताओं के माध्यम से उपस्थित श्रोताओं को गहराई से प्रभावित किया. कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के औपचारिक स्वागत एवं सरस्वती वंदना 'हे मां शारदे वीणावादिनी' के साथ हुआ. इस काव्य गोष्ठी के दौरान विभिन्न साहित्यकारों ने अपनी विविध भावों एवं शैलियों से परिपूर्ण रचनाएं प्रस्तुत कीं. इनमें कस्तूरी सिन्हा की 'क्या कहूं क्या से क्या हो गए, अनिल कुमार श्रीवास्तव की 'पश्चाताप', क्रांति श्रीवास्तव की भोजपुरी कविता 'केतना कुछ छूट गईल नईहरा के दुआरे', काजल भलोटिया की 'कविता क्या होती है', कनक लता राय की 'दैहिक दैविक भौतिक तापा', नीलम झा की 'धरती की पुकार', पद्मावति कोमल की 'जंतर मंतर पर युवाओं की आवाज', ऋचा प्रियदर्शिनी की 'इस्पात संयंत्र के कर्मी', डॉ. रंजना श्रीवास्तव की 'सफलता के सोपान', शैलजा झा की 'रंग', पंकज प्रेमी की 'मेरा भारत देश महान', विजय शंकर मलिक की 'गाओ स्वदेश जयगाथा' तथा अमृता शर्मा की 'पौ बारह शकुनियों के' प्रमुख रहीं।

खेल जीवन में अनुशासन, निरंतर प्रयास और आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है : उपायुक्त

बोकारो में प्रत्येक वर्ष कम से कम 03 नेशनल लेवल के स्पोर्ट्स इवेंट्स आयोजित करने का लक्ष्य

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मंगलवार को मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम, सेक्टर-4, बोकारो में आयोजित सेकंड एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग आर्चरी टूनार्मेंट-2026 में उपायुक्त अजय नाथ झा शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा उनके बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में उपायुक्त ने कहा कि बोकारो की धरती पर नेशनल लेवल के आर्चरी टूनार्मेंट का आयोजन विशेष महत्व रखता है। आर्चरी हमारी आदिवासी संस्कृति एवं परंपरा से भी जुड़ा हुआ स्पोर्ट्स है। भारतीय आर्चर्स ने इस स्पोर्ट्स के माध्यम से देश का नाम इंटरनेशनल लेवल पर गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि राज्य के खिलाड़ी आर्चरी में बेहतर प्रदर्शन करें, निरंतर आगे बढ़ें और राष्ट्र का नाम वर्ल्ड लेवल पर ऊंचा करें, यही हमारी शुभकामना है। उपायुक्त ने कहा कि स्पोर्ट्स हमें लाइफ का दर्शन सिखाता है। स्पोर्ट्स में जीत और हार दोनों होती है। यदि कोई खिलाड़ी पीछे रह जाता है, तो वह निराश होकर रुकता नहीं, बल्कि प्रैक्टिस और निरंतर प्रयास के माध्यम से पुनः बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लेता है। उन्होंने कहा कि जीवन में भी यही भावना महत्वपूर्ण है। प्रयास करते रहना ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। उन्होंने बाहर से आए खिलाड़ियों से बोकारो में उपलब्ध स्पोर्ट्स फैसिलिटीज एवं इंफ्रास्ट्रक्चर का अवलोकन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों एवं स्पोर्ट्स एसोसिएशनों से प्राप्त सुझावों के आधार पर जहां भी इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर करने की आवश्यकता होगी, वहां आवश्यक कार्य किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि स्पोर्ट्स इवेंट्स एवं ट्रेनिंग कैंप के लिए फाइनेंशियल रिसोर्स एक महत्वपूर्ण चुनौती है। राज्य सरकार द्वारा स्पोर्ट्स एक्टिविटीज को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रोविजन किए गए हैं। यदि स्पोर्ट्स इवेंट्स एवं ट्रेनिंग कैंप की पूर्व प्लानिंग की जाए, तो उपलब्ध प्रावधानों के माध्यम से आवश्यक सहयोग एवं संसाधन प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बोकारो में प्रत्येक वर्ष कम से कम तीन नेशनल लेवल के स्पोर्ट्स इवेंट्स आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए जिले में कार्यरत इंडस्ट्रीज एवं इंस्टीट्यूशंस से स्पोर्ट्स एक्टिविटीज में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्रीज एवं इंस्टीट्यूशंस कम से कम एक या दो स्पोर्ट्स को स्पॉन्सर करते हुए उसके ट्रेनिंग, आयोजन एवं अन्य एक्टिविटीज में वर्षभर सहयोग करें। इससे खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिलेंगे और जिले में स्पोर्ट्स कल्चर को मजबूती मिलेगी। उपायुक्त ने कहा कि स्पोर्ट्स और खिलाड़ियों को बढ़ावा मिलने के साथ जीवन में स्पोर्ट्समैन स्पिरिट एवं हेल्दी कॉम्पिटिशन को बढ़ावा मिलेगा। इससे बोकारो को वाइब्रेंट बनाने के लक्ष्य को भी गति मिलेगी।

डीसी और एसपी ने नीट पीजी परीक्षा केंद्र का लिया जायजा

व्यवस्थाओं को लेकर दिए आवश्यक निर्देश, 30 अगस्त को होगी परीक्षा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आगामी 30 अगस्त 2026 को नीट पीजी-2026 परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा के सफल एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। बोकारो जिले में परीक्षा के लिए आयन डिजिटल जोन चास, ग्राम खमारबेन्दी, चंदनकियारी रोड स्थित केंद्र एवं क्रिसेंट लैब गवालाडीह मोड़ पुरुलिया रोड पिंड्राजोरा निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में मंगलवार को डीसी अजय नाथ झा एवं एसपी नाथू सिंह मीणा ने आयन डिजिटल जोन परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अभ्यर्थियों के प्रवेश, सुरक्षा, बिजली, पेयजल, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। डीसी ने संबंधित पदाधिकारियों को परीक्षा के दौरान निर्धारित दिशा-निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने, अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगाने तथा परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने को कहा। मौके पर डीडीसी शताब्दी मजूमदार, डीईओ प्रवीण रंजन, डीआईओ धनंजय कुमार एवं एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

दिव्यांग महिलाओं के अधिकारों पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दिव्यांग महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, समान अवसर और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सहयोगिनी की ओर से बहादुरपुर स्थित संस्था कार्यालय में ह्लदिव्यांग महिलाओं के अधिकारह्व विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में दिव्यांग महिलाओं के संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों, सामाजिक चुनौतियों और सरकारी योजनाओं तक पहुंच को लेकर चर्चा हुई। रिसोर्स पर्सन शशि भूषण पांडेय ने दिव्यांग महिलाओं के अधिकारों की जानकारी देते हुए कहा कि उन्हें अन्य नागरिकों की तरह सम्मानपूर्वक जीवन जीने, शिक्षा, रोजगार, आजीविका और सार्वजनिक सेवाओं तक समान पहुंच का अधिकार है। उन्होंने प्रतिभागियों से अधिकारों के उल्लंघन या भेदभाव की स्थिति में आवाज उठाने की अपील की। रिसोर्स पर्सन चंचला कुमारी ने समान अवसर, सामाजिक समावेशन और आत्मनिर्भरता पर संवाद करते हुए कहा कि दिव्यांग महिलाओं को सहानुभूति नहीं, बल्कि समान अवसर, सम्मान और निर्णय लेने की स्वतंत्रता की जरूरत है। शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार और सरकारी योजनाओं से जुड़ाव के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाया जा सकता है।

'नेत्रदान महादान पखवारा' का शुभारंभ, जागरूकता रैली को सिविल सर्जन ने दिखाई हरी झंडी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला स्तर पर आज 'नेत्रदान महादान पखवाड़ा' कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजनों को नेत्रदान के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा मृत्यु के बाद नेत्रदान के लिए लोगों को प्रेरित करना है। इस अवसर पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसे डॉ. अभय भूषण प्रसाद, सिविल सर्जन, बोकारो ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के माध्यम से लोगों को नेत्रदान के महत्व, इसके प्रति प्रचलित भ्रांतियों को दूर करने तथा जरूरतमंद दृष्टिहीन लोगों के जीवन में नेत्रदान से आने वाले सकारात्मक बदलाव के बारे में जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा पखवाड़े के दौरान विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. अभय भूषण प्रसाद, सिविल सर्जन, बोकारो ने कहा, नेत्रदान वास्तव में महादान है। किसी व्यक्ति के निधन के बाद उसके नेत्र किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में रोशनी ला सकते हैं। हमारा प्रयास है कि नेत्रदान को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़े और अधिक से अधिक लोग स्वेच्छा से नेत्रदान का संकल्प लें।

छात्राओं ने डीसी, एसएसपी समेत वरीय अधिकारियों को बांधी राखी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय में मंगलवार को रक्षाबंधन के अवसर पर विशेष समारोह आयोजित किया गया। जिले के विभिन्न सरकारी विद्यालयों की छात्राओं ने उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, डीडीसी सन्नी राज, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब और जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा की कलाई पर राखी बांधी। अधिकारियों ने छात्राओं को आशीर्वाद और उपहार देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राखी बांधने के बाद उपायुक्त ने छात्राओं से खुला संवाद किया और विद्यालयों की समस्याओं की जानकारी ली। प्लस टू हाई स्कूल कोलाकुसमा की छात्राओं ने एप्रोच रोड, स्मार्ट बोर्ड और संगीत वाद्ययंत्र की मांग रखी। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय गोविंदपुर ने डीप बोरिंग, जबकि कई विद्यालयों की छात्राओं ने बाउंड्री वॉल, बेंच-डेस्क, स्मार्ट बोर्ड, वॉशरूम, सोलर लाइट और खेल मैदान से जुड़ी समस्याएं बताईं। मिडिल स्कूल सरायढेला की छात्राओं ने विद्यालय के आसपास मनचलों और अवांछित तत्वों के जमावड़े की शिकायत की।

सामाजिक न्याय के पुरोधा बी.पी. मंडल की 108वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के कोयला नगर स्थित जुबली भवन के सभागार में सामाजिक न्याय के महानायक, मंडल आयोग के जनक और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री बाबू बिन्देश्वरी प्रसाद मंडल जी की 108वीं जयंती बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमामय तरीके से मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन बैकवर्ड क्लास (ओबीसी) कोल एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन, धनबाद द्वारा किया गया था। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा बी.पी. मंडल जी की तस्वीर पर माल्यार्पण, पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित कर की गई। इस अवसर पर सभागार खचाखच भरा रहा और कोयला उद्योग से जुड़े अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षाविदों में गजब का उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आइआइटी आइएसएम धनबाद के प्रो. के. पी. अजीत ने कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 340, 341 और 342 में ओबीसी आरक्षण की नींव बाबा साहेब ने रखी थी। उन्होंने बताया कि मंडल जी की अध्यक्षता में 1979 में बने द्वितीय पिछड़ा वर्ग आयोग (मंडल आयोग) ने देश के 52 प्रतिशत पिछड़े वर्ग की पहचान कर 27 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की थी। यह रिपोर्ट केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि करोड़ों वंचितों की उम्मीद थी। उन्होंने 1990 के ऐतिहासिक क्षण को याद करते हुए कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह जी ने तमाम विरोध और दबावों के बावजूद मंडल आयोग की सिफारिशों को संसद के दोनों सदनों से पारित कराकर पिछड़े वर्ग को उनका हक दिलाया। आज केंद्रीय सेवाओं और शिक्षण संस्थानों में ओबीसी समाज के लोग जो अधिकारी बनकर बैठे हैं, इसका श्रेय मंडल जी और वी.पी. सिंह जी को जाता है। उद्घाटन वक्ता के रूप में बिदेश्वरी प्रसाद जी ने मंडल जी की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बीआईटी सिंदरी से सेवानिवृत्त प्रो. आर. के. ठाकुर और जेबीसीसीआई सदस्य के. पी. गुप्ता जी का भी प्रेरणादायक संबोधन प्राप्त हुआ। पूरे कार्यक्रम का कुशल संचालन बीसीसीएल के कोयला अधिकारी और एसोसिएशन के बीसीसीएल प्रभारी देव कुमार वर्मा ने किया, जो इस आयोजन के मुख्य संयोजक भी रहे। अंत में महामंत्री सुभाष माली ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष रामदुलार सिंह, महामंत्री भोलानाथ यादव, मदन राम, देव कुमार वर्मा, दयाराम सिंह यादव, बीरेन गोपे, दिलीप कुमार, रामप्रवेश यादव, गणेश ठाकुर, अशोक वर्मा, मनोज कुमार मल्लाह, महावीर चौहान, राम नाथ गोपे, बीर बहादुर यादव, गणेश कुमार, डॉ. रणविजय सिंह, डॉ. हरीश कुमार, राजकुमार यादव, विजय कुमार, हेमंत कुमार, मनोज कुमार साव, रवींद्र कुमार सहित सैकड़ों कोयला कर्मी और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीइआईआर पोर्टल से बोकारो पुलिस ने 78 मोबाइल बरामद किए

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में मोबाइल फोन गुम और चोरी होने से संबंधित लगातार मिल रही शिकायतों के बाद बोकारो पुलिस ने सीइआईआर पोर्टल का इस्तेमाल कर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले के सभी थाना प्रभारियों और ओपी प्रभारियों को सीइआईआर पोर्टल के माध्यम से गुम या चोरी हुए मोबाइल की बरामदगी का निर्देश दिया गया था। निर्देश के आलोक में 30 जुलाई से 24 अगस्त 2026 तक चास, बेरमो (तेनुघाट), नगर और मुख्यालय क्षेत्र में सीइआईआर पोर्टल की मदद से कुल 78 मोबाइल फोन बरामद किए गए। बरामद मोबाइल के वास्तविक धारकों की पहचान और सत्यापन के बाद 25 अगस्त को उन्हें उनके मोबाइल सौंप दिए गए। पुलिस के अनुसार पिछले चार महीनों में सीइआईआर पोर्टल की मदद से जिले में कुल 567 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक धारकों को सौंपे जा चुके हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर- 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK